दोहाई क्यों देता है? बोल!

प्रभु आपको आशीष दे! आइये अब कुछ क्षण के लिए खड़े रहे, जैसा कि हम हमारे सिर को झुकाते है। क्या कोई विशेष विनंती है? यदि आप चाहते हैं, तो अपने हाथों को परमेश्वर की ओर उठाकर ज्ञात होने दे, और कहे, "हे परमेश्वर, आप मेरी आवश्यकता को जानते है।"

2 स्वर्गीय पिता, आज सुबह हम वास्तव में एक—एक सौभाग्यशाली लोग हैं, परमेश्वर के भवन में इकट्ठा होने के लिए, जब हम जानते हैं कि ऐसा है बहुत से लोग जो आज सुबह परमेश्वर के भवन में रहना चाहते हैं, और अस्पताल में है, और बीमारीयों के बिस्तर पर है। और आपने हमें आज यहाँ पर होने के लिए यह सौभाग्य दिया है। और प्रभु, हम कभी भी एक दूसरे के देखने के लिए नहीं आये, भले ही हम एक दूसरे के साथ संगती करना पसंद करते हैं; लेकिन हम ऐसा हमारे घरों पर कर सकते थे। लेकिन हम यहां पर उसके साथ संगती करने के लिए आए हैं, जिसने हमें प्रिय बच्चों और भाइयों के रूप में एक साथ लाया।

3 हम अब आपको धन्यवाद देते हैं। और ये ही एकमात्र तरीका है जिसे हम सही ढंग से आप के साथ संगती के लिए जानते हैं, जो आपके वचन के इर्द–गिर्द है। आपका वचन सत्य है। हम यहां आत्मिक शक्ति के लिए इकट्ठे होते हैं। हमें इसकी आवश्यकता है, प्रभु। हमारे पास यह शक्ति होना ही है ताकि हम उस क्रूस को बनाये रखे जिसे हम सहन कर रहे है। और हम प्रार्थना करते हैं कि आप आज महान पवित्र आत्मा को भेजेंगे, और हम सभी को मजबूत करेंगे। आपके लोगों के विनंतियो को स्वीकार करे जैसे वे इकट्ठे हुए है और अपने हाथ को आप के लिए उठाया है, कि उन्हें ऐसी चीजों की आवश्यकता है। प्रत्येक को उत्तर दीजिये, प्रभु।

4 हम कल रात यहां सड़क पर दुर्घटना में हमारी बहन उंगरेन के जीवन को बचाने के लिए धन्यवाद देते है। आप उनके प्रति दयालु थे, प्रभु, और हम इसके लिए आपको धन्यवाद देते है। और अब हम प्रार्थना करते हैं, स्वर्गीय पिता, कि आप हमारे साथ निरंतर रहेंगे, और हमारी मदद करेंगे, जैसे हम यात्रा को जारी रखते है, हर एक जन और हम में से प्रत्येक। हमें अपनी सुदृढ करने वाली सामर्थ और यह जानने का विश्वास दे कि आपकी

कभी असफल न होने वाली उपस्थिति हमारे साथ होगी। उस समय में, जब हम खुद की मदद नहीं कर सकते, हम जानते हैं, "परमेश्वर के दूत उन लोगों के चारो ओर छावनी करते हैं, जो परमेश्वर से डरते है, और वे उस को हाथों हाथ उठा लेंगे, ऐसा न हो कि तेरे पांवों में पत्थर से ठेस लगे।" और अब हम प्रार्थना करते हैं कि आप हमें वचन के लिए आप आशीष देंगे, और उसके जरिये हमसे हम में बात करेंगे, यीशु मसीह के नाम में। आमीन।

5 मैं आभारी हूं कि बाहर सूर्य की धूप, सौर सूर्य चमक रहा है। ये आज की सुबह बहुत ही खराब सा था। और मुझे लगता है, इस देश में, विशेष रूप से, हमारे पास बहुत ही अधिक आलसी, थकाने वाला मौसम है। और सूरज को बाहर आते हुए चमकता हुआ देखना, यह बहुत अच्छा लगता है।

6 आज वो छोटे परिवार का फिर से मिलना, मैं अपने भाइयों से मिलता हूं, और वे मेरी बहन के घर पर और शहर के आसपास के संबंधी है, और उसके आसपास ही हैं। ब्रन्हम लोगो का एक बड़ा झुण्ड है। यदि वे सभी केंटकी से मिलकर यहाँ आते है, तो मुझे लगता है कि हमें शहर किराए पर लेना होगा; उनमें से बहुत सारे हैं। लेकिन बस कुछ लोग ही घर की ओर वापस आते है। हम अक्सर सभी माँ के घर में मिलते थे, और वह हमें एक प्रकार से पहले का एक साथ जोड़े रखने की डोर थी। लेकिन परमेश्वर ने जोड़े रखने की डोर को स्वर्ग में ले लिया है, और मुझे आशा है कि हम सभी वहां किसी दिन मिलेंगे।

7 और अब मैंने एक दिन बताया, मैंने कहा, "आप जानते है, मैं सोचता हूं कि मैं—मैं अपने रविवार के संदेशों को छोटा करके लगभग बीस मिनट का करूंगा, और—और तीस मिनट का, और उसके बाद बीमारों के लिए प्रार्थना करूंगा।" और मैंने आज सुबह के लिए सोचा।

8 और मैंने कल रात सोचा, जब बहन डाउनिंग ने मेरे लिए फोन किया और कहा कि, बिली को फोन करो और कहो कि वो और बहन अनग्रेन अपने मार्ग पर थे, वे सड़क के एक ओर फिसल गये और उनकी टक्कर हो गयी थी। और उस समय बिली अब भी खिड़की पर था, मैं नहीं जानता कि यह कौन सा समय था; शायद आज ही सुबह, किसी समय की बात है। मैं काफी देर तक सोया हुआ था। मैंने भाई वुड की तरफ देखा, लाइट

बंद थी। और मैं तब प्रार्थना करने के लिए घुटने पर आ गया, और जब मैंने प्रार्थना की, तो किसी ने मुझसे कहा, "सब ठीक है।" तो मैंने बिली से कहा, "उसे बताओ, 'सबकुछ,' मैंने सोचा, 'ठीक है।'" मैं आज सुबह उन्हें देखकर बहुत खुश हूं, और वे वहां पीछे प्रभु के भवन में बैठे हुए है, उस रास्ते से होकर आने के बाद।

9 कुछ ऐसे लोग जो आपको बहुत प्रेम करते हैं, सुसमाचार सुनने के लिए सैकड़ों मील से आते हैं, तब मैंने सोचा, "एक बीस मिनट का संदेश दूं, और जितना मैं धीमा करता हूं, इससे उनकी कोई संतुष्टी नहीं होगी।" तो मैंने सोचा कि मुझे सन्देश थोडा... लम्बा करना होगा।

10 सो, आज सुबह, भाई अनग्रेन और उनके बेटे को गाते हुए सुना, "आपकी कितनी महान कला है," वो... वो उसके लिए कल दोपहर की तुलना में आज सुबह अधिक मतलब रखता है जो उसने किया है, क्योंकि उस स्वर्ग के महान परमेश्वर ने उसकी बहुमूल्य, प्रिय मां और बहन को बचाया।

11 अब, आज, हम प्रभु में एक महान समय की अपेक्षा कर रहे हैं। और मेरे पास यहां दो या तीन अलग–अलग विषय थे, जिसे मैं देख रहा था, और मैंने नहीं समझा, मैं नहीं जानता था कि मैं आज सुबह किस पर बात करूं। उनमें से एक था, "अपनी चिन्ताओ को उस पर डाल दो, क्योंकि वह आपकी चिंता करता है। अब, यदि वो चिंता करता है, तो आप क्यों नहीं करते? "

12 तो उसके बाद एक और विषय, बिली पॉल, या बिली पॉल नहीं... मेरे दूसरे बेटे, जोसफ ने मुझे इस विषय को बहुत समय पहले लाकर दिया था। वो एक दिन कमरे में बैठा हुआ था, और उसने कहा, वो तस्वीर की तरफ देख रहे हैं, और बिली... या, जोसफ छोटे लड़कों की तरह नाव का बहुत शौक रखता है; नाव और घोड़ों को, आप जानते हैं। और उसने मुझसे कहा, "पिताजी, क्या यीशु के पास नाव थी? "

और मैंने कहा, "मैं नहीं जानता।"

13 सो फिर उसके उठकर चले जाने के बाद, मैं सोचने लगा, "क्या उसके पास नाव थी? " और मैंने उसमें से एक विषय को लिया, और बस इसे मेरी किताब पर चिह्नित किया, "क्या यीशु के पास नाव थी? " और मैं सोचने लगा था। जब वह धरती पर था, तो उसे जन्म लेने के लिए एक गर्भ को

उधार लेना पड़ा, दफनाने के लिए एक कब्र को उधार लेना पड़ा, एक नाव को प्रचार करने के लिए उधार लेना पड़ा, लेकिन वो सिय्योन के पुराने जहाज का पायलट था। निश्चित रूप से, वह है। लेकिन, और उन विषयों पर, जिन्हें मैं सोच रहा था, सोच रहा था कि मैं उन्हें बाद में ले सकता हूं, इससे पहले हम वापस जाने के लिए वहां से निकले।

14 आप जानते है, मैं यहां इस भवन में प्रचार करना पसंद करता हूं, क्योंकि यह हमारी अपनी कलीसिया है। हम कुछ भी कहने की स्वतंत्रता को महसूस करते हैं, जो पवित्र आत्मा कहता है। अन्य स्थानों पर, भले ही लोग आपका स्वागत करना चाहता है, फिर भी आप थोड़ा तनाव महसूस करते हैं, क्योंकि आप किसी और के कलीसिया में हैं, और आप इतना सज्जन बने रहना चाहते हैं, ताकि उनके—उनके विचारों और उनके सिद्धांतों का सम्मान करे।

15 इस सप्ताह भाई बुर्चम के स्थान पर एक बहुत ही अच्छा समय था क्या आप वहां मौजूद हैं। और मैं कारखाने में गया जहां वे पनीर बनाते है। मैं देखता हूँ कि वो और उसकी पत्नी, और बेटे आज सुबह उपस्थित हैं। और हमेशा ही सोचता था कि एक पनीर कारखाना अन्य स्थानों की तरह कुछ तरह मैला और गंदा होगा जहाँ मैं गया हूं। तब, मैं एक बात कह सकता हूं, आप कर सकते हैं, निश्चित रूप से, आश्वस्त रहें कि वो जगह गंदा नहीं है। वह अब तक की सबसे साफ जगह थी जहाँ मैं गया हूं, और विशेष रूप से एक कारखाने में। और मैं नहीं समझा; मैंने सोचा, ओह, शायद वे एक दिन में सौ पौंड पनीर बनाते होंगे। और वे प्रत्येक दिन छह टन पनीर बनाते है, और तीन कारखानों चला रहे हैं। मैंने सोचा, "ओह, प्रभु, इन सारे पनीर को कौन खाता है? "

16 परन्तु प्रभु ने इस व्यक्ति को आशीषित किया है। मुझे उसके घर में रहने का सौभाग्य मिला था, एक बहुत ही प्यारा घर, एक भली समर्पित पत्नी। और ऐसा कोई कारण नहीं है कि क्यों उन्हें हर दिन मसीह के लिए नहीं जीना चाहिए, जैसा कि वे कर रहे हैं। उनके बेटों से मुलाकात की, और वे बहुत भले बच्चे हैं। हम इस संगती के लिए बहुत ही आभारी हैं, जो हमारे पास एक दूसरे के साथ है।

17 मालूम पड़ा कि उनके पूर्व पास्टर जो एक—एक व्यक्ति थे जिन्हें मैं जानता हूं, भाई गुर्ली, संयुक्त पेंटीकोस्टल विश्वास के एक बहुत ही भले

मनुष्य थे, जिनसे मैंने कई वर्षो पहले जोन्सबोरो, आरकंसास में मुलाकात की थी। और मैं नहीं जानता था कि वे... हालांकि, उसके पास्टर थे।

18 अब शाम की सभाओ को याद रखें। और उसके बाद, प्रभु ने चाहा तो, अगले रविवार, फिर से हम प्रचार करने की आशा करते है। और फिर मैं सोचता हूं कि उसके अगले रविवार को मुझे शिकागो जाना है। तब मुझे कुछ समय के लिए जाना होगा, मुझे परिवार को वापस घर लेकर जाना है, वापस, या वापस एरिजोना की ओर, ताकि वे, बच्चे फिर से स्कूल में दाखिला ले सकें। और तब हम पास्टर की सभाओ को लेते हुए उन्हें तंग कर रहे है।

19 इसलिए, सो हम भाई नेविल के अतिथि सत्कार के लिए बहुत ही आभारी हैं, आप जानते हैं, वे मुझे आमंत्रित करते हैं। और वह बहुत ही, नहीं... मैं भाई को पसंद करता हूं, एक ऐसा व्यक्ति, जिसमें कोई कपट नहीं है, कोई स्वार्थपन नहीं है, यही तो वास्तविक मसीहत है। मैं यह पसंद करता हूं।

20 अब हम कुछ वचन को पढ़ेंगे और उसके लिए समालोचनाओ को करेंगे। और मैं नहीं जानता कि हम इन लंबे संदेशों पर कितना समय निकल जायेगा, लेकिन मैं सोचता हूं... मैं एक दिन लंबे समय के लिए प्रचार करने के बारे में बात कर रहा था, और किसी ने कहा, "ठीक है, अब, क्या आप बस कुछ मिनट के लिए बोलेंगे; और जो भी हो; और आप एक प्रकार से रहस्यों में बात करते हैं," उसने कहा, "हम—हम इसे कभी भी समझ नहीं सकेंगे।" कहा, "केवल बोलते रहते है, और थोड़ी देर बाद यह बाहर आता है," उसने कहा। इसलिए हो सकता है, प्रभु चाहता हैं कि हम इसे इस तरह से करें।

आइये अब फिर से झुकाये।

21 प्रभु, आपका वचन पुलपीट पर खुला हुआ रखा है, और यह जानते हुए कि किसी दिन यह आखिरी बार बंद हो जाएगा, तब वचन देहधारी हो जायेगा। और फिर हम—हम आज सुबह इस समय के लिए आभारी हैं। और हमारे लिए पवित्र आत्मा के द्वारा, इस वचन का विषय खुल जाये, जिसे हम पढ़ने जा रहे है। होने पाये पवित्र आत्मा आज हमें उन बातों को सिखाये, जिन्हें हमें जानना चाहिए। और फिर, हम बदले में, हर वचन को ध्यान से सुन सके, इसे गहराई से विचार करे। और फिर बाद में जो लोग

इसे टेप के जरिये से सुन रहे हैं, वे ध्यान से सुन सके। और होने पाये हम पकड़ सके कि पवित्र आत्मा हमारे लिए क्या प्रकट करने की कोशिश कर रहा है। क्योंकि हम महसूस करते हैं, यदि वो हमें अभिषेक करता है, तो अभिषेक व्यर्थ नहीं जाता है। यह एक उद्देश्य के लिए होता है, जिससे कि यह परमेश्वर के लिए भला काम कर सके। और होने पाये हमारे ह्रदय और समझ खुल जाये, प्रभु।

22 होने पाये हमें बोलने की स्वतंत्रता है, और सुनने की स्वतंत्रता है, और विश्वास के लिए पहुंचे, ताकि जो हमने सुना है, उस पर भरोसा करे, जैसा कि यह परमेश्वर के वचन से आता है; जिससे हमारे लिए इसे अनंत जीवन के लिए गिना जा सके, उस महान दिन में जो आने वाला है। आज हमें आशीष दीजिये। जब हम गलत होते हैं, तो हमें दोषी ठहराये। हमारे दोषों को जानें, जो हममें है। और हमें उस तरह से आशीष दें जो सही है, ताकि हम जान सकें किस तरह से जाना है, और इस वर्तमान संसार में कैसे व्यवहार करना है; जिससे हम आदर को ला सके, हमारे यहां रहते हुए, यीशु मसीह के लिए, जो हमें इसके बाद महान जीवन देने के लिए मर गया। हम इसे यीशु के नाम से मांगते हैं। आमीन।

23 अब आज सुबह मैं वचनों में, केवल दो स्थानों में से पढ़ना चाहता हूं। और उनमें से एक अब निर्गमन की किताब में मिलता है। स्पष्ट रूप से, वे दोनों ही निर्गमन की किताब से हैं। एक, 13 वां अध्याय, और 21 वा और 22 वा पद। और अगला है, 14 वां अध्याय, 10 वा, 11 वा और 12 वा पद। अब मैं निर्गमन 13:21 से पढ़ूंगा।

> *और यहोवा उन्हें दिन को मार्ग दिखाने के लिये मेघ के खम्भे में; और रात को... उजियाला देने के लिये आग के खम्भे में हो कर उनके आगे आगे चला करता था; जिससे वे रात और दिन दोनों में चल सकें:*
>
> *उसने न तो बादल के खम्भे को दिन में, और न आग के खम्भे को रात में लोगों के आगे से हटाया*

24 अब निर्गमन 14, 10 वा पद में।

> *जब फिरौन निकट आया, तब इस्राएलियों ने आंखे उठा कर क्या देखा, कि मिस्री हमारा पीछा किए चले आ रहे हैं; और इस्राएली अत्यन्त डर गए, और चिल्लाकर यहोवा की दोहाई दी।*

और वे... मूसा से कहने लगे, क्या... (मुझे क्षमा करे)

और वे मूसा से कहने लगे, क्या मिस्र में कबरें न थीं जो तू हम को वहां से मरने के लिये जंगल में ले आया है? तूने हम से यह क्या किया, कि हम को मिस्र से निकाल लाया?

क्या हम तुझ से मिस्र में यही बात न कहते रहे, कि हमें रहने दे कि हम मिस्रियों की सेवा करें? हमारे लिये जंगल में मरने से मिस्रियों की सेवा करनी अच्छी थी।

25 मैं कुछ और पदों को पढ़ूंगा।

और मूसा ने लोगों से कहा, डरो मत...

अब यहाँ ध्यान देना।

... मूसा ने लोगों से कहा, डरो मत, खड़े खड़े वह प्रभु के उद्धार का काम देखो, जो यहोवा आज तुम्हारे लिये करेगा;... क्योंकि जिन मिस्रियों को तुम आज देखते हो, उन को फिर कभी न देखोगे।

यहोवा आप ही तुम्हारे लिये लड़ेगा, इसलिये तुम चुपचाप रहो... तब यहोवा ने मूसा से कहा, तू क्यों मेरी दोहाई दे रहा है? इस्राएलियों को आज्ञा दे कि यहां से कूच करें;

और तू अपनी लाठी उठा कर अपना हाथ समुद्र के ऊपर बढ़ा, और वह दो भाग हो जाएगा; तब इस्राएली समुद्र के बीच हो कर स्थल ही स्थल पर चले जाएंगे।

और सुन, मैं आप मिस्रियों के मन को कठोर करता हूं, और वे उनका पीछा करके समुद्र में घुस पड़ेंगे: तब फिरौन और उसकी सेना, और रथों, और सवारों के द्वारा मेरी महिमा होगी।

तब मिस्री जान लेंगे कि मैं यहोवा हूं, और जब फिरौन, और उसके रथों, और सवारों के द्वारा मेरी महिमा होगी।

तब परमेश्वर का दूत जो इस्राएली सेना के आगे आगे चला करता था जा कर उनके पीछे हो गया; और बादल का खम्भा... उनके आगे से हटकर उनके पीछे जा ठहरा:

इस प्रकार वह मिस्रियों की सेना और इस्राएलियों की सेना के बीच में आ गया;... और बादल और अन्धकार तो हुआ, तौभी

उससे रात को उन्हें प्रकाश मिलता रहा; और वे रात भर एक दूसरे के पास न आए।

और मूसा ने अपना हाथ समुद्र के ऊपर बढ़ाया; और यहोवा ने रात भर प्रचण्ड पुरवाई चलाई, और समुद्र को दो भाग करके जल ऐसा हटा दिया, जिससे कि उसके बीच सूखी भूमि हो गई।

तब इस्राएली समुद्र के बीच स्थल ही स्थल पर हो कर चले, और जल उनकी दाहिनी और बाईं ओर दीवार का काम देता था।

तब मिस्री उनका पीछा किए हुए समुद्र के बीच में चले गए, अर्थात फिरौन के सब घोड़े, रथ, और सवार।

और रात के पिछले पहर में यहोवा ने बादल... और आग के खम्भे में से मिस्रियों की सेना पर दृष्टि करके उन्हें घबरा दिया।

और उसने उनके रथों के पहियों को निकाल डाला, जिससे उनका चलना कठिन हो गया; तब मिस्री आपस में कहने लगे, आओ, हम इस्राएलियों के साम्हने से भागें; क्योंकि यहोवा उनकी ओर से मिस्रियों के विरुद्ध युद्ध कर रहा है।

26 प्रभु का वचन बहुत ही महान है, बहुत ही अच्छा है, इसे पढ़ने से रोकने का कोई तरीका नहीं है। यह तो बस जीवन बन जाता है, जब हम इसे पढ़ते हैं। मैं सोचता हूं, इस सुबह इस विषय में, हालांकि इसे टेप किया जा रहा है, मैं इसे आरंभ में कहना चाहता हूं, इसे देखता हूं, तो मैं खुद को देखता हूं। और इसका कारण है कि मैं... कल, मैं अध्ययन करते समय, और मैं इस विषय पर आया, और फिर मैंने सोचा, "मैं बस जाकर, यदि प्रभु की इच्छा है, कि इस बात पर प्रचार करूं, क्योंकि यह मेरे हृदय के अन्दर चला जाता है।" और मैं आशा करता हूं कि यह हम सबके हृदय के अन्दर चला जायेगा, जिससे कि हम देख सकें, और हमारे लिए ऊपर देखने का कारण बन सकें; और थोड़ा सा कुछ अध्यन को करने के लिए, उस दिन के समय की तुलना करते हुए... उस दिन के निमित जो अब है।

27 मैं एक विषय के लिए तीन शब्द लेना चाहता हूं, और वो है: *दोहाई क्यों देता है? बोल!* परमेश्वर ने मूसा से कहा, यहां 15 वे पद में, "तू मेरे निमित दोहाई क्यों देता है? लोगों से बोल, कि वे आगे बढ़ें।" और: *दोहाई क्यों देता है? बोल!*

28 अब, हमारे पास पूर्ण रूप से एक विषय है, और मैं जितनी जल्दी हो सके, जल्दी से जल्दी करने की कोशिश करूंगा, जैसे पवित्र आत्मा अगुवाई करता है। और मैं इस विषय के बारे में विचार करना चाहता हूं, मुसीबत के समय में, मूसा परमेश्वर के लिए दोहाई दे रहा है; और परमेश्वर मूसा को वापस फटकार देता है; ठीक उसी समय जब सत्र में—में परेशानी थी। और यह तो केवल स्वभाव होता है, जैसे दिखाई दे रहा था, एक व्यक्ति का चिल्ला उठना। और तब क्या ही फटकार थी, ये परमेश्वर का मुड़कर और उसे ऐसा कहने के लिए उसे फटकार देना, उसके लिए दोहाई को देने पर। ये ऐसा दिखाई देता है कि यह एक बहुत मुश्किल बात है।

29 बहुत सी बार जब हम अपने खुद के तरीके से वचनों को देखते हैं, तो यह बहुत ही मुश्किल दिखाई देता है। लेकिन यदि हम इसे थोड़ी देर तक अध्यन करते हैं, तो हम पाते हैं कि सर्वज्ञानी परमेश्वर जानता है कि वह क्या कर रहा है। और वह जानता है कि इन चीजों को कैसे करना है, और मनुष्य से कैसे व्यवहार करना है। वह जानता है कि उस मनुष्य में क्या है। वह—वह उसे जानता है। हम नहीं जानते। हम तो केवल बौद्धिक पहलू से जानते हैं। वह जानता है कि उस मनुष्य के अन्दर वास्तव में क्या है।

30 मूसा ने इस संसार में जन्म लिया था, और एक प्रतिभाशाली लड़का था। उसने एक भविष्यवक्ता, एक छुड़ाने वाला होने के लिए जन्म लिया था। उसने उस साजो सामान (तैयारी) के साथ जन्म लिया था, जो उसके अन्दर जन्मे थे, क्योंकि संसार में आने वाले जैसे हर व्यक्ति इस साजो सामान (तैयारी) के साथ जन्म लेता है, क्योंकि मैं दृढ़ता से परमेश्वर के पूर्वज्ञान में—में विश्वास करता हूं, पहले से ठहराया जाना।

31 "ऐसा नहीं है कि परमेश्वर चाहता है कि कोई नाश हो जाए, लेकिन सब पश्चाताप के लिए आ सकें।" लेकिन, परमेश्वर होने के नाते, उसे जानना था, और करता है, "शुरुआत से लेकर अंत जानता है।" समझे? यदि वह नहीं जानता है, तब वह अनंत नहीं है; और यदि वह अनंत नहीं है, तो वह परमेश्वर नहीं है। इसलिए वो नहीं चाहता था, निश्चित रूप से, कि कोई नाश होना चाहिए, लेकिन वह जानता है कि कौन नाश होगा और कौन नाश नहीं होगा। यही कारण है, इसी उद्देश्य के लिए यीशु धरती पर आया, वह उन लोगों को बचाने के लिए था, जो परमेश्वर ने अपने पूर्व ज्ञान में से होते हुए देखा था, जो बचना चाहते थे, देखा, क्योंकि सारा संसार दोषी

ठहराया गया था। और मैं नहीं देखता कि हम इसे किसी और तरीके से सिखा सकते हैं, परमेश्वर के पूर्व ज्ञान के अलावा, और बाइबिल स्पष्ट रूप से कहता है कि वह "शुरुआत से लेकर अंत को जानता है," और इसे बता सकता है।

32 इसलिए, जब एक—एक व्यक्ति कुछ ऐसा बनने की कोशिश करता है, जो वे हैं नहीं, वे केवल एक नक़ल को कर रहे हैं, और यह बहुत ही जल्द या कुछ समय बाद आपको पता चल जायेगा। आपके पाप आपको प्रगट हो जाते हैं। आप उन्हें ढांप नहीं सकते हैं। वहां केवल पाप के लिए एक ही ढांपा जाना है, यह यीशु मसीह का लहू है, और इसे तब तक नहीं लगाया जा सकता जब तक कि परमेश्वर ने आपको जगत की नीव डालने से पहले नहीं बुलाया हो। यही कारण है कि लहू को बहाया गया था; ना ही इसे रौंदने के लिए, और मजाक उड़ाये, और व्यवसाय करे, और—और बुरा बोलने का, और—और इत्यादि। यह तो एक सीधे–सीधे उद्देश्य के लिए था। ये सही है। ना ही इसके साथ खेला जाना चाहिए, ना ही ढोंग करने के लिए, ऐसा कहकर कि पापो को ढांपा गया हैं जबकि वे नही हैं। और कोई भी व्यक्ति अपने पापों को ढांप नहीं सकता है जब तक उसका नाम जगत की नींव से पहले मेम्ने की पुस्तक की किताब पर न रखा गया हो। यीशु ने खुद कहा, "कोई भी मेरे पास नहीं आ सकता है, जब तक मेरा पिता उसे ना खींच लाये। और वे सारे जो पिता के पास थे," भूतकाल, "मुझे दिया है, वे ही मेरे पास आयेंगे।" यह सही है। तो आप वचनों को झूठला नहीं सकते हैं। वे सत्य के लिए है और सुधार के लिए हैं।

33 और मूसा का जन्म विश्वास के दान से हुआ था; जो महान विश्वास मूसा के पास था। हम इसे थोड़ी देर बाद देखते हैं, जो उसके अंदर से आ रहा हैं। और वह एक महान परिवार में जन्मा था, जैसे हम उसके पिता और उसकी मां को जानते हैं, और वे लेवी के परिवार से आये थे। ये इससे पहले, यहां निर्गमन की किताब में जिसकी कहानी है, जो बहुत ही सुन्दर तरीके से इस महान चरित्र के जीवन को बताती है। और वह बाइबिल के सबसे महान चरित्रो में से एक था, क्योंकि वह पूरी तरह से प्रभु यीशु का एक प्रकार था।

34 उसका जन्म हुआ बहुत ही अजीब घराने में था, प्रभु यीशु की तरह। उसने प्रभु यीशु की तरह सताये जाने के समय जन्म लिया था। उसने प्रभु

यीशु की तरह एक छुडाये जाने वाला होने के लिए जन्म लिया था। वह दुश्मन से दूर अपने माता–पिता के द्वारा छिपाया गया था, प्रभु यीशु की तरह। और वह प्रभु यीशु की तरह सेवकाई के समय पर आया। वह प्रभु यीशु की तरह एक अगुवा था। वह प्रभु यीशु की तरह एक भविष्यवक्ता था। और वह प्रभु यीशु की तरह, एक व्यवस्था को देने वाला था।

35 और हम पाते हैं कि वह चट्टान पर मर गया, और वह निश्चय ही फिर से जी उठा होगा और आदि–आदि, क्योंकि, आठ सौ साल बाद वह प्रभु यीशु से रूपान्तर पर्वत पर बात कर रहा था। देखा? दूत उसे उठा कर लेकर गए थे। कोई नहीं जानता उसे कहाँ दफनाया गया। यहां तक कि शैतान भी नहीं जानता था। खुले रूप से, मैं नहीं सोचता कि उसे कभी दफनाया गया था। मेरा—मेरा मानना है कि परमेश्वर उसे दूर वहाँ से उठा कर लेकर गया, और वह उस चट्टान पर मरा, जिसका उसने अपने जीवन के सभी दिनों में अनुकरण किया था।

36 और वह मसीह का एक सिद्ध नमूना था। वह लोगों के ऊपर राजा था। वह एक व्यवस्था को देने वाला था। वह एक—एक वो एक—एक लोगों के लिए एक सहारा था। वह सब कुछ था, एक—एक प्रकार से, जो मसीह था।

37 अब, उसके बाद, देखिए कि उसने इस महान दानो और गुणों के साथ जन्म लिया था जो उसके भीतर थे, उसके बाद इसे केवल कुछ तो लेना है ताकि इसके सामने कुछ तो चमके, उस चीज को जीवन में लाने के लिए।

38 देखो, परमेश्वर का बीज असल में जगत की नींव से हमारे अंदर रखा गया है। और जब वह उजियाला पहले उस बीज पर चमकता है, यह इसे जीवन में लेकर आता है, लेकिन उजियाले को पहले बीज पर आना है।

39 जैसे मैंने कुंए पर छोटी स्त्री के लिए कई बार सिखाया है, उसे उस स्थिति में। हालांकि वो एक कुख्यात किस्म की स्त्री थी, हालांकि उसका जीवन बदनाम हो गया था, और वह उस स्थिति में थी क्योंकि उस परंपराओं ने उसे कभी भी छुआ नहीं था, लेकिन, जब वो उजियाला पहली बार उस पर चमका, उसने तुरंत ही इसे पहचान लिया, क्योंकि इसका उत्तर देने के लिए वहां पर कुछ तो था। "जब गहराई, गहराई को पुकारती है," वहां उस पुकार का उत्तर देने के लिए कहीं गहराई होना ही है।

40 और यहां मूसा इस भविष्यद्वक्ता का जन्म हुआ था, लेकिन वह एक बौद्धिक विद्यालय और फिरौन के महल में पला–बढ़ा था। फ़िरौन सेती, जिसके नीचे वो पला–बढ़ा था, वह एक व्यक्ति था जिसने फिर भी सम्मान किया था, और विश्वास किया था कि यूसुफ प्रभु का भविष्यद्वक्ता है। लेकिन सेती के बाद रामासेस आया, और रामासेस ने यूसुफ के बारे में परवाह नहीं की। और सो, इसलिए, जब संकट आरंभ हुआ, अब, जब वहां एक फिरौन बड़ा हुआ जो यूसुफ को नहीं जानता था।

41 लेकिन ये महान गुण, आइए हम थोड़ी देर के लिए इन के बारे में बात करें, और इससे पहले कि हम विषय के मुख्य भाग की ओर आये। मेरे पास विषय को रखने का एक अलग ही तरीका है, उसके बाद इस बात को रखने के लिए, और जब हम इसे बनाते हैं, तो आज सुबह परमेश्वर हमारी सहायता करे।

42 मूसा, विश्वास के इस महान उपहार के साथ पैदा हुआ। फिर, वह परमेश्वर के लोगों को देने के लिए, जलती हुई झाड़ी में अभिषेक और अधिकारी किया गया था। अब, देखते है कि इस व्यक्ति के पास कितने महान गुण थे! उसने एक विशेष बात के लिए जन्म लिया था। परमेश्वर का इसमें एक उद्देश्य था।

43 आपका यहां पर होने के लिए परमेश्वर का एक उद्देश्य था। समझे? यदि आप केवल कर सकते हैं, तो आप उस स्थान पर आ जाये, जहाँ परमेश्वर को और आपको भी परेशानी न उठानी पड़े।

44 मूसा जन्म लेता है, और उसके बाद उसे फिर उस स्थान पर लाया गया, जहां उसका अभिषेक किया गया था। और, ध्यान दें, वो बीज वहां मानसिक विचारधारा के साथ रखा हुआ था, उस पुरे विश्वास के साथ कि वह इन लोगों को छुटकारा देने के लिए जन्मा था, और फिर भी यह तब तक जीवन में नहीं आया, जब तक उस जलती हुई झाड़ी से वो उजियाला इस पर चमक नहीं उठा; जब तक उसने देख नहीं लिया, ऐसा नहीं जो उसने इसके बारे पढ़ा था, लेकिन उसने अपनी आंखों से देख नहीं लिया; कुछ तो जो उससे बात करता था, और उसने उससे वापस बात की थी। ओह, वो किस तरह उन चीजों को जीवन में लेकर आया।

45 मैं सोचता हूं कि कोई भी पुरुष... या महिला, लड़का या लड़की। और मैं सोचता हूं कि, मानसिक विचारधारा में, वे जो उसके वचन और इत्यादि

के लिए सोचते हैं, कभी भी पूर्ण रूप से नींव को खड़ा नहीं किया जा सकता है, जब तक कि वे उस उजियाले से मुलाकात नहीं कर लेते, जो उस वचन को वास्तविकता में लेकर आती है।

46 मैं सोचता हूं कि इसे कार्य में लाने के लिए कोई कलीसिया नहीं है, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि यह कितना भी बौद्धिक और रुढ़िवादी हो सकता है, वो कलीसिया तब तक नहीं बढ़ सकती जब तक कि वो अलौकिक, उन लोगों के बीच ज्ञात न हो जाए, और वे इसे देख न ले। कुछ ऐसा जिससे वे बात कर सकते हैं, वह उनसे वापस बात करे, जो इस लिखित वचन को प्रमाणित करता है।

47 अब याद रखे, जब मूसा इस जलती हुई झाड़ी से मिला, वो वचन पूरी तरह से प्रमाणित हुआ था। ये वो वचन था। मूसा को चिंता करने की आवश्यकता नहीं थी, "यह सब आवाज के विषय में क्या है? यह यहाँ पर क्या है? " क्योंकि, उत्पत्ति में परमेश्वर ने वचन में पहले से ही लिखा था, कि, "तेरे लोग इस परदेसी देश में डेरा डाले रहेंगे, लेकिन उन्हें चार सौ वर्ष के बाद इस देश में वापस लाया जायेगा, क्योंकि अमोरियों का अन्याय अभी तक पूरा नहीं हुआ था।" अब, सैकड़ों और सैकड़ों वर्ष पहले, परमेश्वर ने कहा था, "इज़राइल एक परदेसी देश में रहेगा और उसका दुर्व्यवहार होगा, और वहां चार सौ वर्ष तक डेरा डाले रहेगा। लेकिन परमेश्वर, एक शक्तिशाली हाथ से, उन्हें बाहर निकलेगा।" सो, आप देखते हैं, इस जलती हुई झाड़ी के साथ...

48 मूसा ने बौद्धिक रूप से इसे जान लिया। और वह बीज जो उसमें जन्मा था, वो उसके ह्रदय में रखा हुआ था। और उसने कोशिश की, वचन के साथ अपने बौद्धिक ज्ञान के अनुभव के द्वारा, वो उन्हें बाहर लाने की कोशिश करता है, ताकि उन्हें छुडाये, क्योंकि वह जानता था कि वो उस उद्देश्य के लिए जन्मा था। वह जानता था, कि यह समय है। वचन सब बताता है कि वे वहां पर पहले से ही चार सौ वर्ष से लेकर रह चुके थे।

49 जैसा कि हम अब जानते हैं, जैसे एक व्यक्ति ने मुझसे कुछ क्षण पहले, उसके आगमन और रेपचर के बारे में पूछा। हम जानते है। हम समय के समाप्ती होने पर रह रहे हैं, रेपचर का समय नजदीक है, और हम एक रेपचर के विश्वास के लिए देख रहे है जो कलीसिया को खींच सकता है एक साथ और इसे कुछ तो अलौकिक ताकत को दे सकता है, जो कि इन देहो को

बदल सकते हैं, जिसमें हम रहते है। जब हम एक परमेश्वर को देखते हैं जो मरे हुओं को जिला कर जमीन से या एक गज बाहर निकाल सकता है, और उसे फिर वापस जीवन में ला सकता है और उसे हमारे सामने उपस्थित कर सकता है, जब हम एक ऐसे परमेश्वर को देखते हैं जो एक कैंसर ले सकता है, जो एक मनुष्य की छाया तक खा जाता है, और उसे वापस एक मजबूत स्वस्थ व्यक्ति की नाई जिलाता है, यही लोगों के लिए रेपचर का विश्वास देना चाहिए। कि, जब वो उजियाला आसमान से चमकता है, और तुरही बजने लगती है, तो मसीह की देह जल्द से एक साथ इकट्ठा हो जाएगी, और पल भर में बदल जाएगी और स्वर्ग में उठा ली जाएगी। हां, ऐसा ही कुछ तो घटित होने जा रहा है। और हमारे धर्मशास्त्र के विद्यालय कभी भी इसे उत्पन्न नहीं कर सकते हैं, भले ही वे बौद्धिक रूप से सही हैं। लेकिन आपको उस उजियाले से मुलाकात करना होगा! आपको कुछ तो पाना है।

50 और यहां मूसा, वचन पर अपनी महान बुलावट को आधारित कर रहा है, और ये महान बुलावट थी, जब तक वो एक दिन इस उजियाले से मुलाकात नही करता, और उसी वचन ने स्वयं, वापस उससे बात की। तब उसे उसका अभिषेक मिल जाता है। वो अभिषेकित, जो उसमें था, जो उसके अंदर था, वो बुद्धिमता जिसने इसे विश्वास किया, वो विश्वास जो परमेश्वर में उसके विश्वास पर आधारित था, जिसने उसे अपनी मां से अलग कर दिया। और अब जब वो इस उजियाले की उपस्थिति से टकराता है, इसने इसे अभिषेकित किया जो उसने विश्वास किया था। समझे? क्या ही अभिषेक है! और उसे कार्यआदेश दिया था।

51 अब, हम जानते हैं, बौद्धिक रूप से उसने अपनी मां से सुना था। वह जानता था कि क्या बात स्थान लेने जा रही थी, और वह जान गया कि वो उस दिन में रह रहा था। लेकिन यहां उसने पाया कि वो एक विफल व्यक्ति था, इसलिए उसने... हो सकता है उसका विश्वास थोड़ा सा गिर गया हो। लेकिन फिर जब वो झाड़ियो के पास आता है, परमेश्वर ने कहा, "मैंने अपने लोगों की पुकार को सुना है, और मुझे उनके पूर्वज, इब्राहीम, इसहाक और याकूब की प्रतिज्ञा को याद करता हूं, और मैं नीचे उतरकर आया हूं।" "मैं," वहां पर व्यक्तिगत सर्वनाम है, "मैं उन्हें छुड़ाने के लिये नीचे उतर आया हूँ।"

52 और अब, और क्या मैं इसे जोड़ सकता हूं, यदि... परमेश्वर मुझे क्षमा करे यदि यह अशोभनीय दिखाई देता है तो। "मैं धरती पर काम नहीं करता हूं, केवल मनुष्य के जरिये से। मैं—मैं—मैं दाखलता हूँ; तुम डालियाँ हो। और मैं केवल खुद को घोषित कर सकता हूं, जब मुझे एक मनुष्य मिल जाता है। और मैंने तुम्हें चुना है, और मैं तुम्हे वहां भेजता हूं ताकि उन्हें बाहर निकालो।" देखा? अब ध्यान दें, "मैं तुम्हारे मुंह में रहूंगा, और मैं... तुम इस छड़ी को लेना।"

53 और मूसा ने कहा, "क्या मैं एक प्रमाण को देख सकता हूं कि आप मुझे भेजेंगे, और आपने मुझे अभिषेक किया है, और आप इन चीजों को करने जा रहे हैं? "

कहा, "तुम्हारे हाथ में क्या है? "

उसने कहा, "एक छड़ी।"

कहा, "इसे नीचे फेंक दो।" यह एक सांप में बदल गयी। वो हटने लगा।

54 उसने कहा, "इसे उठाओ।" यह वापस एक छड़ी में बदल गयी। कहा, "अपने हाथो को अपने ह्रदय में रखो।" इसे बाहर निकाला, और यह कोढ़ था। इसे वापस रखा, और यह ठीक हो गया था।

55 कहा, "उसने परमेश्वर की महिमा को देखा।" मूसा के लिए और सवाल नहीं था। क्या आपने कभी देखा है, वह कभी भी जंगल में फिर से वापस नहीं गया? वह जानता था कि वह अभिषेकित था। वह जानता था कहाँ, ये सारी चीजें जो उसके ह्रदय में रही थीं, ये महान अच्छे गुण, और वह... वे अभिषेकित थे, अब वो—वो तैयार है। वो जाने के लिए तैयार है। सो वो मिस्र की ओर आगे बढता है।

56 परमेश्वर ने कहा था, "मैं तुम्हारे साथ रहूंगा, " सो इससे—इससे बात खत्म हो जाती है। यदि, "मैं तुम्हारे साथ रहूंगा, " यही सब मूसा को जानना था, क्योंकि उसके ह्रदय में ये महान पुकार थी। और अब परमेश्वर ने कहा, "मैं तुम्हारे साथ रहूंगा।"

57 अब, परमेश्वर ने मूसा के दावों को भी प्रमाणित किया था। मूसा का दावा, "मैं प्रभु से मिला। और उसने कहा तुम्हें बताऊं 'मैं हूं' ने मुझे भेजा है।" समझे?

58 अब उन्होंने कहा, "यहां एक मनुष्य है, एक और यहूदी, हो सकता है इनमें से कुछ कट्टरपंथी जो हर समय सब प्रकार की योजना के साथ आते रहे हैं, ताकि हमें बंधुवाई से बाहर निकाले।" और आप जानते हैं कि लोग कैसे होते है जब वे गुलाम होते हैं, या किसी बात के लिए बंधुवाई में होते है, वहां हमेशा ही किसी प्रकार की चालबाजी की बातें आने लगती है, आप जानते है, ऐसा करने के लिए।

59 सो, मूसा, परमेश्वर ने मूसा से प्रतिज्ञा की, "मैं तुम्हारे साथ रहूंगा। मैं तुम्हारे अंदर रहूंगा। मेरे शब्द तुम्हारे शब्द होंगे। तुम मेरे शब्द को बोलना और वही कहना जो मैं कहता हूं।"

60 और अब जब मूसा वहां पर गया और उन्हें इस पुकार को दिया, और फिरौन के सामने खड़ा हुआ और उससे कहा, "इब्रानियों के परमेश्वर यहोवा ने कहा है, 'बालको को बाहर निकाल लाओ।'" और वह उन्हें जाने नहीं देता है। सो उसने—उसने बुजुर्गों और फिरौन के सामने एक चिन्ह को प्रदर्शित किया, और उन चिन्हों को परमेश्वर ने किया। उसने कहा, "अब, आने वाले कल में, इस समय पर, सूर्य डल जायेगा। सारे मिस्र भर में अंधेरा छा जायेगा," और यह बिल्कुल उसी तरह से हो गया। और फिर उसने कहा, "वहां—वहां देश भर में मक्खियां आ जायेगी," और उसने अपनी छड़ी को आगे बढाया और मक्खियों को बुलाया, और मक्खियां आ गई। और उसने भविष्यवाणी की, और जो कुछ भी उसने भविष्यवाणी की वह सब ठीक उसी तरह से घटित हुआ। ये परमेश्वर था। देखा?

61 परमेश्वर ने उसे उसके जन्म से बुलाया था, उस में महान विश्वास के गुणों को डाल दिया, और फिर उसकी उपस्थिति के साथ नीचे उतर कर आया और उसमें कुछ तो महान अभिषेक किया, और उसे अपने वचन के साथ वहां भेज दिया, और वह सही रूप से अपने दावों के लिए प्रमाणित हुआ था। कोई फर्क नहीं पड़ता कि कितनी भी बाते ऊपर आयी हो, कितनी सारी बातें घटित हुई हो, परमेश्वर बात कर रहा था... मूसा की पहचान हुई थी। मूसा, मूसा ने जो कहा, परमेश्वर ने उसका आदर किया। मैं चाहता हूं कि आप उस वचन को कभी भी न भूलें। मूसा ने जो कहा, परमेश्वर ने उसका आदर किया, क्योंकि परमेश्वर का वचन मूसा में था। "मैं तुम्हारे मुंह में रहूंगा; ये सही बातों को बोलेंगे।" अब, परमेश्वर जो कहता हैं—

परमेश्वर जो कहता हैं, वो इसे मूसा के जरिये से बोलता है, और इसने उसके दावों को साबित किया और प्रमाणित किया।

62 इसके अलावा, उसे उसकी मां के द्वारा, उसके रहस्यमयी जन्म के बारे में बताया गया था, और किस तरह से वो घडी नजदीक आ गयी थी कि वहां एक छुटकारा होना था। लेवी के पुत्र और कन्या अम्राम और—और योकेबेद, उन्होंने एक छुड़ाने वाले को भेजने के लिए परमेश्वर से प्रार्थना करना आरंभ किया। और ये... जब आप देखते है कि प्रतिज्ञा की घडी नजदीक आ रही है, तो यह लोगों को प्रार्थना करने और भूख के लिए तैयार करती है। और इसमें कोई संदेह नहीं कि—कि उसकी मां योकेबेद ने उसे कई बार बताया था; क्योंकि वो उसकी शिक्षक भी थी, जैसा कि हम कहानी को जानते हैं। और उसे बताया था कि उसने किस तरह से प्रार्थना की थी। "और, मूसा, जब तुमने जन्म लिया था, पुत्र, तुम एक योग्य बालक थे। तुम अलग ही थे। तुम्हारे जन्म में कुछ तो घटित हुआ था।"

63 ज्यादा समय नहीं हुआ, मैंने बच्चों को नाट्य रूप में बताया था, और कहा, "जब अम्राम कमरे में प्रार्थना कर रहा था, उसने देखा कि एक दूत अपनी तलवार को बाहर निकालता है और उसे उत्तर की ओर संकेत करता है, और कहा, 'तुम्हारे पास एक बालक होगा, और वह बालको को उत्तर की ओर प्रतिज्ञा देश की ओर ले जाएगा।'" उन छोटे बच्चो को नाट्य रूप में बता रहा था, ताकि वे इसे समझ सकें; कि उनकी बुद्धि उस स्थान के लिए नहीं आती है, जो आप वयस्क लोगो की हैं, और चीजों को समझ सकते हैं, जैसे पवित्र आत्मा आपको इसे प्रकट करता है।

64 अब, भले ही उसकी मां ने उसे ये बातें बताई थीं, और वो इसे जानता था, फिर भी उसे एक और स्पर्श की आवश्यकता थी। वो—वो शिक्षा ठीक थी, लेकिन उसे एक व्यक्तिगत संपर्क की आवश्यकता थी।

65 यही है जो आज संसार को आवश्यकता है। यही है जो आज कलीसिया की आवश्यकता है। यही है जो सबकी आवश्यकता है, वही परमेश्वर के पुत्र और कन्या हैं। ऐसा करने के लिए, आपको एक व्यक्तिगत संपर्क की आवश्यकता है, देखें, कुछ तो। कोई फर्क नहीं पड़ता, आप जानते हैं कि वचन सच्चा है, आप जानते हैं कि यह सही है; लेकिन फिर जब यह संपर्क करता है, और उसके बाद आप बात को पूरा होते देखते है, तब आप जान जाते हैं कि आप सही रास्ते पर हैं। समझे? और, देखो, यह हमेशा ही

वचन के अनुसार होगा। ये वचन के साथ बिल्कुल ठीक बैठेगा, इसलिए ऐसा हुआ।

66 अम्राम की प्रार्थना विल्कुल वचन के साथ ही थी। उनकी प्रार्थनाये प्रतिज्ञा किए गए वचन के साथ थी। परमेश्वर ने उस समय पर ऐसा करने की प्रतिज्ञा की थी। उन्होंने इसके लिए प्रार्थना की, और यहां एक उचित बालक का जन्म हुआ था। और वे...

67 देखो! ओह, मैं इसे कितना पसंद करता हूँ! देखो, उस समय में, जब फ़िरौन सभी बच्चों को खत्म करते जा रहा था, देखो, उन्हें तलवार से खत्म कर रहा था, संरक्षक की तलवार; उन्होंने—उन्होंने—उन्होंने इन छोटे बच्चों को मौत के घाट उतार डाला, उन्होंने उन छोटी देहो को मगरमच्छ को खिला दिया, इतना तक कि मगरमच्छ शायद इब्रानी बच्चों के शरीर को खाकर मोटे हो गए होंगे। लेकिन बाइबिल ने कहा, "माता–पिता फिरौन के बच्चों को मारने के आदेश से नहीं डरे थे।" वे नहीं डरे। उनके पास डर नहीं था, क्योंकि उन्होंने इस बालक में कुछ तो आरंभ से देखा था। उन्होंने इसे देखा, कि यह उसी प्रार्थना का उतर था।

68 और अब मूसा की यह सब बातें पृष्ठभूमि के रूप में थी, इसलिए मूसा जानता था कि उसे इस्राएल के बच्चों को छुटकारा देने के लिए उसी उद्देश्य से भेजा गया था।

69 देखो, उसके बाद सारी पृष्ठभूमि का ढेर लगने लगता है। जब आपको कुछ तो प्राप्त होता हैं, और बाइबिल को ला सकते हैं, कहते हुए, "*यह* घटित होने जा रहा है," और यहां पर वैसा होता है; "और *यह* उस समय पर होने जा रहा है," यहाँ ऐसा होता है; "और *यह* उस निश्चित समय पर होगा," ऐसा होता है; तब ये सब एक साथ मिलकर और हमारे लिए एक तस्वीर को बनाती है।

70 ओह, किस तरह से आज सुबह यह भवन है, हम किस तरह के इस समय के लोग है, भाई नेविल, जैसे कि हम अपने बालों को सफ़ेद रंग का होते हुए देखते हैं, और हमारे कंधे झुक रहे हैं, जब हम संसार को हिलते और डुलते हुए देखते हैं जैसे ये है, और हम कैसे चारो ओर देख सकते हैं और देखते है प्रतिज्ञा निकट आ रही है! यह है, यह... मैं सोचता हूं कि, बहुत सी बार, यदि किसी के अन्दर एकाएक ये बात उछल सकती है, और एकाएक उसे समझ नहीं सकता, या मेरा मतलब वो इसे समझ जाता है,

और एकाएक ये चीज उसमें आने लगती है, तो यह चीज आपको लगभग अनंता में भेज देगी, और बस एक रेपचर की बात के साथ! और इसने इसे कभी भी नहीं जाना था, और तभी, ओह, वे चीजे खुलने लगती है और हम देख लेते है और जान जाते हैं और समझते हैं, और सब एक बार में उछलने लगती हैं। वो पुरुष, या महिला, लड़का, या लड़की, हो सकता है, अपने हाथो को उठाये और कहे, "आओ हम चले, प्रभु यीशु," आप देखते हैं। ओह, वो घडी कितनी नजदीक है!

71 मूसा जानते हुए कि उसका जन्म उस उद्देश्य के लिए हुआ था, और खिड़कियों से बाहर देखता है और उन इब्रानियों को कड़ी मेहनत में देखता है; यहां वचन में वापस देखा, और कहा, "और वे चार सौ साल तक डेरा डाले रहेंगे, देखो, लेकिन मैं उन्हें एक शक्तिशाली हाथ से बाहर निकलूंगा।" उसके बाद जब वह वापस आता है, एक कार्यआदेश के बाद, अभिषिक्त, वो जान गया कि उसने जन्म लिया... और उसके विश्वास ने देखा, विश्वास के द्वारा उसने उन लोगों को देखा और जान गया कि वे परमेश्वर की संतान थे, क्योंकि संसार... वचन ऐसा कहता है। वे संसार के नहीं थे, और वे ना ही बाकी के लोगो के जैसे थे। वे अलग ही थे। और वे मिस्र के ऊँचे तड़क भड़क वालो के लिए सनकी और कट्टरपंथी थे; और उसे फिरौन का पुत्र बनना था, और राज्य को ऊपर ले गया। लेकिन, उसके अन्दर कुछ तो था, एक—एक सच्चा विश्वास जिसने उन चीजों पर नहीं देखा, वह तड़क भड़क जो उसकी विरासत होनी थी। उसने परमेश्वर की प्रतिज्ञा को देखा, और वह जान गया था कि समय निकट आ रहा था। और उस मनुष्य ने निश्चय ही क्या सोचा होगा!

72 मैं मूसा से वहां पर किसी दिन बात करना चाहता हूं, जब मैं दूसरी तरफ मूसा से मुलाकात करूंगा। आप कहेंगे, "पागल, भाई!" नहीं, ऐसा नहीं है। मैं परमेश्वर के अनुग्रह से उससे मिलने जा रहा हूं। जी हाँ, श्रीमान। मैं किसी दिन उससे बात करूंगा, स्वयं मूसा से। और किसी तरह से मैं उससे पूछना चाहूंगा, बस कैसे, जब उसने अपनी तैयारी को देखा!

73 कैसी निराशा, शैतान कह रहा है, "सुनो, लोग तुम पर विश्वास नहीं करेंगे। हुह–उह। वहां—वहां कुछ भी नहीं है।"

74 लेकिन जब वह बीज वहां जीवन के लिए ऊपर आता है, कुछ तो उस पर आता है, और वो जान जाता है कि कुछ तो बात जगह लेने जा रही

है। वह जान जाता है। घड़ी की ओर—ओर देखा और देखा कि यह कौन सा समय था, और वह जान गया, और उसने निश्चय ही सोचा होगा जब उसने इसे देखा। अब जब वह इस सबको एकसाथ एकत्र करता है, ये सारी महान चीजे जो उसने देखी है; उस वचन का समय, उसकी मां और उसके पिता की प्रार्थना, और उसने एक असाधारण जन्म को लिया था, एक विचित्र बालक। और, साथ ही पूरी तरह से, उसमें वहां उसमें कुछ तो हो रहा था।

75 और अब वो वहां से हटकर और सोचने की कोशिश करता है कि वह अपने विद्यालय से सैन्य प्रशिक्षण को लेगा, और बच्चों को छुड़ायेगा, और यह असफल रहा।

76 उसके बाद वह जंगल के अन्दर चला जाता है और एक—एक सुन्दर इथियोपियाई लड़की से विवाह कर लेता है, और उनका गेर्शोम नाम का एक छोटा सा लड़का था।

77 और एक दिन भेड़–बकरियों को चराने के दौरान, अचानक ही उसने पहाड़ के चोटी पर जलते हुई झाड़ीयो को देखा, जो जल रही थी। और वह वहां पर चला गया। और ना ही एक बौद्धिक, ना ही एक—एक कल्पना, ना ही एक भ्रम, ना एक दृष्टि का भ्रम, लेकिन उसमें... वो अब्राहम का परमेश्वर था, एक उजियाले में, एक झाड़ी में, पीछे अग्नि का एक स्तंभ था, वो आग, जैसे लहरें ऊपर उठ रही हो, लेकिन इसने झाड़ीयो को परेशान नहीं किया। और वचन की आवाज़, परमेश्वर की आवाज़ ने वहां से बात की, और कहा, "मैंने तुम्हें चुना है। तुम वो व्यक्ति हो। मैंने तुम्हे इस उद्देश्य के लिए बढाया है। मैं यहां तुम्हे चिन्हों के द्वारा साबित कर रहा हूं, तुम उन बच्चों को छुड़ाने के लिए वहां जा रहे हो, क्योंकि मेरे वचन को पूरा होना है।"

78 ओह, उसके उस दिन के वचन को पूरा होना है। हम उस समय में जी रहे हैं। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि कोई और क्या कहता है; वचन को पूरा होना है। आकाश और पृथ्वी टल जायेंगे, लेकिन उसका वचन नहीं।

79 अब, जब मूसा ने यह सब को एक साथ किया, और हर दिशा से इसे देखा, इसने उसके विश्वास को अभिषेक किया। आमीन! ओह, प्रभु! क्या ही विचार है! यह, स्वयं एक, वो वचन सीधे–सीधे दिखा रहा था

कि वह क्या था, और परमेश्वर का बोलना, और वहां पर इसका प्रमाण, इसने अभिषेकित किया जो विश्वास उसके पास उसमें था, उस काम में जाने के लिए।

80 इसके लिए हमें क्या करना चाहिए? हमें पश्चाताप करने की आवश्यकता है। हमें एक बेदारी की आवश्यकता है। मैं खुद से कह रहा हूँ। समझे? मुझे एक हिलावट की आवश्यकता है। मुझे कुछ तो आवश्यकता है। मैंने कहा कि आज सुबह मैं अपने आप से बात कर रहा हूं, या अपने बारे में। मुझे—मुझे—मुझे एक जागरूकता की आवश्यकता है।

81 और जब मैं उस महान प्रमाण के बारे में सोचता हूं, हर एक चीज पूरी तरह से वहां रखी हुई है, और इसने मूसा के विश्वास को अभिषेक किया। और, ओह, उसने देखा कि वहां कुछ भी नहीं था...

82 यहां, वो मिस्र से भाग गया, वास्तव में, वह एक विद्रोह या कुछ तो आरंभ कर सकता था, और वो हो सकता था—वो उठ सकता था और मिस्र में एक क्रांतिकारी कार्य को आरंभ कर सकता था, और एक सेना को लेकर और लड़ सकता था, लेकिन, आप देखे, और उसके पक्ष में कई हजार लोग थे। लेकिन इसके बावजूद, वह यहाँ तक ऐसा करने के लिए भी डरता था, सेना उसकी तरफ थी।

83 लेकिन अब वो यहाँ चालीस वर्ष के बाद आता है, वो अस्सी वर्ष का था, उसके हाथ में केवल एक छड़ी को लेकर आता है। क्यों? जो उसके ह्रदय में जल रहा था वह एक वास्तविकता बन गया थी। तब वो अभिषेकित था, और वो जानता था कि उसके पास यहोवा यों कहता वाला वचन था। अब उसे रोकने के लिए कुछ भी नहीं था। उसे कोई सेना की आवश्यकता नहीं थी। परमेश्वर उसके साथ था। यही सब उसकी आवश्यकता थी; परमेश्वर उसके साथ।

84 ओह, जब आप जानते हैं कि परमेश्वर ने आपको कुछ निश्चित कामो को करने के लिए भेजा है, और आप वहां पर इसे बढते हुए देखते हैं, वहां—वहां तब कोई भी इसका स्थान नहीं ले सकता है। ऐसा ही है।

85 मुझे वो समय याद है जब पमेश्वर ने मुझे कुछ चीजों के बारे में बताया था, जो घटित होने जा रही थी, और फिर मैं आगे बढकर और देखता हूं कि यह ठीक वहां पर रखी हुई है, किस तरह से... ओह, क्या ही अनुभूती

हो रही है! परिस्थिति पहले से ही नियंत्रण में है, ऐसा ही है, देखो, क्योंकि परमेश्वर ने ऐसा कहा है।

86 मुझे याद है, आप में से बहुतो को याद होगा कि फिनलैंड में वो छोटा लड़का जी उठा था, और फिर मृतकों में से जी उठा, जो एक कार के द्वारा मारा गया था। और मैं सड़क के किनारे पर खड़ा हुआ था, और मैंने उस बच्चे से दूर चलना आरंभ किया, और मुड़कर और पीछे देखा। और किसी ने तो मेरे कंधे पर अपना हाथ रखा, और मैंने सोचा कि ये भाई मूर थे, और मेरे आसपास कोई भी नहीं था। और मैंने पीछे देखा, और फिर मैंने ऊपर पहाड़ को देखा। मैंने कहा, "ठीक है, मैंने उस पहाड़ी को कहीं तो देखा है, लेकिन हम इस रास्ते पर पहले नहीं आए है। हम दुसरे रास्ते पर आये हैं। वह पहाड़ी कहां पर है? "

87 और मैंने उस कार को वहां देखा और देखा, टक्कर खायी हुई; उस छोटे लड़के को वहां पर देखा... वहां वहां पड़ा हुआ था उसके आवारा किस्म के कटे हुए बाल थे, क्योंकि हम इसे यहाँ यही कहते है। उसकी आंखें को ऊपर की ओर घुम गयी थी, जैसे एक दिन भाई वे, जब गिर गए थे। और उन छोटे से पैर के मोजो के ऊपर से गाड़ी निकल गयी थी, जहां पर से उसके छोटे–छोटे अंग टूट गए थे। और उसकी आंख, नाक, और कान से लहू बह रहा था। और उसकी छोटी सी, पतलून को देखा; और बटन उसके साथ अटके हुए थे, *यहां* से, और उसके छोटी कमर के किनारे से; और उसके छोटे मोज़े ऊपर आ गए थे, जैसे लंबे मोज़े, जैसे हम कई वर्ष पहले पहना करते थे।

88 और मैंने चारों ओर देखा, और ठीक उसी तरह था, बिल्कुल उसी तरह जो पवित्र आत्मा ने मुझे दो वर्ष पहले बताया था, जब आप सभी लोगो ने राष्ट्र भर में अपने बाइबल में लिख कर रखा था, कि ऐसा घटित होगा। ओह, वहां, तब, स्थिति सामने है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि वह कैसा मरा हुआ है, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि कोई और क्या कहता है; सब पूरा हुआ था। उसे वापस आना होगा!

89 मैंने कहा, "यदि यह बच्चा इस मृत अवस्था से नहीं जी उठता है, तो मैं झूठा भविष्यद्वक्ता हूं, मैं परमेश्वर का एक गलत वर्णन करने वाला हूं। क्योंकि दो वर्ष पहले, मेरे अपने देश में, उसने मुझे बताया कि ऐसा होगा। और वहां इन सेवको और सभी जनो ने, अपने बाइबल के पीछे के कोरे पन्ने

पर लिखा, और यहां पर यह बिल्कुल वैसे ही है। इसे लिखे हुए कोरे पन्ने पर से पढ़ें, यह किस तरह से 'एक देश में होगा, चट्टाने एक के ऊपर एक रखी हुई होंगी, और इत्यादि, वो मारा जाएगा, और... सड़क के दायीं ओर पड़ा होगा।'" मैंने कहा, "यहाँ है यह। कोई भी इसे रोक नहीं सकता है। परिस्थिति पहले से ही नियंत्रण में है।"

90 जो विश्वास मेरे ह्रदय में था, वो अभिषेकित था। ओह, यदि मैं केवल यह समझा सकता था! वो विश्वास जो परमेश्वर... परमेश्वर पर जो मेरा विश्वास था, जिसने मुझे बताया, और यह कभी भी विफल नहीं हुआ, मुझे बताया, "परिस्थिति अब नियंत्रण में है। यहां है यह जिसे दो वर्ष पहले मैंने आपको दिखाया है, यहां पर यह बिल्कुल ठीक उसी क्रम में वो लड़का पड़ा हुआ है। केवल एक चीज जो तुम्हे करना है, शब्द को बोलना है।" और वो छोटा लड़का मरे हुओं में से जी उठा था। देखा?

91 मैं सोच रहा था, और भाई फ्रेड सोथमन की ओर देख रहा था जो वहां पीछे बैठे हुए थे, और भाई बैंक वुड और वे भाई लोग थे। और एक दिन, अलास्का के महामार्ग पर, किस तरह से मैं यहां कलीसिया में खड़ा हुआ था और आपको एक ऐसे जानवर को बताया जिसके हिरण के जैसे सींग है, बयालीस इंच के और वो है एक चांदी रंग का अमेरिकन जाती का जंगली (सिल्वरिप ग्रीजी) भालू है। मैं वहां पहले कभी भी नहीं रहा था, और किस तरह से वो... मैं इसे पकड़ने जा रहा था, और यह कैसे होगा, और कितने लोग मेरे साथ होंगे, और वे कैसे कपडे पहने होंगे। आप इसे जानते हैं, आप में से हर एक जन जानता है, हफ्तों और हफ्तों पहले, इससे पहले ये घटित हो।

92 और वहां जब मैं वहां पर चला गया, इसे नहीं जानते हुए, वहां पर वो जानवर पड़ा हुआ था। और मैं गया, और—और वह... यह असंभव बात थी। यदि एक शिकारी को पता चलेगा, या इस टेप को सुनता है, इस तरह से आप एक जानवर के सामने नहीं जा सकते हैं, वह कूदकर और दौड़ेंगा। लेकिन उसने नहीं किया।

93 और वहां वह मेरे निजी कमरे में टंगा हुआ है। वहां एक चांदी रंग का अमेरिकन जाति का भालू लटका है, बिल्कुल ठीक उसी तरह से है। और वहां पर एक—एक और एक मापने का टेप रखा हुआ है, एक नापने का डोरी, उसको बिल्कुल सही दिखाने के लिए। और एक सींग कम से कम

दो इंच या उससे अधिक सिकुड़ जाता है, जब यह जानवर के ऊपर हरा भरा होता है, और जब यह सूख जाता है, लेकिन यह कभी नहीं सिकुड़ा। यह अभी भी नाक के ऊपर बयालीस इंच का है, देखा? वहां पर चांदी रंग का अमेरिकन जाति का भालू रखा है, ये सात फुट लंबा है, बिल्कुल ठीक वैसा ही, और सबकुछ ठीक उसी तरह से है जैसा ये था, वहां अब रखा हुआ है।

94 लेकिन जब इस व्यक्ति ने मुझसे कहा, "अब देखो, भाई ब्रन्हम, हमें ये जानवर मिल गया जिसके बारे में आपने बताया था, लेकिन आपने मुझे बताया कि आपको एक चांदी रंग का अमेरिकन जाति का भालू मिल जाएगा, पहाड़ी के तल तक पहुंचने से पहले, वहां पीछे जहां वे लड़के हैं, जो एक हरे रंग की शर्ट के साथ थे।"

95 मैंने कहा, "ये यहोवा यों कहता है," परमेश्वर ने ऐसा कहा।

96 "लेकिन, भाई ब्रन्हम," उसने कहा, "मैं यहाँ मीलो तक हर कही, सब कुछ देख सकता हूं, वहां कुछ भी नहीं है। वह कहाँ से आयेगा?"

97 मैंने कहा, "यह सवाल करना मेरा काम नहीं है। परमेश्वर ने ऐसा कहा है! और वो यहोवा यीरे है। वो वहां पर एक भालू को ला सकता है। वह वहां पर एक को रख सकता है।" और उसने यह किया। और वह वहाँ है। ये स्थिति नियंत्रण में है।

98 और जब मूसा ने देखा कि इस उद्देश्य के लिए वो ऊपर आया था, और उसने उस महान परमेश्वर से आमने–सामने मुलाकात की थी, जिसने उसे बुलाया था, और उसे अभिषेक किया था, और उसकी पहचान दी, और कहा, "यह तुम्हारी बुलावट है, मूसा। मैं तुम्हें भेज रहा हूं, और मैं तुम्हे अपनी महिमा दिखाने जा रहा हूं। और यहां हूँ मैं, एक जलती हुई झाड़ी में। वहां आगे जाओ! मैं तुम्हारे साथ रहूंगा।" उसे यहाँ तक छड़ी की आवश्यकता भी नहीं पड़ी। उसके पास वचन था, प्रमाणित वचन था, और वहां पर वो चला गया। इसने उसके विश्वास को अभिषेकित किया जो उसमें था।

99 और ये हमें अभिषेक करता है जब हम देखते हैं कि हम अंतिम दिनों में रह रहे हैं, यह देखते हुए कि ये सारे चिन्ह जो हम देखते हैं, वो स्थान ले रहे है, जिसके लिए वचन में कहा गया है, कि वे अंतिम दिनों में स्थान लेंगे; वहां आकाश से लेकर राजनीतिक ताकत तक, और लोगों का स्वाभाव, और

संसार की भ्रष्टता, और जो महिलाओं के बीच है, और वे अंतिम दिनों में किस तरह से करेंगे, और पुरुष कैसे करेगे, और कलीसियाये कैसे करेगी, राष्ट्र कैसे करेगे, और परमेश्वर किस तरह करेगा। और हम यहाँ इस सबको हमारे ऊपर रखा हुआ देखते हैं।

100 ओह, यह हमारे विश्वास को अभिषेक करता है। ये हमें बडे चक्रों में से बाहर ले जाता है। देखा? ये—ये—ये हमें संसार की अन्य चीजों से अलग करता है। देखा? इससे कोई फर्क नहीं पड़ता, हम कितने छोटे हैं, या हम कितनी कम संख्या में हैं, हम पर लोग कितना हँसे हैं, मज़ाक उड़ाया गया है, इससे थोड़ा भी फर्क नहीं पड़ता। ऐसा ही है। हम इसे देखते हैं। हमारे अन्दर कुछ तो है। हमें इस समय को देखने के लिए पहले से ठहराया गया था, और हमें इसे देखने से कोई भी नहीं रोक सकता है। आमीन! यहाँ परमेश्वर इसे बोल चूका है। यह पहले से घटित हुआ है। हम इसे देखते हैं। ओह, हम परमेश्वर का इसके लिए कैसे धन्यवाद करे! ओह, तब, ये आपके विश्वास को बाहर लाता है, जब हम इन चीजों को यहाँ पर घटित होता हुआ देखते हैं।

101 अब, हम यहाँ फिर से पढ़ते हैं, "मूसा ने मसीह के कारण निन्दित होने को मिस्त्र के भण्डार से बड़ा धन समझा।" अब, उसने मसीह के कारण निन्दित होने को प्रिय जाना।

102 अब याद रखे, "मसीह के लिए निंदा।" देखो, वहां मसीह की सेवा करने में निंदा को लेना है। यदि आप संसार के साथ बहुत लोकप्रिय हैं, तब आप सेवा नहीं कर सकते, आप मसीह की सेवा नहीं करते हैं। नहीं, आप नहीं कर सकते है। क्योंकि, आप देखना, एक निंदा जो इसके साथ जाती है। संसार ने हमेशा ही निंदा की है।

103 बहुत ही हजारों वर्ष पहले, एक निंदा थी जो इसके साथ गयी थी। और मूसा फिरौन बनने को था, वो अगला होने वाला फिरौन था, फिरौन का पुत्र। और वो होने वाला अगला फिरौन था, वह लोगों के बीच समर्थन के साथ था, और फिर भी उसने "आदर किया... " प्रिय जानने का मतलब "आदर देना।" "उसने मसीह के लिए निंदा को उन सभी चीज़ों की तुलना में अधिक आदर दिया, जो मिस्र उसे प्रदान कर सकता था।" मिस्र उसके हाथो में था। लेकिन, फिर भी, वह जानता था कि मसीह का मार्ग को लेना एक निंदा था, लेकिन ये जानकर वो बहुत ही खुश था कि उसके पास

कुछ तो था, जिसने उसे मसीह के लिए निन्दा लेने को आदर किया है, मेरा मतलब मसीह की निंदा, सारी तड़क भड़क से अधिक जो उसे—उसे विरासत में मिली थी। उसके पास, उसके अन्दर एक विरासत थी जो बाहरी विरासत ने उसे दिया था, उससे कहीं अधिक थी।

104 ओह, यदि हम आज ऐसे ही बन सकते हैं, और पवित्र आत्मा अभिषेक करे जो हमारे पास, हमारे अन्दर है, वो विश्वास, भक्तिपूर्ण जीवन के लिए, मसीह के लिए समर्पित!

105 अब, इस तरह के विश्वास के साथ ये जो उसके पास था, उसने देखा, और उसने निंदा के सम्मान को आदर किया।

106 आज, कोई तो कह सकता है, "सुनो, क्या आप उन लोगों में से एक हैं? "

"ओह, ओह, ठीक है, ओह।" आप बस इससे थोड़ा शर्मिंदा होते हैं।

107 लेकिन उसने इसका आदर किया, इसे दुनिया की तुलना में एक बड़ा खजाना समझा, क्योंकि उसमें कुछ तो था जो वो बात कर सकता था और कह सकता था, "हाँ, मैं—मैं इसका आदर करता हूं। यह बेहद सम्मानित है। मैं उनमें से एक होने के लिए प्रसन्न हूं।" देखा? "मैं खुद को इब्रानी की गिनती के रूप में करने से प्रसन्न हूं और ना ही मिस्त्री के रूप में।"

108 आज मसीहो को वही बात कहना चाहिए, "मैं खुद को एक मसीही समझने से प्रसन्न हूं, ताकि संसार की चीजों से और संसार के वर्ग से दूर रहूं। ना ही केवल एक कलीसिया के सदस्य के नाई, बल्कि एक जन्म पाये हुए मसीह के नाई जो वचन के अनुसार जीता है। भले ही मुझे यहाँ तक कलीसिया के सदस्यों द्वारा, 'एक कट्टरपंथी', भी बुलाया जाता होगा, फिर भी मैं—मैं—मैं इस बात को बढकर आदरणीय समझता हूं उसकी तुलना में यदि मैं शहर या देश का सबसे लोकप्रिय व्यक्ति होता था। उस तुलना में मैं संयुक्त राष्ट्र का राष्ट्रपति होता या—या धरती पर का राजा होता। आप समझे? मैं—मैं इसे अधिक आदरणीय मानता हूं, क्योंकि परमेश्वर ने अपनी दया में, दुनिया की नींव डालने से पहले, मुझे देखा, और वहां पर एक छोटा से बीज को रखा, ताकि मेरा विश्वास संसार की इन चीजों से ऊपर उठ जाए। और अब उसने मुझे बुलाया है, और मैंने—मेरे स्थान को सम्मान करता हूं।"

109 जैसे पौलुस ने कहा, उसने अपने कार्य के स्थान को आदर दिया उच्च... देखो, और, ओह, कि परमेश्वर ने उसे गमलीएल के जैसे बड़ा शिक्षक होने के लिए बुलाया था। लेकिन पौलुस को मसीह के लिए बलिदान होने के लिए बुलाया गया था। समझे? अब ये बात उसी तरह से है।

110 ध्यान दें, इस तरह के विश्वास के साथ, वो कभी भी अपनी दृष्टि पर निर्भर नहीं था, जिसे वो देख सकता था। अब, उसने वहां पर कुछ भी नहीं देखा सिवाय मिट्टी में काम करने वाले लोगों के, वे गुलाम, कैद में थे, हर दिन मारे जाते थे, चाबुक से मारा जाता था, मजाक उड़ाया जाता, उनकी धार्मिक मान्यताये "कट्टरपंथी" थी। और वहां फिरौन सिंहासन पर बैठा हुआ था, जो नहीं जानता था या उनके धर्म के बारे में कुछ भी आदर नहीं करता था। वह इसके बारे में कुछ भी नहीं जानता था। वो एक मूर्तिपूजक था, तो वो केवल... क्या ही यह आज की एक तस्वीर है! और वहां पर एक अलग ही धर्म है। और कैसे यह यदि—यदि यह मूसा, अब भी राष्ट्रपति के साथ उसी गद्दी में है, या—या उस बडे व्यक्ति, फ़िरौन के साथ, ताकि उसकी मृत्यु होने पर अपने स्थान को ले ले, और फ़िरौन एक बूढ़ा व्यक्ति था। और अब भी मूसा ने उस पुकार को सोचा... उसने वहां उसी खिड़की से देखा, जहाँ से फ़िरौन ने देखा, 'क्योंकि वह उसके घर में था।

111 और फिरौन ने बाहर उन लोगों को देखा और देखा कि वे लोग जो अपने हाथ को उठा रहे थे, और वे एक चाबुक लेते और उनके मरने तक मारते थे क्योंकि वे प्रार्थना कर रहे थे। वे उन पर तलवार को चलाते, क्योंकि वे यहाँ तक हार गए, हर समय आज्ञा का उलंघन करने के लिए, और उन्हें तब तक काम करवाते जब तक कि उनके छोटे बूढ़े शरीर गिर नहीं जाते, और उन्हें खाने के लिए पर्याप्त से भी आधा भोजन देते। वे कहते, "ठीक है, वे कट्टरपंथियों के एक झुण्ड के अलावा कुछ भी नहीं, शायद इन्सान भी नहीं।"

112 और फिर भी, मूसा का जो उस पर विश्वास था, उनकी ओर देखा, और उनसे कहा, "वे परमेश्वर के धन्य लोग हैं।" आमीन। मुझे यह पसंद है। इस तरह के विश्वास के साथ, उनकी आंखें मिस्र के तड़क भड़क पर नहीं अटकी, ये परमेश्वर की प्रतिज्ञा पर अटकी थी। उसकी विश्वास की उकाब की आँखों ने मिस्र के तड़क भड़क के पार देखा था। उसे याद आता है, वह अब एक उकाब बन रहा है। वह एक भविष्यद्वक्ता है, और उसकी

उकाब की ऑखें उन चीजों से ऊपर उठने लगती है। ओह मैं इसे कितना पसंद करता हूं! हुह! प्रभु!

113 आज कैसे अक्सर, आज, मसीही लोग अपने ज्ञान पर भरोसा करते है, और जो वो देखते हैं, या जो वे समझ सकते है बजाये अपने विश्वास के, ताकि जो कुछ भी आप देख सकते हैं, या आप जो समझ सकते हैं और तड़क भड़क, उस पर भरोसा करे। जैसे कि आप महिलाये, मैं हमेशा आपको बताता रहा हूं, आपको अपने बालों को बढने देना चाहिए, आपको चहरे को रंगना नहीं चाहिए, आपको स्त्रियो और मसीही की तरह व्यवहार करना चाहिए। आप सड़क पर देखते हैं और आज महिलाओं को अनैतिक रूप से कपडे पहने हुए देखते हैं। तो, आप सोचते हैं, "ठीक है, वो कलीसिया से संबंध रखती है, मैं ऐसा क्यों नहीं कर सकती? " देखा? "और वो अपने बालों को कटवाती है, मैं ऐसा क्यों—क्यों नहीं कर सकती? तो, वह बहुत ही प्यारी दिखाई देती है और उतनी ही बुद्धिमान, और एक व्यक्तित्व जो मेरे पास है भी नहीं। तो फिर, मैं ऐसा क्यों नहीं कर सकती? मुझे यह करना चाहिए।" जब आप ऐसा करते हैं, तो आप अपने विश्वास को लकवाग्रस्त कर देते हैं। समझे? आप अपने विश्वास को बढ़ने का मौका नहीं देते हैं। उस पर आरंभ करें, जैसा कि मैंने कहा।

114 किसी ने कहा, "भाई ब्रन्हम, ये देश, ये लोग, आपको एक भविष्यद्वक्ता के रूप में आदर देते हैं। इन चीजों के लिए आपको, इस तरह से महिलाओं को और पुरुषो को फटकार नहीं देना चाहिए। आपको उन्हें सिखाया जाना चाहिए कि कैसे भविष्यवाणी करें, और दानो को प्राप्त करें।"

115 मैंने कहा, "मैं उन्हें बीजगणित कैसे सिखा सकता हूं जब वे अपने क ख ग को भी नहीं जानते है? " समझे?

116 अब केवल वहां से आरंभ करें। अपने आप को साफ करें ताकि जब आप सड़क पर बाहर निकले तो आप किसी मसीही की तरह दिखाई दे, किसी भी तरह से, देखो, और तब आप उसकी तरह व्यवहार करे। समझे? और आप इसे अन्दर से अपने आप से नहीं कर सकते हैं। यह मसीह तुम्हारे अन्दर आना है। और यदि वो बीज वहां पर रखा हुआ है, और वो उजियाला इस पर चमकने लगता है, तो यह जीवन में आ जाएगा। यदि यह जीवन में नहीं आता है, तो जीवन में आने के लिए वहां कुछ भी नहीं था। क्योंकि, ये

निश्चय ही दूसरों पर साबित होगा, देखो, तुरंत ही जीवन में आने लगता है, जैसे ही उजियाला इस पर चमकने लगता है।

117 यही महिलाओं के लिए एक ताड़ना है, मैं जानता हूं, यही है जो इस टेप में सुन रहे है, या इसमें सुनेंगे। ये ही आपके लिए एक फटकार है, बहन। ऐसा होना चाहिए। यह होना चाहिए, क्योंकि यह दिखाता है। मैं परवाह नहीं करता कि आपने क्या किया है; हो सकता है कि आप अपने पूरे जीवन में धार्मिक रहे होंगे, हो सकता है कि आप कलीसिया में रहे होंगे, आपके पिता एक सेवक हो सकते हैं, या आपके पति सेवक हो सकते है; लेकिन जब तक आप परमेश्वर के वचन के आज्ञा का उलंघन करते हैं, ये दिखाता है कि वहां पर कोई जीवन नहीं है। जब आप देखते है वो चीज को बाहर आयी है, और पवित्र आत्मा का जीवन, तो इसे देखे जब यह दूसरों तक पहुँचती है। देखें कि वे क्या करते हैं, यदि ये उन पर लाता है। कोई आश्चर्य नहीं क्यों...

118 उन फरीसियों के लिए क्या—क्या ही फटकार थी, जो यीशु को बुलाते थे, जब वो उनके विचारों को समझ सकता था, तो उन्होंने उसे "बालजबुल" कहा।

119 और उस छोटी वेश्या ने कहा, "क्यों, यह व्यक्ति मसीहा है। वचन कहता है कि वह ऐसा करेगा।" देखो, वो पहले से ठहराया हुआ बीज, वहां रखा हुआ था। और जब वो उजियाला इस पर चमका, तो यह जीवन में आता है। आप इसे रोक कर नहीं रख सकते हैं। आप जीवन को छुपा नहीं सकते हैं।

120 आप सीमेंट को लेकर एक घास के एक गुच्छे पर डाल सकते हैं, और इसे शीत काल में मार सकते हैं। अगले वसंत कल में, आपको सबसे घास जयादा कहाँ मिलेगी? ठीक सीमेंट के किनारे के आस पास। क्योंकि, वो अंकुरित बीज उस पत्थर के नीचे होता है, जब सूर्य चमकने लगता है, तो आप इसे रोक नहीं सकते है। ये वहां से होकर, घूमते हुए मार्ग को निकालता है और ठीक उस के किनारे से बाहर निकलता है और अपने सिर को परमेश्वर की महिमा के लिए तान लेता है। देखो, आप जीवन को छुपा नहीं सकते हैं। जब सूर्य वनस्पति जीवन पर चमकने लगता है, तो इसे जीना होता है।

121 और जब पवित्र आत्मा आत्मिक जीवन को प्रभावित करता है, जो एक मनुष्य में होता है, तो यह ठीक वहां पर अपना फल लेकर आता है। [भाई ब्रन्हम चुटकी बजाते है।—सम्पा।] देखा?

122 सो इस पर ध्यान दिए बिना कि आप कितने सच्चे और ईमानदार हैं, आप कैसे कहते हैं कि आप नहीं हैं, और कह रहे हैं कि वे... ये महिलाये इन गंदे कपड़ो और इत्यादि चीजो को बाहर पहनती है, बस एक साधारण सी कपडे की पट्टी चढ़ाकर रास्ते पर होती हैं। हालांकि, आप विश्वास नहीं करते कि ये आप हैं, आप अपने पर भरोसा नहीं करवा सकते हैं। आप साबित कर सकते हैं कि आप व्यभिचार के लिए निर्दोष हैं, लेकिन, परमेश्वर की किताब में, आप व्यभिचार कर रहे हैं। यीशु ने कहा, "जो कोई स्त्री को कुदृष्टि से देखता है, वो उसने पहले से ही अपने हृदय में व्यभिचार कर चूका।" और आपने स्वयं को इसी तरह से प्रदर्शित किया। देखिये, आप इसे तब तक नहीं देख सकते, जब तक कि वो जीवन वहां पर नहीं रखा हो।

123 आप किसी और को देखते हैं, आप देखते हैं और कहते हैं, "ठीक है, मैं बहन जोन्स को जानता हूं। भाई जोन्स एक... वो एक सेवक है। उसकी पत्नी *ऐसा* करती है और *वैसा* करती है।"

124 मैं परवाह नहीं करता कि *जो* वो करती है; यह वचन है। यीशु ने कहा, "हर मनुष्य का वचन झूठा ठहरे, और मेरा सत्य होगा।" ये बाइबिल है। और जब वह उजियाला वास्तव में इसे प्रभावित करता है, तो इसे जीवन में आना होगा। इसे तो बस जीवन में आना है।

125 अब, मूसा की महान आंख, उसकी उकाब की आंखें, मिस्र के तड़क भड़क के पार देखा।

126 आज का सच्चा मसीही विश्वासी, कोई फर्क नहीं पड़ता कलीसिया क्या कहती है, कोई और क्या कहता है; जब वो उजियाला उस पर चमकता है, तो वे उसी परमेश्वर के प्रमाणित होने को देखते हैं, वो आग का स्तंभ वहां पर मंडराने लगता है, और उन चिन्ह और अद्भुत् कामो की प्रतिज्ञा की गयी है, वो वचन रखा गया है, और इसे जीवन में आता है; इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि यह कितना छोटा है, और संख्या में ये कितने कम हैं। परमेश्वर का झुण्ड हमेशा ही कम संख्या में रहा है। समझे? "डरो मत, छोटे—छोटे झुंड, यह आपके पिता की भली इच्छा है कि वह तुम्हे राज्य

को दे।" समझे? वे इसे पकड़ते हैं। परमेश्वर प्रतिज्ञाबद्ध है कि उन्हें हर संप्रदाय से, हर वर्ग, हर स्थान से, इसे देखने के लिए भेजता है, यदि वे जीवन के लिए ठहराये गए हैं।

127 उस बूढ़े शिमोन को देखो, जो जीवन के लिए ठहराया गया। जब मसीहा मंदिर में आया, उस एक बच्चे के रूप में, जो उसकी मां की बाहों में था; शिमोन, कहीं तो पीछे एक कमरे में था, पढ़ रहा है। पवित्र आत्मा ने उसे उठाया, क्योंकि वह इंतजार कर रहा था। वो जीवन उसके अंदर था। उसने कहा, "जब तक मैं प्रभु के मसीह को नहीं देख लेता, तब तक मैं नहीं मरूंगा।" और वहां मंदिर में प्रभु का मसीह था। पवित्र आत्मा ने उसे उसके कर्तव्य स्थान से बाहर ले लेकर गया, और वहां से चलकर गया और उस बच्चे को उठाया, और कहा, "अपने दास को शांति से विदा कर, क्योंकि मेरी आँखों ने तेरे उद्धार को देख लिया है।"

128 हन्नाह नाम की एक बूढी अंधी स्त्री कोने में थी, जिसने दिन और रात प्रभु की सेवा की थी। वह भी भविष्यवाणी कर रही थी, और कह रही थी, "मसीहा आ रहा है। मैं उसे आते हुए देख सकती हूं।" जब कि, वह अंधी थी। उसी समय पर, जब वह वहां पर था... वो छोटा सा जीवन जो उसमें था, वो भविष्यवाणी कर रहा था, "ये वहां पर होगा! ये वहां पर होगा! ये वहां पर होगा!" तब, वो ही जीवन, वो प्रकाश उस इमारत में आता है, एक बालक के रूप में, "एक अवैध बालक," के नाई, जो उसके कपड़ो के टुकडो में लिपटा हुआ था, इमारत के अन्दर आता हुआ। और पवित्र आत्मा उस बूढी अंधी स्त्री, पर आता है, और वो आत्मा के द्वारा आती है, लोगों के बीच में से बढती हुई, और इस बालक के पास खड़ी होती है; और मां को और बालक को आशीष देकर, और बताती है कि इस बालक का भविष्य क्या होगा। देखो, जीवन के लिए ठहराया गया! देखा?

129 उनकी ओर देखो, उनमें वे दर्जनो नहीं थे। नूह के दिन में केवल आठ प्राण ही बचाए गए थे, शायद ही बहुत से लोग, लेकिन वे सारे जो उस समय जीवन के लिए ठहराये गए है, वे उस समय में आयेंगे। देखें कि प्रत्येक युग में पवित्र आत्मा कैसे कार्य करता है, लोगों को खींचता है।

130 अब हम पाते हैं कि मूसा के विश्वास ने उसे प्रेरित किया ताकि देखे कि क्या होगा, ना कि क्या था। आज के बजाय आने वाले कल को देखे।

तड़क भड़क के बजाय प्रतिज्ञा को देखे। संगठन के बजाय लोगों को देखे। समझे? परमेश्वर ने ऐसा किया।

131 लूत मिस्र में तड़क भड़क को बढते हुए देख सकता था, या वहां सदोम में देख सकता था। लूत बहुत अधिक पैसो के होने की संभावनाओं को देख सकता था। लूत... संभावनाओं को देख सकता था कि जब वो सदोम की ओर देखता था और वह शायद बन सकता है... एक इब्रानी होने के नाते, वह वहां पर एक बड़ा व्यक्ति बन सकता है, क्योंकि वह एक बहुत ही बौद्धिक व्यक्ति था, और अब्राहम का भतीजा था, इसलिए उसने सदोम की ओर जाने का फैसला किया। लूत की बुद्धिमाता ने उसे तड़क भड़क की समृद्धि को देखने के लिए नेतृत्व किया। लूत की बुद्धिमाता ने नेतृत्व किया कि उस आशीष को देखे जो—जो तड़क भड़क की है। लेकिन, उसका विश्वास इससे इतना लकवाग्रस्त हो गया था, उसने उस आग को नहीं देखा, जो उस किस्म के जीवन को नष्ट करने जा रही थी।

132 और इसी तरह से आज वे लोग हैं। वे संभावनाओं को देखते है, जो एक बडे संगठन से संबंधित है, वे संभावनाओं को देखते है जो शहर के सामाजिक लोग, लोगो के साथ खड़े हुए है, लेकिन वे संभावना को नहीं देखते... वे उनके विश्वास के लकवाग्रस्त होने को नहीं देखते है। मैं इसे दोहराता हूं ताकि इसे गलत न समझा जाए। आज की महिलाये, वे, जैसा कि मैंने कहा, वे फ़िल्मी सितारों तरह व्यव्हार करना चाहती है। आज पुरुष टेलीविजन के हास्य अभिनेताओं की तरह अभिनय करना चाहते हैं।

133 आज के प्रचारक दिखाई देता है अपने कलीसिया को किसी किस्म का आधुनिक ढंग का आवास बनाना चाहते हैं, सदस्य बनाना और इत्यादि। वे हो सकता है बिशप या एक प्रमुख अध्यक्ष बनने की संभावनाओं को देखते हैं, या ऐसा कुछ तो, यदि वे इन बातों के साथ कलीसिया जायेगे; वचनों को भूलते हुए, जब यह उनके ठीक सामने रखा होता है, जो पूरी तरह से परमेश्वर की सामर्थ से प्रमाणित हुआ है, और परमेश्वर के वचन के द्वारा लोगो में जीवित है। फिर भी, वे इसे नहीं चाहते हैं। वे कहते हैं, "हम इस तरह से किसी के साथ मिश्रित नहीं होना चाहते हैं।" यह उनके संगती के पहचान पत्र को ले लेगा। ये उनके सांप्रदायिक आदेश को ले लेगा। फिर भी लूत की तरह ईमानदार पुरुष, सदोम में बैठा हुआ है, यह जानते हुए कि यह गलत है। समझे? देखा? वे क्या करे जब वे ऐसा करते हैं? वे उस

छोटे से विश्वास को लकवाग्रस्त कर देते हैं जो उनके पास था। यह काम नहीं कर सकता है।

134 अब, मूसा ने उस को छोड़ देता है, और उसने... उसके विश्वास ने संसार को लकवाग्रस्त कर दिया।

135 या तो आपका विश्वास तड़क भड़क को लकवा कर देगा, या तो तड़क भड़क आपके विश्वास को लकवाग्रस्त कर देगा। अब, आपको उस एक को या तो दूसरे को लेना है। और आप देखते हैं कि बाइबल नहीं बदलती है। परमेश्वर नहीं बदलता हैं। वो न बदलनेवाला परमेश्वर है।

136 और अब हम पाते हैं कि आज के लोग, देखो, वे बड़ी–बड़ी चीजों के लिये देखते है, बड़े संगठन। "मैं *फलां–फलां* से संबंध रखता हूं।" देखा? और वे वहां पर जाते हैं, और देखो, वे उन सड़क के लोगों से अलग नहीं है। वहां कुछ भी और बात नहीं है। उनके पास कुछ तो बौद्धिक बात होती है, और वे आगे बढ़ते है। जब आप दैविक चंगाई के बारे में बात करते हैं, वो अग्नि का स्तंभ, परमेश्वर का उजियाला, वे कहते हैं, "यह मानसिक बातें है।"

137 एक मनुष्य ने परमेश्वर के दूत की तस्वीर को लिया, अगले दिन, एक बैपटिस्ट सेवक, और इस पर हँसने लगा। देखो, यह—यह निंदापूर्वक बात है। समझे? इसके लिए कोई क्षमा नहीं है।

138 यीशु ने यही कहा, देखो, यह निंदापूर्वक बात है; जब आप इसे देखते हैं कि ये उन्ही काम को कर रहे हैं, जो मसीह ने किया। और उसने कहा... जब उन्होंने देखा कि मसीह में उन कामो को देखा, वो बलिदान था, और उन्होंने उसे "बालजबुल, एक शैतान" कहकर बुलाया, कहा, क्योंकि, कारण वो इसे कर रहा था। और अब वे कहते हैं... उसने कहा, "मैं इसके लिए तुम्हे क्षमा करता हूं। लेकिन जब पवित्र आत्मा उसी काम को करने के लिए आता है, यदि तुम इसके विरोध में एक शब्द भी बोलते हो, इस संसारमें या आने वाले संसार में तुम्हे कभी क्षमा नहीं किया जाएगा।" समझे? केवल एक शब्द ही आप इसके विरोध में कहते है तो। समझे? और तब...

139 क्योंकि, यदि वो जीवन, यदि आपको अनंत जीवन के लिए ठहराया गया है, तब वो जीवन आगे निकल कर आएगा जब आप इसे देखते हैं। आप इसे पहचान लेंगे, जैसे कुंवे पर वो स्त्री, और—और विभिन्न लोगों की तरह। लेकिन यदि यह वहां पर नहीं है, तो ये जीवन में नहीं आ सकता है,

क्योंकि जीवन में आने के लिए वहां पर कुछ भी नहीं है। जैसे मेरी बूढी मां कहती थी, "आप एक शलजम से लहू को नहीं निकाल सकते है," क्योंकि इसमें कोई लहू नहीं है। अब, यह वही बात है।

140 और ये लकवाग्रस्त कर देता है, जो छोटा विश्वास आपके पास है। लूत तड़क भड़क को देख सकता था, लेकिन उसके पास पर्याप्त विश्वास नहीं था कि वो आग को देखे जो इस तरह की तड़क भड़क को नष्ट करेगा।

141 मैं सोचता हूं क्या आज हमारे पास है? मैं सोचता हूं कि क्या हम, तो, जो महिलाये लोकप्रिय होना चाहती हैं, जो कलसिया में बाकी महिलाओं की तरह व्यवहार करना चाहती हैं, यदि वे देखते हैं कि वे बाकी महिलाओ की तरह व्यवहार करना चाहती हैं। वे—वे एक सुंदर महिला होने की संभावनाओं को देख सकती हैं, चेहरे को रंगने के द्वारा। वे एक सुंदर महिला देख सकते हैं, युवा आकार होने के द्वारा, अपने बालों को कटवाकर, और किसी अन्य लोगों की तरह या फिल्म अभिनेता की तरह व्यवहार करके। लेकिन मैं सोचता हूं कि क्या इसने उनके विश्वास को लकवाग्रस्त नहीं किया है, यह जानकर कि बाइबिल कहती है कि, "एक स्त्री ऐसा करती है तो वो एक... लज्जाजनक स्त्री है," और, "एक स्त्री जो ऐसे वस्त्र पहनती है जो पुरुष से संबंधित वस्त्र है, परमेश्वर के नजर में घृणित है," तंग पतलून, और इत्यादि, और छोटे कपडे जो वे पहनते हैं। और—और ये बस ऐसा कठोर बनता जाता है इतना तक कि ऐसा करना लोगों की नियमित दिनचर्या बन जाती है। मैं सोचता हूं कि क्या ये उसी छोटे से विश्वास को लकवाग्रस्त नहीं करता हैं जो आपके पास था, यहां तक कि कलीसिया जाते है, आप देखते हैं। यही वो चीज है, ये करता है।

142 लूत ने ऐसा किया, और उसे लकवाग्रस्त कर दिया, और इसने वहां पर उसके लोगों को लकवाग्रस्त कर दिया। वे इसे नहीं देख सके।

143 लेकिन अब्राहम, एक—एक प्रमाणित विश्वास के साथ, उसके चाचा, उसने तड़क भड़क की ओर नहीं देखा, वह इसके साथ कुछ लेना ऐना नहीं रखना चाहता था। भले ही उसके लिए रहना कठिन था और खुद से रहना था। और सारा जंगल में रही जहां पर चलना मुश्किल था, वो बंजर जमीन थी। लेकिन उन्होंने तड़क भड़क या लोकप्रिय होने की संभावनाओं को नहीं देखा।

144 सारा, जो देश की सबसे खूबसूरत महिला थी, बाइबिल ऐसा बताती है। वो स्त्री गोरी थी, सभी महिलाओं में सबसे गोरी थी। और अब वह अपने पति के पास भी रही और यहां तक उसकी आज्ञा में रही, यहां तक कि उसने उसे "प्रभु" कहा, जिसके लिए बाइबिल उल्लेख करता है, नए नियम में—में शामिल है; कहा, "तुम किसकी बेटियां हो, जब तक आप विश्वास का पालन करते हैं।" देखो, पति को उसने अपना "प्रभु" कहा।

145 और यहोवा के दूत ने उनके मंदिर में मुलाकात की और... या वहां वे उनके छोटे तम्बू में थे, और उन्हें बताया। यहाँ तक उनके पास रहने के लिए एक घर भी नहीं था; वे बंजर भूमि में रहते थे। और वहां आप हैं। आप उस दिन के नमूने को वापस फिर से देखते है, बस ठीक विल्कुल उसी तरह से है, जैसे यह तब था?

146 अब, मूसा ने फिर से अपने महान विश्वास के साथ, वर्तमान दुनिया की वर्तमान चीज़ों को कह सकता है, "नहीं" और एक धार्मिक चयन को बना सकता है। उसने परमेश्वर के लोगों के साथ दु:खों का सामना करना चुना। उसने इसके साथ जाने का फैसला किया। क्यों? उसका विश्वास! उसने प्रतिज्ञा को देखा। उसने अंत समय को देखा। उसने आने वाके कल की ओर देखा, और उसने अपने विश्वास को खोल दिया। और उसने उस बात पर ध्यान नहीं दिया कि उसकी आंखें, यहां होने वाली संभावना में क्या देखती है, कि वो फिरोन था और वह फिरोन बनने जा रहा था। उसने सीधे–सीधे आने वाले कल की ओर देखा।

147 ओह, यदि लोग केवल ऐसा कर सकते थे, वर्तमान के संसार को नहीं देखा। यदि आप वर्तमान के संसार को देखते हैं, तो आप इसके साथ एक चुनाव करते हैं। अपनी आंखों को इससे छुपाये, और परमेश्वर की प्रतिज्ञा को देखे, जो दूर आने वाले कल में है।

148 अपने विश्वास के द्वारा वो चुन सकता था। उसने अब्राहम का पुत्र कहलाये जाने को चुना, और फिरौन के पुत्र कहलाने से इंकार कर दिया। भला वो कैसे हो सकता है, जब कि वो सारा राज्य... मिस्र ने संसार का पछाड़ा था। वो संसार का राजा था, और चालीस वर्ष का वो एक जवान व्यक्ति था, यहां सिंहासन लेने को तैयार था। लेकिन उसने ना ही कभी अपनी बुद्धि को...

149 देखो, स्त्रियाँ उसके इर्द गिर्द दिन–प्रतिदिन घुमती रहती, उनके जनाना घर में। उस तड़क भड़क की ओर देखे; बैठकर और शराब को पीना, और जब वे नृत्य को करती किया, उसके सामने निवस्त्र होते देखना, और वे उसे पंखा हिलाते... और सारे संसार भर की स्त्रियाँ होती, और गहने और खजाने, उसकी सेना वहां पर बाहर होती। केवल एक चीज जो उसे करना था कि वह बैठकर अपने पसंद का खाना खाता, और कहता है, "भेजें... रक्षक सेना संख्या *फलां–फलां* को *फलां–फलां* उस देश पर कब्ज़ा करने के लिए भेजो। मैं सोचता हूं कि मैं बस इसे चाहता हूं।" बस इतना ही उसे सब करना था। वहां बैठे रहता, और वे उसे पंखा हिलाते, और वो अपने मुंह को खोले रखता; उस दिन की प्यारी, खूबसूरत नृत्य करके अर्ध कपडे पहने हुए, उसके मुंह में शराब को डालते, उस पर अपनी बाहों को डालकर, उसे उसका भोजन खिलाती, संसार की सारी सबसे खूबसूरत महिलाये होती। वहां मौजूद सारी तड़क भड़क ठीक उसके सामने रखी हुई थी।

150 लेकिन उसने क्या किया? उसने उस बात से परे देखा। वो जानता था कि उसके लिए वहां पर वो आग तैयार थी। वो जानता था उस मार्ग में मृत्यु रखी हुई थी। समझे? वह जानता था कि ऐसा था। और उसने वहां पर अस्वीकृत और ठुकराए हुए लोगों के झुण्ड की ओर देखा, और विश्वास के द्वारा उसने मसीह के निंदा को सहन करना चुना, और खुद को बुलावाया, कि, "मैं अब्राहम का पुत्र हूं। मैं इस फिरोन का पुत्र नहीं हूँ। भले ही तुम मुझे एक बिशप, या एक डिकन, या एक आर्कबिशप, या एक पोप बनाओ, मैं इस चीज का पुत्र नहीं हूं। मैं अब्राहम का पुत्र हूं, और खुद को संसार की चीज़ों से अलग करता हूं।" आमीन, आमीन, और आमीन! विश्वास के द्वारा, ऐसा किया!

151 उसने तड़क भड़क को दूर कर दिया। उसने अगले बिशप बनने की संभावनाओ को निकाल दिया, उसने अगले आर्कबिशप बनने की संभावनाओ को निकाल दिया, या अगले चुनाव में मुख्य अध्यक्ष होने की संभावनाओ, या जो भी ये था, उसने उसे निकाल दिया। उसने इस पर देखने से इंकार कर दिया।

152 "अब, यदि मैं बिशप बन जाता हूं, तो मैं अंदर जाऊंगा और लोग, 'होली फादर,' कहेंगे या—या 'डॉक्टर *फलां–फलां,*' या—या—या 'एल्डर *फलां–फलां*।' किस तरह से वे सेवक इकट्ठे होने पर, वे पीठ पर

थप थापयेंगे, और कहेंगे, 'कहो, लड़के, मैं आपसे कहता हूं, इस लड़के के पास कुछ तो है। ओह, शु–शु–शु, शांत हो जाओ, यहां बिशप आ रहा है, देखो। जो वो कहता है, वही नियम है। देखो, यहां *फलां–फलां* आ रहा हैं।'" लोग दुनिया भर से उड़कर... पोप को देखने आयेंगे, और पैरो को और अंगूठियां चूमेंगे, और इत्यादि। कैसे, क्या ही कैथोलिक के लिए एक संभावना है, क्या ही प्रोटेस्टेंट के लिए संभावना है, बिशप के लिए या मुख्य अध्यक्ष होने के लिए, या जो कुछ भी है, संगठन के लिए कोई एक महान व्यक्ति।

153 भले ही देखते हुए, लेकिन, आप देखे, विश्वास की आंख उस के सबसे ऊपर देखती है। और आप इसे दूर वहां अंत तक देखते हैं, जो कि परमेश्वर कहता है कि सारी चीजे नष्ट हो जाएगी। विश्वास, जो उकाब की आंख है, आपको इस सबके ऊपर ले जाती है, और आप आने वाले कल को देखते हैं, आज को नहीं, और अब्राहम का पुत्र कहलाने के लिए चुनेगा।

154 फ़िरौन, बिना विश्वास के, परमेश्वर के बच्चों को "कट्टरपंथी" के रूप में देखा। कोई विश्वास नहीं, उसने उन्हें गुलाम बना दिया, क्योंकि उसने जो भी कहा था, उससे उसको डर नहीं था। वो परमेश्वर से डरता नहीं था। उसने सोचा कि वो परमेश्वर था। उसने सोचा उसके देवता जिसकी उसने सेवा की है, जिससे वो एक बिशप था, वह सबके ऊपर मुख्य अध्यक्ष था, ये उसके देवता ही थे जिसने ऐसा किया था। "*यहां* इस बात से कुछ लेना देना नहीं," इसलिए उसने उन्हें गुलाम बना दिया। वह उन पर हंसने लगा, उनका मजाक उड़ाया। वैसे ही जैसे आज लोग करते है, बिल्कुल उसी तरह से।

155 मूसा के विश्वास ने उन्हें प्रतिज्ञा देश में देखा, एक धन्य लोग। उन्हें उस प्रतिज्ञा देश की ओर ले जाने के लिए, ये बहुत ही एक मुश्किल लड़ाई हो सकती है, लेकिन मूसा ने उनके साथ जाने के लिए चुना। मैं कितना कुछ उस पर बोल सकता हूं, लेकिन मेरा समय निकल रहा है। देखा?

156 ध्यान दें, उन लोगों को उस ओर मोड़ना बहुत ही मुश्किल बात हो सकती है। "तुम्हे उनके साथ रहने के लिए जाना होगा, तुम्हे उनमें से एक बनना होगा, और वे पहले से ही बहुत बुद्धिमान है कि तुम उन्हें आगे नहीं ले जा सकते हो। समझे? लेकिन वहां कुछ तो घटित होने वाला है। वहां उनके सामने अलौकिक प्रमाण को किया जायेगा। ये एक कठिन बात होने

जा रही है। संस्थाये तुमसे मुंह मोड़ लेंगी, और ये सारी चीजें घटित होंगी। ये—ये—ये भयानक है, तुम्हे क्या करना है, लेकिन फिर भी अपने चुनाव को कर लो।"

157 "मैं उनमें से एक हूं।" हाँ। उसके विश्वास ने ऐसा किया। उसका विश्वास चमक उठा। जी हाँ, श्रीमान। उसने इसे देखा। उन्हें उस प्रतिज्ञा में ले जाने.के लिए, ये एक कठिन बात थी, जो कुछ भी हो, लेकिन उसने उनके साथ जाना पसंद किया। उन्होंने उसके साथ जो कुछ किया उसके बावजूद, और उन्होंने उससे मुंह मोड़ दिया, कुछ भी हो वह चला गया। वो उनके साथ बाहर निकल रहा था।

158 अब मैं आशा करता हूं कि आप समझ रहे हैं। तो ठीक है। कुछ भी हो, उनके साथ जाता है। उनके साथ एक बनता है, यह सही है, क्योंकि यह आपका कर्तव्य है। ये एक कठिन लड़ाई हो सकती है, और बहुत सी बातों से होकर गुजरना होगा, लेकिन कुछ भी हो जाना होगा।

159 लेकिन उसके विश्वास ने उसे वचन के चुनाव को लेने के लिए अगुवाही की, न कि तड़क भड़क के लिए। उसने वचन को लिया। यही है वो जो मूसा के विश्वास ने किया। जब विश्वास परमेश्वर के सबसे बुरे... याद रखें, अब यहाँ तड़क भड़क संसार था, सर्वोच्च, संसार का राजा। और परमेश्वर की प्रतिज्ञा कहाँ थी? कीचड़ के खड्डे में, एक कीचड़ में काम करने वाला।

160 लेकिन जब विश्वास, जब विश्वास परमेश्वर के सबसे बुरे को देखता है, तो ये इसकी तुलना में जो संसार का सबसे अच्छा दिखाई पड़ सकता है इससे अधिक मूल्यवान और आदरणीय मानता है। जी हाँ, श्रीमान। जब विश्वास इसे देखता है, जब विश्वास इसे देख सकता है, जब वचन में विश्वास वचन को प्रकट बनता देख सकता है, तो यह उन सभी तड़क भड़क और आर्कबिशप होना और अन्य सभी चीजे जिसकी तुम बात कर सकते हो उसकी तुलना में उसके लिए अधिक है। विश्वास ऐसा करता है। समझे? आप सबसे बुरे, तिस्कृत, ठुकराए हुए, और जो कुछ भी हो सकता है; इसे सबसे खराब होने दें, और फिर भी विश्वास का आदर, जो संसार सर्वोत्तम उत्पन्न कर सकता है उसकी तुलना में दस लाख मील अधिक होगा। आमीन! इसी तरह से हम उस गीत को गाते हैं, "मैं प्रभु के कुछ तिरस्कृत लोगों के साथ जाऊंगा।" देखा? ओह, प्रभु!

161 क्योंकि, आप देखे, विश्वास देखता है जो परमेश्वर करना चाहता है। ओह, मैं आशा करता हूं कि यह अंदर जा रहा है। विश्वास वर्तमान समय को नहीं देखता है। विश्वास *यहां* इसे नहीं देखता है। विश्वास यह देखने के लिए निहारता रहता है कि परमेश्वर क्या चाहता है, और यह उसके अनुसार काम करता है। यही है जो विश्वास करता है। ये देखता है कि परमेश्वर क्या चाहता है, और परमेश्वर क्या करना चाहता है, और विश्वास उस के जरिये से संचालित होता है।

162 विश्वास एक लंबी दूरी की दृष्टि है। ये अपनी दृष्टि में कम नहीं होता है। यह लक्ष्य को पकडे रहता है। आमीन! कोई भी अच्छा निशानेबाज इसे जानता है। समझे? कि, यह लंबी दूरी है। यह एक—यह एक दूरबीन है। यह एक दूरबीन यन्त्र है, जिससे आप *यहां* नजदीक के लिए नहीं देखते हैं। आप यह देखने के लिए दूरबीन का उपयोग नहीं करते कि समय क्या हुआ है; देखो, आप इसका उपयोग नहीं करते हैं। लेकिन आप दूरी को देखने के लिए दूरबीनों का उपयोग करते हैं।

163 और विश्वास वही करता है। विश्वास परमेश्वर के दूरबीनों को उठाता है, उन दोनों को, दोनों तरफ से, नया और पुराना नियम, और हर एक प्रतिज्ञा को देखता है जो उसने की है। और विश्वास इसके उस ओर देखता है, और विश्वास उसे चुनता है बावजूद इसके कि वर्तमान काल *यहाँ* क्या कहता है। वह अंत की ओर देखता है। वह *इस* तरफ से देखने के लिए अपनी दृष्टि को पीछे नहीं करता है। वो उस ओर देखता है। वह वचन पर विस्तार पूर्वक केंद्र दृष्टि लगाये रखता है। यही है जो विश्वास करता है। यही वो विश्वास है जो एक ऐसे व्यक्ति में है जो उन चीजों को करता है।

164 अब देखो। फ़िरौन ने क्या कहा, जिसे फिरौन ने महान कहा, परमेश्वर ने "घृणित" कहा! फ़िरौन कह सकता था, "देखो, मूसा, यहाँ, क्योंकि, तुम अगले फ़िरौन हो। जब मैं यहां से चला जाऊंगा, तो मैं—मैं तुम्हे इस राजदंड को सौंप दूंगा। मैं इस राजदंड तुम्हे दे दूंगा। ये तुम्हारा है। देखा? अब, यह बहुत अच्छा है। आप एक महान पुरुष बनने जा रहे हो, मूसा। तुम बिशप बनने जा रहे हैं। तुम *ये, वो,* या *इत्यादि* बनने जा रहे हो। तुम हमें छोड़कर मत जाओ। तुम यहीं रहो।" लेकिन, आप देखे, कि उसने उसे *महान* कह कर बुलाया, और परमेश्वर ने कहा कि यह एक "घृणित" था!

165 अब, स्त्रियाँ आप एक मिनट सोचे, वैसे ही आप पुरुष। जिसे संसार *महान* कहता है, परमेश्वर "गंदगी" कहता हैं। क्या बाइबिल ने नहीं कहा, "यह एक महिला के लिए घृणित है कि वो एक पुरुष से संबंधित वस्त्र को पहने"? और आपको लगता है कि तुम इसे करने में अच्छे दिखाई पड़ते हो। देखा? आप केवल शैतान के लिए स्त्री देह को प्रदर्शित कर रहे हैं, और ये ऐसा ही है। इसलिए, ऐसा ना करे।

166 और आप पुरुष लोग जो संसार की चीजों के लिए जीते हो, और इससे मेल जोल रखते और मिलते जुलते हैं! और आप पुरुष लोग, आपका इस बारे में आपकी अपनी पत्नी के साथ इतना तालमेल नहीं है और चीजों को पूर्ण रूप से ऐसा करने देते है, आपके लिए शर्म की बात है! और अपने आप को परमेश्वर का पुत्र कहते है? मुझे सदोमियों की तरह लग रहा है। देखा? आपकी भावनाओ को चोट पहुंचाने के लिए नहीं, लेकिन आपको सत्य बताने के लिए। प्रेम सुधार करता है। ये हमेशा करता है। जो मां अपने बच्चे की देखभाल नहीं करेगी, और इसे सुधार नहीं करेगी और इसे तमाचा नहीं मारेगी, और इसे नहीं समझाती है, इसके लिए वो एक मां भी नहीं है। ये सही बात है।

167 अब, और देखें कि अब कौन सी बात जगह लेती है। मूसा ने इसे अपने दर्शन के द्वारा देखा। और फिरौन ने इसे कहा, "*यह* महान है।" परमेश्वर ने कहा, "यह घृणित है।" सो परमेश्वर... मूसा ने वो चुना, जो परमेश्वर ने कहा।

168 अब ध्यान दें, विश्वास देखता है कि परमेश्वर क्या चाहता है कि आप देखे। समझे? विश्वास वो देखता है जो परमेश्वर देखता है।

169 और तर्क वितर्क और चेतनाये वो देखते हैं जो संसार चाहता है कि आप देखे। ध्यान दें, "क्यों, ये तो केवल मनुष्य की चेतना है। ये तो केवल—केवल इसका कारण है कि *यह*... *यह*... अच्छा, क्या *यह* उतना अच्छा नहीं है?" समझे? बिल्कुल ऐसा ही है, जब आप उन चेतनाओ का इस्तेमाल करते हैं जो वचन के विपरीत हैं, देखो, तब यही है वो, जो संसार चाहता है कि आप देखे।

170 लेकिन विश्वास उस पर ध्यान नहीं देता है। विश्वास वो देखता है कि परमेश्वर ने क्या कहा। समझे? आप जानते हैं, आप अपने तर्क वितर्क को निकाल दे।

171 वे कारण, तर्क वितर्क की चेतना, देखती है कि संसार क्या चाहता है कि आप देखे, बडे सम्प्रदायों को। तो ठीक है, क्या आप एक मसीही हैं? "ओह, मैं—मैं एक प्रेस्बिटेरियन हूं, मेथोडिस्ट, लूथरन, और पेंटीकोस्टल, या कुछ भी ये है। मैं *यह* हूं, *वो* हूं, या *इत्यादि*।" देखो, यह, यही चेतनाये हैं। "मैं पहली कलीसिया से संबंध रखता हूं, आप देखे। ओह, मैं कैथोलिक हूँ। मैं *यह* हूँ, वो हूं।" देखो, यह आप कहते हो। अब, यह, यही चेतनाये है। आप इसे कहना पसंद करते हैं, क्योंकि यह एक संप्रदाय है, कुछ तो बड़ा है। "ठीक है, हम—हम—हमारे पास संसार की किसी भी कलीसिया की तुलना में लगभग अधिक सदस्य हैं, देखो। हम... "

172 लेकिन केवल एक सच्ची कलीसिया है, और आप इससे नहीं जुड़ते हैं। आप इसमें जन्म लेते हैं। समझे? और यदि आप इसमें जन्म लेते हैं, तो जीवित परमेश्वर स्वयं आपके जरिए से कार्य करता है, और खुद को ज्ञात करवाता है। देखा? यही है वो जहां परमेश्वर वास करता हैं, उसकी कलीसिया में। परमेश्वर हर रोज़ कलीसिया जाता हैं, बस वो कलीसिया में ही रहता हैं। वो आप में रहता है। आप उसकी कलीसिया हो। आप उसकी कलीसिया हो। आप वो भवन हो जिसमें परमेश्वर वास करता है। आप अपने आप में जीवित परमेश्वर की कलीसिया हो। और यदि जीवित परमेश्वर, अपने जीवित अस्तित्व में रहता है, तो आपकी प्रतिक्रिया परमेश्वर की होती है; यदि ऐसा नहीं है, तो परमेश्वर वहां नहीं है। वो आपको इस तरह की प्रतिक्रिया नहीं करने देगा कि, जब वो यहां वचन में कहता है, जो उसका छायाचित्र है, "ऐसा मत करो," और आप जाकर करते है। देखो, यह गलत है। जब आप इसे अस्वीकार करते हैं, तब यह दिखाता है कि वो जीवन आप में है ही नहीं। समझे? ये सही है।

173 विश्वास ने मूसा को आज्ञा पालन के रास्ते पर पहुंचाया। ध्यान दें, मूसा... वहां युवा फिरौन है, वहां युवा मूसा हैं, वे दोनों एक मौके के साथ है। मूसा ने लोगों के अपमान को देखा, और मिस्र में जो कुछ था उसकी तुलना में इसे बड़ा धन समझा। और वो, विश्वास के द्वारा चला, उसने अनुकरण किया जो वचन में उसके विश्वास ने कहा, और इसने उसे आज्ञा पालन के रास्ते की ओर पहुंचाया, और अंत में महिमा के लिए, अमरहार, ना ही कभी मरना होगा, परमेश्वर की उपस्थिति में। ये दृष्टि और चेतनाये, तड़क भड़क की ओर ले जाती है, फिरौन को उसकी मृत्यु की ओर ले

जाती है, और मिस्र का विनाश, जो उसका देश है, और ये तब से कभी भी वापस नहीं आया है।

174 आप वहाँ हो। *इसकी* ओर देखते हो, तुम मरोगे। उसकी ओर देखते हो, तुम जीओगे। अब अपने चुनाव को कर लो। यह वही बात है जिसे परमेश्वर ने अदन के बगीचे में आदम और हव्वा के सामने रखी थी। देखा? विश्वास के द्वारा, आपको अपना चुनाव करना ही होगा।

175 अब ध्यान दें, दृष्टि ने फिरौन को उसकी मृत्यु, और उसके शहर के विनाश की ओर नेतृत्व किया।

176 मूसा, अपने विश्वास के साथ, फिरौन से कभी भी नहीं डरा। देखा? उसने परवाह नहीं किया कि फिरौन ने क्या कहा। उसने फिरौन के विषय चिंता नहीं की, ना ही उससे अधिक उसकी माता और उसके पिता के उनकी धमकियों के बारे में चिंता की। जब मूसा को उसकी पुष्टि हुई, और वही वह व्यक्ति था जो उन्हें मिस्र में से छुड़ाने वाला था... या इस्राएल को मिस्र से बाहर निकलने वाला था, तो उसने कभी भी परवाह नहीं की कि फिरौन ने क्या कहा। वह उससे नहीं डरा था। आमीन, आमीन, आमीन! आप समझे मैंने क्या मतलब है? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।]

177 विश्वास में कोई डर नहीं होता है। विश्वास इसके बारे में जानता है। विश्वास, जैसा कि मैंने हमेशा ही कहा है, इसकी बहुत बड़ी मांसपेशियां और छाती पर बाल होते है। विश्वास ने कहा, "चुप हो जाओ!" और हर कोई चुप हो जाता है। ऐसा ही है। "मैं जानता हूं कि मैं कहाँ पर हूँ!"

उनमें से बाकी के कहते हैं, "ठीक है, तो, हो सकता है वो करता है।" देखा?

178 लेकिन आपको खड़े होना है और अपनी मांसपेशियों को दिखाना है। बस इतना ही। विश्वास इसे करता है।

179 ध्यान दें, मूसा कभी भी फिरौन से नहीं डरा, परमेश्वर के द्वारा एक उसकी पुकार को प्रमाणित करने के बाद। जब मूसा ने विश्वास किया कि उसे इसके लिए बुलाया गया था, लेकिन जब परमेश्वर ने उसे वहां ऊपर बताया, "ये ऐसा है," और नीचे आकर फिरौन और बाकी सभी लोगो के सामने दिखाया, कि उसे इसे करने के लिए भेजा गया था, मूसा कभी भी फिरौन से नहीं डरा था।

180 ध्यान दें, फिरौन ने मूसा पर भले ही अपनी बुद्धि का इस्तेमाल किया। ध्यान दे। उसने कहा, "मैं तुम्हे बताऊंगा क्या, मैं—मैं तुम्हारे साथ एक समझौता करूँगा।" पीड़ाये उसे नष्ट करने के बाद, उसने कहा, "मैं तुम्हारे साथ एक समझौता करूँगा। तुम बस थोड़ी दूर ही आराधना के लिए जाओ, तीन दिन। केवल थोडी ही दुरी पर जाना, और आगे मत जाना।" लेकिन, आप जानते हैं... यह फिरौन की चेतनाओ ने उसे बताया कि, "तुम केवल कुछ ही दुरी पर जाना, और आगे मत जाना।"

181 क्या हमारे पास आज इस तरह से नहीं है? "यदि तुम केवल कलीसिया से जुड़ते हो, तो कोई बात नही।"

182 लेकिन, आप जानते हैं, वो विश्वास जो मूसा के पास था उसने "थोडी ही दुरी पर," के धर्म में विश्वास नहीं किया। उसने कहा, "हम सब जा रहे हैं। हम दूर जा रहे हैं। ये सही बात है। हम प्रतिज्ञा किए हुए देश की ओर जा रहे हैं। हम बस यहां से बाहर निकलकर और एक संस्था को नहीं बनाते हैं, और रुक जाये। हम आगे बढ़ते रहते हैं।" आमीन। "मैं प्रतिज्ञा किए हुए देश की ओर जा रहा हूं। परमेश्वर ने हमसे प्रतिज्ञा की है।"

183 आज हमारे पास कितने सारे फिरौन हैं जो पुलपिट में खड़े हैं, जो संस्थाओ के प्रधान है! "अब, यदि तुम केवल *ऐसा* करो और *वैसा* करो, बस इतना ही। तो, देखो, बस कुछ ही दुरी तक।"

लेकिन मूसा ने कहा, "ओह, नहीं! नहीं नहीं! नहीं, नहीं!" देखा?

184 फिरौन ने कहा, "ठीक है, क्यों नहीं? यदि तुम्हारे पास उस प्रकार का धर्म होने जा रहा हैं, तो मैं तुम्हे बताऊंगा कि तुम्हे क्या करना हैं, केवल तुम और प्राचीन लोग आराधना के लिए जाये, देखो। केवल तुम और प्राचीन लोग आराधना के लिए जाओ। क्योंकि, तुम सब के पास उस प्रकार का धर्म हो सकता है, लेकिन इसे लोगों बीच नहीं लेकर आओ।"

185 आप जानते हो मूसा ने क्या कहा? "यहां पर (जानवर का) एक खुर भी नहीं छुटेगा। हम सभी यहाँ से जा रहे हैं। हम सब जा रहे हैं! मैं तब तक नहीं जाऊंगा, जब तक वे नहीं जाते। और, जब तक मैं यहाँ पर हूँ, मैं तुम्हारे हाथों में रहूँगा।" आमीन। "मैं नहीं जाऊंगा, जब तक वे भी नहीं जा सकते, और ऐसा ही है।" ओह, क्या ही एक बहादुर सेवक है! आमीन। "मैं उन्हें अपने साथ ले जाना चाहता हूं। केवल इसलिए कि मैंने इसे पा लिया है, और मैं बैठकर और कहूं, 'तो, अब, *यह* ठीक बात है'?

नहीं, श्रीमान। हम लोगों को भी चाहते हैं। हम में से हर एक जन जायेगा।" आमीन। उसने कहा, "हम यहाँ तक हर एक भेड़, या कुछ भी पीछे नहीं छोड़ेंगे। एक खुर भी पीछे नहीं छुटेगा। हम सारे प्रतिज्ञा किए हुए देश जा रहे हैं।" आमीन!

186 "हम में से हर एक जन! चाहे आप एक घरेलु स्त्री हों, या आप एक—एक छोटी सी दासी हो, या आप एक बूढी महिला हो, या एक जवान पुरुष, या बूढ़े पुरुष, या जो भी हो, हम किसी भी तरह से जा रहे हैं। हम में से कोई एक भी नहीं छुटेगा।" आमीन। "हम में से हर एक जन जायेगा, और हमें कोई भी और नहीं रोकेगा।" यह सही है। प्रभु! उनके धर्म वास्तव में वहां वाद विवाद में थे, क्या नहीं थे? ओह, प्रभु!

187 नहीं, मूसा ने यहां इस "कुछ ही दूर" धर्म पर विश्वास नहीं किया था। नहीं, उसने उस पर विश्वास नहीं किया। उन–हूंह। जी हाँ, श्रीमान। ओह, प्रभु!

188 हम इस दिन पूरे दिन तक बोल सकते है, लेकिन मुझे कुछ देर बाद अपने विषय में जाकर और प्रचार को आरंभ करना है।

189 ध्यान दे, इसे ध्यान दें, कितना सुंदर है! ओह, मैं इसे पसंद करता हूं। आप जानते है, अत: फिरौन ने कहा, "चले जाओ!" परमेश्वर ने उसे तब ग्रस्त किया, मूसा की आवाज़ के द्वारा। उसने सब चीज पर प्रहार किया। उसने वो सबकुछ किया, जो किया जाना था। उसने रोका... उसने दिन के मध्य में सूर्य को वहीं रोके रखा। उसने और सब कुछ किया। उसने—उसने दिन को अंधकारमय किया थी। वो मेंढक, मखियाँ, जूँ, और हर एक चीज को लेकर लाया, आग, धुआं, और उसके परिवारों की मृत्यु, और हर एक चीज को लाया। उसने सारी चीजो को किया, अत:, फ़िरौन को यह कहना पड़ा, "चले जाओ! सब कुछ ले लो, और चले जाओ।" ओह, प्रभु! परमेश्बर की स्तुति हो!

190 मैं बहुत ही खुश हूं कि एक मनुष्य पूरी तरह से परमेश्वर की सेवा कर सकता है इतना तक कि वो, शैतान, वो नहीं जानता कि उसके साथ क्या करे। यह सही है। केवल परमेश्वर की पूरी तरह से आज्ञा में रहा इतना तक कि शैतान ने कहा, "ओह, बस दूर चले जाओ! मैं—मैं इसे और नहीं सुनना चाहता हूं।" यह सही है। आप इसे पूरी तरह से कर सकते हैं।

191 अब देखें, यदि—यदि परमेश्वर मूसा का समर्थन नहीं करता है, तो वह एक हंसी का पात्र बन जाता। लेकिन परमेश्वर ठीक वहां पर था, प्रमाणित करते हुए। जो कुछ उसने कहा, वो पूरा हुआ।

192 और फिरौन को अपने दर्जे को पकडे रहना था, क्योंकि वह एक बिशप था, आप जानते है, इसलिए उसे—उसे वहां बने रहना था। वो इनकार नहीं कर सका। वह नहीं, ऐसा नहीं कह सका क्योंकि यह पहले से ही घटित हो रहा था। देखा? वो इसे—वो इसे इंकार नहीं कर सका, क्योंकि यह पहले से ही घटित हो रहा था। इसलिए अत: उसने कहा, "ओह, बस चले जाओ! मैं तुम्हें और नहीं सुनना चाहता हूं। यहाँ से चले जाओ! तुम्हारा सब कुछ ले लो, और जाओ!" ओह, प्रभु!

193 अब हम यहाँ मूसा को देखते हैं, उसके बाद, परमेश्वर ने उसके लिए बहुत कुछ किया था, और उसे बहुत सारे चिन्ह और आश्चर्य कर्म दिखाए थे। अब, अगले पंद्रह मिनट के लिए, आइये इसे यहाँ पर रखेंगे। और बहुत ही नज़दीक से देखेंगे। मूसा उस स्थान पर आया जहां पर वो...

194 परमेश्वर ने कहा था, "मैं तुम्हारे साथ हूं। तुम्हारे शब्द मेरे शब्द है। मैंने तुम्हें इसे साबित किया है, मूसा। तुमने, जब उस देश में कोई मक्खियां नहीं थी, यह उसका मौसम नहीं था, और तुमने कहा, 'मक्खियों हो जाये,' और वहां पर मक्खियां आ गयी।" यही सृष्टी है। धरती पर अंधेरा कौन ला सकता है, सिवाये परमेश्वर के? उसने कहा, "'वहां अंधेरा हो जाये,' और वहां अंधेरा था। तुमने कहा, 'वहां मेंढक हो जाये,'" और यहाँ तक मेंढक फिरौन के घर में थे, उसके बिस्तर में पाये गए, और जब उन्होंने उन्हें एक के ऊपर एक बडा ढेर कर दिया। सृष्टिकर्ता! "और मैंने तुममे से होकर बात की है, मूसा, और—और मेरे शब्द के द्वारा सृष्टि को तुम्हारे होंठों के जरिये से किया है। मैंने असल में तुम्हें फिरौन के सामने एक परमेश्वर बनाया है।" जी हाँ, श्रीमान। "मैंने यह सब कुछ किया है।"

195 और यहां वे एक ऐसे स्थान पर आते है, एक छोटी सी परीक्षा वहां ऊपर आती है, और मूसा दोहाई देना आरंभ करता है, "मैं क्या करूँ? "

196 मैं चाहता हूं आप ध्यान दे। अब ये यहां पर एक बड़ा सबक है। मैं इसे पसंद करता हूं, देखो। देखो, मूसा, यदि हम ठीक यहां पर समझे, तो... जब वे बच्चे डरने लगते हैं, उन्होंने फिरौन को पीछे से आते देखा, जो कर्तव्य के पद में था।

197 परमेश्वर ने सब कुछ सिद्ध रूप से प्रदर्शित किया था। अब वो उनकी अपनी यात्रा को आरंभ करता है। उसके पास एकत्र कलीसिया है। वे बाहर बुलाये गये। वे हर एक संस्था से आते हैं। वे सभी एक साथ एकत्र होते है। मूसा वहां पीछे गया, और कहा, "प्रभु, मुझे क्या करना चाहिए? "

198 वो. कहेगा, "ठीक है, जाओ *ऐसा* करो।" तो ठीक है, आगे बढ़ते है। "अब, मूसा, तुम जानते हो कि मैंने तुम्हें ऐसा करने के लिए बुलाया है।"

"हाँ, प्रभु।"

199 "तो ठीक है, जाओ और *यह* बोलो, और ऐसा होगा," यहां मक्खियां आती है। "*इसके* लिए बोलो," और यहां ये आ जाता है। "*यह* करो," यहाँ आ जाता है। हर एक बात यहोवा यो कहता है, यहोवा यो कहता है, यहोवा यो कहता है, थी! अब वो एक परेशानी में आ जाता है...

200 और परमेश्वर ने कहा, "अब मैंने उन्हें लेकर उनकी यात्रा को आरंभ कर दिया है। वे सब बाहर बुलाये गए है। कलीसिया एक साथ है, इसलिए मैं उन्हें उनकी यात्रा के लिए ले जा रहा हूँ। अब, मूसा, उन्हें वहां पर लेकर जाता है। मैंने यह आपको बताया है। मैं बैठकर और थोड़ी देर विश्राम करूंगा।"

201 मूसा ने कहा, "हे प्रभु, देखो आ रहा है, यहां फ़िरौन आता है! सब लोग... मुझे क्या करना चाहिए? मुझे क्या करना चाहिए? " वहां देखो, क्या वह तब मनुष्य जाति नहीं है? जी हाँ, श्रीमान। दोहाई देना आरंभ किया, "मुझे क्या करना चाहिए? "

202 यहां हम मूसा को स्पष्ट रूप से, पूरी तरह से मनुष्य के स्वाभाव को देखते हैं, हमेशा ही चाहते हैं कि परमेश्वर आपके पीछे हो और आपको किसी चीज के अन्दर जाने के लिए जोर डाले। अब, आज हम ऐसे ही है। आप परमेश्वर को चाहते हैं, हमने देखा है यह सब कुछ हमने देखा है, फिर भी आप चाहते हैं कि परमेश्वर कुछ करने के लिए आपको जोर डाले। समझे?

203 मूसा बस आगे की ओर झुका, कहा, "परमेश्वर, मैं आपसे मांगूगा, देखो आप जो कहते हैं। हाँ, जी हाँ, आप इसे कहे। तो, ठीक है, मैं भी इसे कहूंगा।" देखा?

204 लेकिन यहां परमेश्वर ने उस काम को करने के लिए ठहराया था, साबित किया कि वो उसके साथ था। और यहां है वो, परिस्थिति ऊपर

आती है, और तब वो दोहाई देना आरंभ करता है, "मैं क्या कर सकता हूं? प्रभु, मैं क्या कर सकता हूँ? "

205 अब आपको याद है, उसने यहाँ पहले ही भविष्यवाणी की थी, क्योंकि उसने कहा, "जिन मिस्त्रीयों को तुम देखते हैं, अब तुम उन्हें और नहीं देखोगे।" और तब उसने तुरंत ही दोहाई देना आरंभ किया, "परमेश्वर, हम क्या कर सकते हैं? " देखा? वहां उसके काम को करने के बाद वहां भविष्यवाणी करने में एक बहुत अच्छा काम किया। आप देखे, उसने उन्हें बताने का काम किया कि क्या होगा। यदि परमेश्वर का वचन उसमें था, तो यह उसमें था। और जब वो यह कह रहा था, ये वास्तव में पूरा होना था। उसने जो कहा वह पहले से ही पूरा होने वाला था, और यहां पर वो दोहाई दे रहा था, "मैं क्या करने जा रहा हूं? "

206 ओह, क्या यह मनुष्य जाति नहीं है! क्या यह मैं नहीं हूँ! क्या यह मैं नहीं हूँ! देखा?

207 वो पहले ही साबित कर चुका था, "तू जो कहेगा वो होगा। मैं तुम्हारे साथ हूँ।"

208 और यहां पर कुछ ही क्षण में एक परिस्थिति ऊपर आ गयी। "मुझे क्या करना चाहिए? मुझे क्या करना चाहिए, प्रभु? ओह, प्रभु, आप कहाँ पर हो? ओह, क्या आप मुझे सुन रहे हो? मुझे क्या करना चाहिए? " और उसने पहले से ही उसे ठहराया था, और उसे एक प्रमाणित किया था, और साबित किया और उसके जरिये से हर एक काम को किया। और यहाँ, "परमेश्वर? " ओह, प्रभु! पूरी तरह से व्यक्त करते हुए, मनुष्य विश्राम करना चाहता है और परमेश्वर जोर दे रहा है।

209 और, फिर भी, वो जानता था कि परमेश्वर ने उसे इस काम को करने के लिए अभिषेक किया था, ऐसा करने के लिए, और परमेश्वर ने स्पष्ट रूप से उसके दावों को प्रमाणित किया था। ये लोगों के लिए छुडाये जाने का समय था। परमेश्वर, अपने अद्भुत कामो और आश्चर्य कर्म के द्वारा, उन सभी को एक झुण्ड में एक साथ खींच लाता है। क्या तुम मुझे समझ रहे है? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] उन सभी को एक झुण्ड में सभी को एक साथ लेकर आया, उसके दावों को प्रमाणित किया। वचन ऐसा कहता है; यहां वो चिन्ह था, यहां पर वो प्रमाण था यहाँ, जो कुछ भी उसने कहा, परमेश्वर ने उसका था। तब वो उनके बीच में एक भविष्यद्वक्ता के रूप

में आया। जब कभी भी, जो कुछ भी उसने कहा, परमेश्वर ने इसका आदर किया, यहां तक कि सृष्टि करना और मक्खियों को लाना, और उन चीजों को अस्तित्व में लाना। और वो सारी चीजें जिसकी उसने उससे प्रतिज्ञा की थी, यहां पर वो इसे करता है।

210 लेकिन वो यहोवा यों कहता है के लिये रुकना चाहता था। देखा? उसे जानना चाहिए था कि उसकी वही बुलावट यहोवा यों कहता है, वाली थी। उसका काम जिसके लिए वो ठहराया गया था, वो यहोवा यों कहता है, था। क्या आप इसे समझ सकते है? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] हुम! वो यहोवा यों कहता है लिए क्यों रुका हुआ था?

211 वो चाहता था, "प्रभु, मैं क्या कर सकता हूं? यहां मैंने इन बच्चों को इतना दूर तक लाया है। यहां पर ऐसी परिस्थिति है, फिरौन आ रहा है। वे सब मारे जायेंगे। मुझे क्या करना चाहिए? मुझे क्या करना चाहिए?" हूम! हूम!

212 उसने पहले ही भविष्यवाणी की थी कि वे क्या करने जा रहे थे। उसने पहले ही बिल्कुल उसी तरह से बताया था ऐसा करने से क्या होगा। उसने उसी देश के अंत की भविष्यवाणी की जिसमें से वो लाया गया था। मैं आशा करता हूं कि आप समझ रहे है। [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] समझे? मूसा ने पहले ही कहा था, "अब तुम उन्हें और नहीं देखोगे। परमेश्वर उन्हें नष्ट करने जा रहा है। उन्होंने तुम्हारा बहुत ही उपहास उड़ाया है। परमेश्वर उन्हें नष्ट कर देगा।" उसने पहले से ही भविष्यवाणी की थी कि उनके साथ क्या होगा।

213 तब, "हे प्रभु, मुझे क्या करना चाहिए?" वहां पर मनुष्य के स्वाभाव को देखा? देखा? "मुझे क्या करना चाहिए? मैं यहोवा यों कहता है, के लिए रुका हुआ हूं।" जी हाँ, श्रीमान। "मैं देखुंगा कि प्रभु क्या कहता है, तब मैं इसे करूँगा।" हूह!

214 याद रखे, एक फिरोन ने उसे पाला पोसा था, जो यूसुफ को नहीं जानता था, आप जानते है, उस समय में, ठीक उसी समय पर। देखा? समझे? और मूसा ठीक वहां खडे होकर और उस राष्ट्र के अंत की भविष्यवाणी की।

215 और यहां पर वो ठीक उस स्थान पर था जहां पर यह हो रहा था, तब वह दोहाई देता है, "प्रभु, मुझे क्या करना चाहिए? मुझे क्या करना

चाहिए? " देखा? क्या यह मनुष्य की प्रकृती नहीं है? क्या यह तब मनुष्य का स्वाभाव नहीं है? "मैं क्या करूँ? " हूह!

216 और वो पहले से ही भविष्यवाणी कर चुका था। परमेश्वर ने जो कुछ उसने कहा उसका सम्मान किया था, और उसे उस काम के लिए बुलाया गया था, तो उसे क्यों कहना है, "मुझे क्या करना चाहिए? " वहां एक अवश्यकता थी; ये अब उसके ऊपर निर्भर करता है कि इसके लिए बोले। परमेश्वर चाहता था कि मूसा विश्वास के उस दान को रखे, जिसे परमेश्वर ने उसे काम करने के लिए दिया था। परमेश्वर ने इसे प्रमाणित किया था। यह सच्चाई थी। और परमेश्वर चाहता था मूसा, वो लोगों को यह देखना चाहता था कि वह मूसा के साथ था।

217 और वह वहां पीछे, वो रुका रहा, उसने कहा, "अब, प्रभु, मैं तो बस एक बच्चा हूँ। अब आप मुझे बताये।"

"हाँ, मैं इसे करूँगा। मेरे पास यहोवा यों कहता वाला वचन है।"

"भाई, क्या यह यहोवा यों कहता है, वो है? "

218 "हाँ, हाँ, " भाई मूसा, "यही यहोवा यों कहता वाला वचन है। हाँ।"

219 "तो ठीक है, अब मुझे यह मिल गया हैं, यह यहोवा यों कहता है वाला वचन है।" और ये घटित हुआ। एक बार भी विफल नहीं हुआ। कभी भी विफल नहीं हुआ।

220 और यहां पर ये इन परिस्थितियों में है, जो फिर से आती है। अब वो उन्हें यात्रा पर ले कर निकला। कलीसिया को पहले से ही बाहर बुलाया गया है, उन्हें यात्रा पर लेकर निकला, और वे आगे बढ़ रहे हैं। और मूसा ने दोहाई देना आरंभ किया, "प्रभु, क्या यहोवा यों कहता वाला वचन है? मुझे क्या करना चाहिए? " तो ठीक है।

221 परमेश्वर चाहता था कि मूसा विश्वास रखे, जो उसने उस में डाला था, उस दान में जिसे उसने स्पष्ट रूप से प्रमाणित किया था। परमेश्वर ने स्पष्ट रूप से मूसा और लोगों को यह साबित कर दिया था कि ये वो था, वचन के द्वारा, और चीजों के द्वारा जिसे बोला गया वो पूरी हुई थी। इसे स्पष्ट रूप से पहचाना गया था। उसके बारे में उसे और चिंता करने की कोई आवश्यकता नहीं थी। देखा? इसके बारे में उसे और कुछ भी नहीं सोचना था, क्योंकि यह पहले से ही साफ़ हो गया था। वो पहले ही इन चीजों को

कर चुका था। और उसने पहले से ही मक्खियों और पिस्सू के द्वारा साबित कर दिया था, कि उसने उन चीजों की बोलकर सृष्टि की थी, कि परमेश्वर का वचन उसके अंदर था।

222 तो यहां वह अब पूछने जा रहा है कि क्या करना है, जब वो परिस्थितियां ठीक उसके सामने रखी होती हैं। समझे? ओह, प्रभु!

223 मुझे आशा है कि यह हमारे अन्दर जा रहा है, और हम देख सकते हैं कि हम कहां पर हैं। समझे? क्या इससे आपको *वैसा* बडा महसूस करने को नहीं लगाता है? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] मूसा के बारे में सोचते हुए, उसकी गलतियों को बताते हुए, और अपनी ओर देखो। हाँ। समझे?

224 यहाँ पर वो खड़ा हुआ है, देखो, जानता था कि वचन ने कहा था कि ऐसा होने का समय और दिन था, और जानता था कि परमेश्वर ने उसदे अग्नि के स्तंभ में मुलाकात की थी। और यह ठीक लोगों के सामने घटित हुआ और इन अद्भुत काम का प्रदर्शन किया। और उसने जो भी कहा, वो सब कुछ घटित हुआ और यहाँ तक उन चीजों को सृष्टि में लेकर आया। उन चीजों को करना जो केवल परमेश्वर ही कर सकता है, यह दिखाते हुए कि उसकी आवाज परमेश्वर की आवाज़ थी।

225 और यहां उन लोगों के साथ परिस्थिति थी जिसे वो उठा रहा था, प्रतिज्ञा किए हुए देश की ओर ले जा रहा था, और फिर खडे होकर, दोहाई दे रहा था, "मुझे क्या करना चाहिए? " यह एक मनुष्य ही है, जो चाहता है बस...

226 जैसे भाई रॉय स्लॉटर, मैं विश्वास करता हूं कि वह वहां दरवाजे के बाहर बैठे हुए है, एक समय उन्होंने मुहे बताया, उस विषय में कि कोई तो मेरे साथ कुछ तो कर रहा है। और मैंने कहा, "ठीक है, मैंने *ऐसा* किया, और अब ऐसा है।"

227 उसने कहा, "भाई ब्रन्हम, आज उन्हें आपके आगे झुकने दो, और कल आप उन्हें निकाल फेंकना।" और बस इसी तरह से एक मनुष्य की प्रकृती होती है। आज उन्हें आपके आगे झुकने दो, और कल आप उन्हें निकल फेंकना।

228 ऐसा ही है, यही है जो मूसा कर रहा था। साथ ही परमेश्वर को उसे निकाल फेकना था, उसके ठहराये जाने और इसे साबित करने के बाद

कि इसे करे। और लोगों को ये कहना चाहिए था, "मूसा, शब्द को बोलो। मैंने तुम्हे वहां *वहां* ऐसा करते देखा हैं। परमेश्वर ने तुम्हारा वहां सम्मान किया, और तुम आज भी वही हो।" आमीन। देखा? "इसे करो!" आमीन। उसे यह जानना चाहिए था, लेकिन उसने नहीं जाना। तो ठीक है। जैसे ही यह तब था, वैसे ही ये अब है। हम ऐसा देखते हैं। सो उसने कहा, "मूसा... "

229 परमेश्वर ने तब निश्चय ही बहुत किया था। परमेश्वर इस पर से तंग आ गया होगा। उसने कहा, "तुम इस विषय में क्यों दोहाई रहे हो? क्या मैंने अपनी पहचान को साबित नहीं किया है? क्या मैंने तुम्हे नहीं बताया है कि मैंने तुम्हे काम के लिए भेजा है? क्या मैंने तुम्हे नहीं कहा था कि जाकर ये करो? क्या मैंने प्रतिज्ञा नहीं किया था कि मैं इसे करूंगा; कि मैं तुम्हारे मुंह के साथ रहूंगा, और मैं तुम्हारे जरिये से बात करूंगा और मैं इसे करूँगा, और तुम चिन्ह और अद्भुत कार्य को दिखाओगे? क्या मैंने ऐसा करने का प्रतिज्ञा नहीं की? क्या मैंने बिल्कुल वैसे ही से नहीं किया, और तुम्हारे पास के हर एक शत्रु को नष्ट नहीं किया है? और यहाँ तुम ठीक लाल समुन्द्र के पास अब खड़े हो, कर्तव्य पद की रेखा में, मैंने तुम्हे क्या करने के लिए कहा, और फिर भी तुम चिल्ला रहे हो और मेरी दोहाई दे रहे हो। क्या तुम मुझ पर विश्वास नहीं करते हो? क्या तुम नहीं देख सकते कि मैंने तुम्हे इसे करने के लिए भेजा है? " ओह, क्या यह मनुष्य प्रकृती नहीं है! ओह! सो वो बस अवश्य ही इस पर पूरी तरह से बहुत ही तंग आ गया होगा।

230 और उसने कहा, "तुम जानते हो कि तुम्हे इसकी आवश्यकता है। तुम यह जानते हो कि यदि तुम इन बच्चों को उस प्रतिज्ञा किए हुए देश में ले जा रहे हो। बिल्कुल ऐसा ही है। तुम यहाँ कोने में बाड़ा डाले बैठे हो। ऐसा कुछ भी नहीं है, जो तुम कर सकते हो। सो वहां एक कमी है। तुम मेरे विषय में क्यों दोहाई दे रहे हो? तुम मेरे लिए क्यों देख रहे हो? तुम मुझे किस विषय में पुकार रहे हो? क्या मैंने लोगों को इसे साबित नहीं किया है? क्या मैंने इसे तुम्हे साबित नहीं किया है? क्या मैंने इसे नहीं बुलाया है? क्या ये वचन के अनुसार नहीं है? क्या मैंने इन लोगों को उस देश में लेकर जाने की प्रतिज्ञा नहीं की? क्या मैंने तुम्हे बुलाकर और तुम्हे नहीं बताया कि मैं इसे करूँगा? क्या मैंने तुम्हे बुलाकर और नहीं कहा कि मैंने तुम्हे इसे करने के लिए भेजा था, जो कि यह तुम नहीं थे, यह मैं था? और मैं

वहां जाऊंगा और मैं तुम्हारे होंठों के साथ रहूंगा, और जो कुछ भी तुमने कहा, मैं इसे प्रमाणित करता हूं और साबित करता हूं। क्या मैंने इसे नहीं किया है?

231 "फिर, जब कोई छोटी सी चीज ऊपर आती है, तो तुम बच्चे की तरह क्यों व्यव्हार करते हैं? तुम्हे एक पुरुष होना चाहिए। लोगों से बात कर," आमीन, "उसके बाद आगे बढ़ो!" आमीन। आप वहां हो। "दोहाई मत दे। बोल!" आमीन। ओह, मैं इसे पसंद करता हूं। "तुम मेरे विषय में क्यों दोहाई दे रहे हो? केवल लोगों से बात करो और अपने लक्ष्य की ओर आगे बढ़ो। जो कुछ भी ये हो, यदि ये बीमारी है, या जो कुछ भी ये है, मुर्दों को जीवित करना, या जो कुछ भी ये है, बोलो! मैंने इसे साबित किया है। लोगों से बात करो।"

232 क्या ही एक सबक है! क्या ही एक सबक है, ओह, प्रभु, इस यात्रा के इस चरण में जहां हम खड़े हैं। देखो, हम अब कहां पर हैं, जी हां, श्रीमान, तीसरे खिंचाव पर। ध्यान दें, हम ठीक यहां द्वार पर हैं, प्रभु के आगमन पर।

233 उसे काम के लिए अभिषेक किया गया था, और फिर भी यहोवा यों कहता है, उसके लिए रुका हुआ था। परमेश्वर ने तब निश्चय ही बहुत किया था। उसने कहा, "अब और दोहाई मत दो। बोलो! मैंने तुम्हे भेजा है।"

234 ओ परमेश्वर, इस कलीसिया को आज सुबह क्या होना चाहिए! परमेश्वर के सिद्ध प्रमाण के साथ, अग्नि के स्तंभ के साथ और वे चिन्ह और आश्चर्य कर्म के साथ, सब कुछ ठीक वैसे उसी तरह जो सदोम के दिनों में था। उसने कहा कि ये वापस होगा।

235 यहाँ संसार उसकी परिस्थिति में है। वहां राष्ट्र उसके परिस्थिति में है। महिलाये उसकी परिस्थिति में हैं। पुरुष उसके परिस्थिति में हैं। कलीसिया उसके परिस्थिति में है। वहां सबकुछ, वे तत्व, चिन्ह, उड़ने वाली तश्करी और आकाश में की हर एक चीज, और सभी प्रकार की रहस्यमयी चीजें, और समुद्र का उफान, ज्वारीय लहरें, मनुष्य के हृदय का दौरा, भय, समय का पेचीदा होना, राष्ट्रों के बीच संकट, कलीसिया बिखर रही है।

236 और पाप का पुरुष उठ रहा है, जो अपने आप को सब से ऊपर रखता है; जिसे परमेश्वर कहा जाता है, वो जो परमेश्वर के एक मंदिर में बैठता है, खुद को प्रदर्शित करता है, ओह, प्रभु, और इस राष्ट्र में आना है। और

कलसिया संगठित हो चुकी है, और वे सभी एक साथ इकट्ठे हुए हैं, जैसे वेश्य वेश्यावृति के लिए, और सबकुछ बिल्कुल वेश्यवृति के रास्ते में है।

237 वेश्यवृति, ये क्या है? महिलाओं को बताना कि वे अपने बालों को काट सकती हैं, महिलाओं को बताना छोटे कपडे पहन सकते हैं, पुरुषों को बताना कि वे *ऐसा* कर सकते हैं और वे *वैसा* कर सकते हैं; और वे प्रचारक, वे *इसे* करते हैं, और एक सामाजिक सुसमाचार और इत्यादि। क्या आप नहीं देखते, यह परमेश्वर के सच्चे वचन के साथ व्यभिचार करना है!

238 और परमेश्वर ने हमें अपना सच्चा वचन भेजा है, जो संस्थापक नहीं है, इसके साथ कोई तार नहीं जुडी है, और हमें अग्नि का स्तंभ देता है, पवित्र आत्मा जो अब हमारे साथ तीस वर्ष से रहा है। और हर एक चीज जो उसने भविष्यवाणी की है और कहा है, वह ठीक उसी तरह से पूरी होनी है जिस तरह उसने इसे बताया।

239 लोगों से बोल, और आगे की ओर बढ़। आमीन। हमारे पास एक लक्ष्य है, वह महिमा है। आइए इसकी ओर बढे। हम प्रतिज्ञा किए हुए देश की ओर अग्रसर हुए हैं। "उन विश्वास करने वालो के लिए सारी बातें संभव है।" "लोगों से बोल। क्या मैंने इसे साबित नहीं किया है। क्या यहाँ तक मैंने तुम्हारे बीच मेरी एक छवि को नहीं बनाया है, और बाकी सब कुछ नहीं किया है, जो किया जा सकता था, ये साबित करने के लिए कि मैं तुम्हारे साथ हूं? क्या पत्रिकाओ में, कुछ सप्ताह पहले, लेख को नहीं छापा था, जब आपने यहां पुलपीट पर कहा था कि यहाँ पर क्या घटित होगा यहाँ बाहर रखो, और तीन महीने पहले ही, और वहां यह हो रहा था और प्रमाणित हुआ? यहां तक कि विज्ञान भी इसके बारे में जानता है। और जो कुछ मैंने किया है, और आप अब भी रुके हुए हैं। लोगों से बोल और अपने उद्देश्य की ओर आगे बढ़।" आमीन।

240 क्या नातान ने दाऊद को नहीं बताया? नातान, वो भविष्यवक्ता, एक बार बैठकर, दाऊद अभिषिक्त राजा को देख रहा था, उसने कहा, "जो कुछ तुम्हारे ह्रदय में है, वो करो, क्योंकि परमेश्वर तुम्हारे साथ है।" दाऊद को बताया, "जो कुछ तुम्हारे ह्रदय में है, वो करो, क्योंकि परमेश्वर तुम्हारे साथ है।"

241 यहोशू को अभिषेक किया गया था परमेश्वर और उसके लोगों के लिए देश को ले ले। दिन छोटा था। उन्हें काम करने के लिए और अधिक समय

चाहिए था जिसे उसे करने के लिए अभिषेकित और अधिकार दिया था। यहोशू, एक पुरुष, वो अभिषेकित था। परमेश्वर ने उससे कहा, "जैसे मैं मूसा के साथ था, मैं तुम्हारे साथ रहूंगा।" आमीन। "वो देश, मैं उन्हें देने जा रहा हूँ। और मैं चाहता हूं कि तुम वहां जाकर अमेलीकीयों लोगों को साफ कर दो और—और... वो वे बाकी सभी, पलिश्तियों, और परिज़्ज़ियों, और सभी विभिन्न लोग उन्हें साफ कर दो। मैं तुम्हारे साथ हूँ। मैं... तेरे जीवन भर कोई तेरे साम्हने ठहर न सकेगा। कोई भी मनुष्य तुम्हे परेशान नहीं कर सकता है। वहां आगे बढो।"

और यहोशू ने उस तलवार को खींचा और कहा, "मेरे पीछे चलो!"

242 और वो वहां पर गया, और यहां पर वो लड़ रहा था। और ये क्या था? उसने दुश्मन को बुरी तरह से हरा दिया। वे *यहां* पर छोटे झुण्ड थे और *वहां* पर छोटे झुण्ड थे। जब रात का समय आता, तो वे सभी एक साथ इकट्ठे हो जाते, और एक साथ रक्षा करते और उसके खिलाफ एक बड़ी ताकत के साथ आते। और सूरज नीचे जा रहा था। उन्हें और अधिक प्रकाश की आवश्यकता थी। सूरज नीचे जा रहा था। वह अपने घुटनों पर गिरकर और नहीं कहता है, "प्रभु परमेश्वर, मैं क्या करूँ? मैं क्या करूँ? " उसने बोला! उसे एक आवश्यकता थी। उसने कहा, "सूरज, थम जा!" उसने किसी भी चीज की दोहाई नहीं दी। उसने आदेश दिया, "सूर्य, थम जा! मुझे इसकी आवश्यकता है। मैं प्रभु का दास हूं, इस काम को करने के लिए अभिषेकित, और मुझे एक आवश्यकता है। थम जाओ, और तुमको चमकना नहीं... और, चंद्रमा, तुम जहां पर हो वही ठहरे रहो," जब तक उसने युद्ध को लड़ नहीं लिया और सारी चीजों को खत्म नहीं कर दिया। और सूर्य ने उसकी आज्ञा का पालन किया।

243 कोई दोहाई देना नहीं। उसने सूरज से बात की, कहा, "तुम वही थम जाओ। वही ठहरे रहो! और, चंद्रमा, तुम जहां पर हो, वही ठहरे रहो।" उसने दोहाई नहीं दी, "प्रभु, अब मैं क्या कर सकता हूँ? मुझे कुछ और सूरज का प्रकाश दो।" उसे सूरज के प्रकाश की आवश्यकता थी, इसलिए उसने उसे आज्ञा दी, और सूर्य ने उसका उसकी आज्ञा का पालन किया। ओह, प्रभु! उसने सूरज को वहीं थमे रहने की आज्ञा दी।

244 शिमशोन, अभिषिक्त था, वो बढने लगा, परमेश्वर का ठहराया हुआ, उसे सामर्थ का दान था, पलिश्तियों के राष्ट्र को नष्ट करने के लिए ठहराया

गया था। ठहराया गया, परमेश्वर का अभिषिक्त, पलिश्तियों को नष्ट करने के लिए, पृथ्वी पर जन्मे हुए, परमेश्वर के अभिषिक्त। और एक दिन उन्होंने उसे वहां उस भूमि में पकड़ लिया, वो बिना तलवार के था, बिना एक भाले के। और वे हजारों हथियार लिए हुए पलिश्तिनी एक ही समय में उसकी ओर दौड़ कर आने लगे। क्या वो नीचे झुककर कहने लगा, "हे प्रभु, मैं एक दर्शन के लिए रुका हुआ हूं? हे प्रभु, मुझे क्या करना चाहिए? मुझे अभी निर्देशित करें कि क्या करना है"? वह जानता था उसे कुछ आवश्यकता थी। उसे वहां एक खच्चर के पुराने जबड़े के अलावा कुछ भी नहीं मिला, और उसने एक हज़ार पलिश्तियों को मार गिराया। आमीन!

245 उसने कभी भी परमेश्वर के लिए दोहाई नहीं दी। उसने अपने अभिषिक्त दान का इस्तेमाल किया। वो जानता था कि उसे उस काम के लिए भेजा गया था। वह जानता था कि उसने उसके लिए जन्म लिया था। वो जानता था कि उसे एक दान के साथ अभिषेक किया गया था, और उसने एक हजार पलिश्तियों को मार गिराया। उसने परमेश्वर के लिए दोहाई नहीं दी। परमेश्वर ने उसे ठहराया और प्रमाणित किया कि वह था, अन्य चीजों के द्वारा जिसे उसने किया था। और वह परमेश्वर का प्रमाणित और अभिषिक्त सेवक था कि और पलिश्तियों को नाश करे, और उसने इसे किया। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि परीस्थितीयां क्या थी, उसने इसे किया। उसने कुछ भी नहीं मांगा। वह उसका काम था। वो परमेश्वर उसके जरिये से व्यवहार कर रहा था; उस खच्चर की हड्डी उठाकर और पलिश्तियों को मारने के लिए बढ़ा। कैसे...

246 क्योंकि, उस चीज़ (खोपड़ी) से एक चाटना होता है, उनमें से हर एक के ऊपर डेढ़ इंच का पीतल की खोपड़ी होती है, उस हड्डी के दस लाख टुकडे होकर चूर–चूर हो जाते। और उसने उस खोपड़ी से उनमें से एक हजार को मारा, और उन्हें मार डाला, और अब भी उसके हाथ में इसे लेकर खड़ा था।

247 कुछ सवालो को नहीं पूछा। उसने दोहाई नहीं दी। उसने बोला। उसने उन्हें हरा दिया। ओह, प्रभु! "पलिश्ती को जीतना, क्या मैं पलिश्तियों को जीत सकता हूं, प्रभु? मैं—मैं जानता हूं कि आपने मुझे इसे करने के लिए भेजा है, प्रभु। हाँ, प्रभु, मैं जानता हूं कि उसने मुझे पलिश्तियों के इस देश को नष्ट करने के लिए भेजा है। अब यहां, उनमें से मेरे चारों ओर हजारो है,

और मेरे पास कुछ भी नहीं है। क्या, मैं अब क्या करूं, प्रभु? " ओह, प्रभु! उसे कोई भी परेशानी नहीं थी। उसे उस काम को करने के लिए अभिषेकित किया था। तुम्हे कोई भी हानि नहीं पहुंचा सकता है। नहीं, एक चीज भी नहीं। हाल्लेलुय्या! उसने बस उसे उठा लिया जो उसके था और उन पर मारने लगा था। ये सही है।

248 जब शत्रु ने उसे घेर लिया, कहा, "अब हम उसे दीवारों में बंदी बना देंगे, हमने उसे अब पा लिया है। हमने उसे इस स्त्री के साथ अंदर पाया है। अब हमने दरवाजे बंद कर दिये है, हर कहीं, चारो ओर से, और वह बाहर नहीं निकल सकता है। हमने उसे पकड़ लिया।"

249 शिमशोन ने दोहाई नहीं दी, "हे प्रभु, उन्होंने मुझे इस संप्रदाय के साथ पूरी तरह घेर लिया है।" हूह! "ओह, मैं क्या करूं? मैं उनसे घिर गया हूँ। मैं क्या करूं? " उसने कभी ऐसा नहीं किया।

250 वह बस बाहर चलकर गया, और फाटकों को खींच निकाला, और उसे अपने कंधे पर रख दिया, और उसके साथ बाहर निकल गया। आमीन! उसे उस काम को करने के लिए अभिषेक किया गया था। वो परमेश्वर के द्वारा बुलाया गया था। उसको अंदर से घेरा नहीं था। नहीं, वास्तव में! उसने अपने साथ फाटको को उठा ले गया। उसने इसके बारे में प्रार्थना नहीं की थी। उसने परमेश्वर से नहीं पूछा कि यह करना है या नहीं। यह ठीक कर्तव्य की रेखा में था। आमीन, आमीन, आमीन! ठीक कर्तव्य की रेखा में। "तू क्यों मेरी दोहाई देता है? बोल, और आगे बढ़!" आमीन! "दोहाई मत दो। बोलो!" वो अब शिकायत करना और बच्चो की तरह रोना छोड़ चूका था। शब्द को बोलने के लिए उसे ऐसा होना है। ये सही है। वो जानता था कि उसका अभिषिक्त सामर्थ का दान, उसके सामने खड़े किसी भी पलिश्ती को नष्ट कर सकता है। आमीन।

251 लेकिन हम यह नहीं जानते, आप देखते हैं। हम अभी भी छोटे बच्चे ही हैं, और हमारे मुंह में एक बोतल के साथ है।

252 वो उसे जानता था, वो जानता था कि परमेश्वर ने उस उद्देश्य के लिए उसे बड़ा किया था, और उसके जीवन के सारे दिनों में, उसके सामने कोई भी नहीं खडा होना था। कोई भी उसे नष्ट नहीं कर सकता। वो उस उद्देश्य के लिए बड़ा हुआ था, जैसे कि मूसा था। उसे कोई भी नहीं रोकेगा। कोई

अमेली या कोई और उसे रोक नहीं सकता है। वह प्रतिज्ञा किए हुए देश के मार्ग पर है। शिमशोन जानता था कि वो मार्ग पर था।

253 यहोशू जानता था कि वह देश पर कब्ज़ा करने जा रहा था। वो प्रमाणित हुआ था। परमेश्वर के वचन ने इसकी प्रतिज्ञा की है, और पवित्र आत्मा वहां इसे प्रमाणित कर रहा था।

254 वो उसके मार्ग पर था, इसलिए कोई भी उसके मार्ग में नहीं खडा होना था। नहीं श्रीमान। परमेश्वर के साथ ठीक कर्तव्य पद की रेखा में, कोई भी उसके मार्ग में नहीं खडा होना था। तो उसने बस फाटको को उठाया और उसे अपने कंधे पर रख दिया, जो लगभग चार या पांच टन के वजन के थे, और पहाड़ी के चोटी पर चल कर गया और उन पर बैठ गया। उसके रास्ते में कोई भी नहीं खड़ा होगा। उसके पास परमेश्वर से अभिषिक्त दान था। उसे दोहाई नहीं देना पड़ा था, "प्रभु, अब मुझे क्या करना चाहिए? " वो पहले से ही इसे करने के लिए अभिषेक किया गया था। यही वो, यहोवा यो कहता है, था, "उनसे पीछा छुडाओ!" हाल्लेलुय्या! "उनसे पीछा छुडाओ! मैंने तुम्हे इसी उद्देश्य के लिए ऊपर लाया है।" आमीन।

255 "मुझे क्या करना चाहिए, प्रभु? तो ठीक है, मैं यहाँ लाल समुन्द्र पर क्या करूं? "

256 "क्या मैंने तुम्हे यह नहीं बताया कि मैं तुम्हे यहां एक चिन्ह के लिए पहाड़ को देता हूं? तुम उस पहाड़ पर वापस आ रहे हो, और तुम इन बच्चों को देश पर लेकर जा रहे हो। क्या मैंने तुम्हे उस उद्देश्य के लिए नहीं बुलाया? तो तुम मार्ग में खड़ी किसी भी चीज के बारे में क्या चिंतित हो? बोलो, और आगे बढ़ना आरंभ करो!" आमीन और आमीन! "हाँ, मैंने तुम्हे इसी उद्देश्य के लिए बुलाया है।"

257 दाऊद, वो जानता था कि वह अभिषिक्त था, और एक अच्छा निशाना मारने के लिए प्रमाणित हुआ था। वह जानता था कि वे जानते है कि वो एक अच्छा निशानेबाज था। दाऊद अभिषेक किया गया था। वह इसे जानता है। और जब वह गोलियात के सामने खड़ा था, उसने कभी दोहाई नहीं दी, "हे परमेश्वर, अब मुझे क्या करना चाहिए? रुको, मुझे मैं—मैं... मैं जानता हूं कि आपने बीते समय में क्या किया था। आपने, आपने मुझे भालू को मारने दिया, और आपने मुझे एक शेर को मारने को दिया। लेकिन यहां इस गोलीयात के बारे में क्या? " हूह! उसने कभी भी इसे नहीं किया था। वो

केवल बोला। उसने क्या कहा? "तुम्हारा भी उसी तरह से हर्ष होगा जैसे उनके साथ... ? ... " वो बोला और आगे बढ़ा।

258 उसने कभी भी प्रार्थना नहीं की। उसने कभी भी भेट नहीं चढ़ाई थी। वह जानता था कि वो अभिषेकित था। आमीन। वो अभिषेकित था, और उस गुलेल ने सही एक चीज को साबित किया था। उसके पास उसके अभिषेक में विश्वास था। उसके पास विश्वास था कि परमेश्वर उस पत्थर से सीधे वहां उसके सिर के टोप के बीच में निशाना कर सकता है, एकमात्र स्थान जहां मारा जा सकता है। वो वहां पर खड़ा था।

259 वह जानता था कि वह एक अच्छा निशानेबाज था। आमीन। वो जानता था कि परमेश्वर ने उसे ऐसा बनाया है। आमीन। वो जानता था कि उसने शेर को मारा था, वो जानता था कि उसने एक भालू को मारा था, लेकिन यह उसके धरती के पिता के अधिकार के साथ था। यहां उसका स्वर्गीय पिता का अधिकार है! आमीन। वह हताश नहीं हुआ, कहा, "क्या... अब मुझे क्या करना चाहिए, प्रभु? " उसने बोला और कहा, "तुम शेर और भालू की नाई होंगे, और यहाँ मैं आता हूं।" आमीन! परमेश्वर की महिमा हो! जी हाँ श्रीमान। वो बोला और इस गोलीयात से आमने सामने होने के लिए आगे बढ़ा। ओह, प्रभु!

260 उसके आकार के बावजूद! वो एक छोटा सा, गुलाबी सा दिखने वाला व्यक्ति था, आप जानते हैं। वह बहुत बड़ा नहीं था। वो दिखने में बहुत ही रूपवान नहीं था, एक छोटे से कद के ढांचे का व्यक्ति। बाइबिल ने कहा कि वो गुलाबी सा दिखने वाला था। अब, उसके कद और उसके ऐसा करने की योग्यता ध्यान में रखने के बावजूद।

261 आप जानते हैं, बिशप ने उसे बताया, कहा, "अब यहाँ देखो, पुत्र, वह व्यक्ति एक धर्मज्ञानी है। देखो, वह एक योद्धा है। वह एक योद्धा जन्म लिया था और वो एक... वह अपने युवाअवस्था से एक योद्धा रहा है; और तुम्हारा उसके साथ कोई मुकाबला नहीं हैं।" और उसके भाइयों ने कहा, "ओह, तुम शरारती चीज हो। यहाँ आकर इस तरह की चीज को करना, घर को वापस जाओ।"

262 उससे वो परेशान नहीं हुआ। क्यों? वह जानता था कि वह अभिषेकित था। "जिस परमेश्वर ने मुझे उस शेर से छुटकारा दिया, वह परमेश्वर जिसने मुझे उस भालू के पंजे से छुटकारा दिया, वो उससे कहीं अधिक है,

मुझे उस पलिश्ती से छुटकारा करेगा। मैं यहाँ आया हूँ। मैं इस्राएल के प्रभु परमेश्वर के नाम से तुम्हारे पास आया हूं।" आमीन। उसने प्रार्थना नहीं की थी; वो पहले ही प्रार्थना कर चुका था। परमेश्वर ने उससे उसमें से होकर दुनिया की नींव डालने से पहले प्रार्थना की। वो उस काम को करने के लिए अभिषेकित था। उसे बोलना था और आगे बढ़ना था। इसके विषय में यही सब करना है, केवल बोलो और आगे बढ़ो। ओह, इसके लिए वहां ऐसा ही था। ओह! उसने नहीं.

263 उसके सांप्रदायिक भाइयों के बारे में, वे ठट्ठा उड़ाने वाले भी वहां खड़े थे, आप जानते हैं। ओह हाँ। वे वहां पर खड़े होकर कह रहे थे, ठट्ठा उड़ा रहे थे और मजाक कर रहे थे, और कह रहे थे... उसके भाई, आप जानते हैं, और कहते, "हा, हा, हा, तुम नहीं कर सकते। तुम, तुम बस शरारती हो।" उससे उसे जरा भी फर्क नहीं पड़ा। "तुम किसी और से अलग ही बनना चाहते हो। तुम बस दिखाना चाहते हैं।" यदि यह दिखावा हो रहा था, तो ऐसा ही होता। लेकिन उन्होंने केवल बौद्धिक पक्ष को देखा।

264 दाऊद जानता था कि अभिषेकित तेल उसके ऊपर था। आमीन। उसे उससे कोई फर्क नहीं पड़ता। उसने कहा, "वो पलिश्ती भालू और शेर की तरह होगा, इसलिए मैं आया हूं।" उसने ऐसा होने से पहले भविष्यवाणी की थी। उसने क्या किया? उसने भालू को मार डाला। उसने शेर को मार डाला। उसने शेर को उससे नीचे गिरा दिया... किससे? गुलेल से, और एक चाकू को लिया, और उसके बाद भालू को। शेर, उसने एक चाकू से शेर को मार डाला। इसी तरह से उसने गोलियात के साथ किया था। उसने उसे पत्थर से नीचे गिरा दिया, और उसकी तलवार को बाहर निकाला, और उसी के सिर को काट दिया, ठीक उनके सामने। ऐसा होने से पहले उसने क्या भविष्यवाणी की? "और तुम्हारा भी वैसा ही हर्ष होगा जैसे उनका हुआ है।" क्यों? उसने इस शब्द को कहा कि ऐसा होगा, और उसके बाद इसे पूरा करने के लिए आगे बढा। आमीन। ओह, भाई! उसने बोला, और उस दिन स्थिति को संभाला।

265 यदि कभी कोई ऐसा समय था जब मनुष्य को बोलना चाहिए, तो वो अभी है। बंद करते हुए, बस अगले कुछ मिनट, यदि आप बस कुछ मिनट और धीरज धर सकते हैं। मैंने यहाँ कुछ और बातें लिख कर रखी है, कुछ वचन जो मैं लेना चाहता हूं।

266 पतरस ने कभी दोहाई नहीं दी, जब उसने एक ऐसे मनुष्य को पाया जिसके पास चंगा होने के लिए पर्याप्त विश्वास था, जो सुंदर नामक फाटक पर पड़ा हुआ था। उसने कभी भी आकर और सारी रात प्रार्थना नहीं की, और, या ना पूरे दिन प्रार्थना नहीं की, एक बड़ी, लंबी प्रार्थना, कहा हो, "प्रभु, मैं अब प्रार्थना करता हूं कि आप इस गरीब लंगडे मनुष्य की सहायता करेंगे। मैं देखता हूं कि उसके पास विश्वास है। मैं जानता हूं कि वो एक विश्वासी है। और मैंने उससे पूछा है, और वो—वो... मैं—मैं—मैं... उसने कहा कि उसे विश्वास था, वह विश्वास करेगा कि मैंने उसे जो बताया है, और मैंने उसे उसके बारे में बताया है... जो आपने किया है, और मैं—मैं अभी सोचता हूं, प्रभु, कि—कि... क्या आप मुझे यहोबा यों कहता है, इसके लिए दे सकते हो? "

267 नहीं, वह जानता था कि वो अभिषिक्त प्रेरित था। वो जानता था कि यीशु मसीह ने उसे अधिकार दिया था। "बीमारों को चंगा करो, मुर्दों को जिलाओ, कोढ़ी को शुद्ध करो, शैतानों को बाहर निकालो। जैसा कि आपको मुफ्त में मिला हैं, मुफ्त में तुम दे दो।" उसने कहा, "पतरस, जाकर इसे करो!" उसे प्रार्थना करने की आवश्यकता नहीं पड़ी थी। उसे अधिकार दिया गया था।

268 उसने क्या कहा? उसने कहा, "यीशु मसीह के नाम में!" उसने यीशु मसीह के नाम को बोला, और वो मनुष्य बस वहीं पर पड़ा था, और उसने उसे हाथ से उठाया, और कहा, "अपने पैरों पर खड़े हो जाओ!" और उसने उसे तब तक पकडे रखा, जब तब उसके टखने की हड्डियों में ताकत नहीं मिली, और उसने चलना आरंभ कर दिया। क्यों? उनकी कोई भी रात भर की प्रार्थना सभा नहीं हुई थी। उसने कभी भी परमेश्वर की दोहाई नहीं दी। वह यीशु मसीह के होंठों से सकारात्मक जानता था, उसे इस काम को करने के लिए अभिषेक किया गया था। जी हाँ। उसने बोला और उसे ऊपर उठाया, क्योंकि वो जानता था कि वह इस उद्देश्य के लिए अभिषिक्त प्रेरित था।

269 जो लोग उसकी छाया में पड़े हुए थे, उन्होंने कभी भी नहीं कहा, "हे प्रेरित पतरस, आकर और हमारे लिए दोहाई दो, और हमारे लिए विश्वास की परमेश्वर से प्रार्थना करे।" नहीं, नहीं, उन्होंने कभी ऐसा नहीं कहा। वे जानते थे कि वो अभिषिक्त और परमेश्वर का प्रमाणित एक प्रेरित था।

सो उन्होंने कहा, "आओ हम केवल उसकी छाया में पड़े रहे। आपको एक शब्द भी नहीं कहना है। हम इसे जानते है। हम इसे विश्वास करते हैं।" उनके अन्दर जीवन होता है! प्रेरित उन सभी तक नहीं पहुँच पाया। और वे, खुद, वे इसके एक भागीदार हैं।

270 मूसा ने कहा, "यह केवल मैं नहीं जा रहा हूं। हम सब जा रहे हैं।" हम सब के पास करने के लिए कुछ है। हम सभी को अभिषेक किया जाना है।

271 और उन्होंने देखा कि प्रेरित वहां पर खड़ा था, और उसे बीमार मनुष्य को चंगा करते देखा और उसने उन चीजों को किया। वे जानते हैं कि वो उन तक नहीं पहुंच सकते। कहा, उन्होंने कभी नहीं कहा, "पतरस यहाँ आओ, और—और प्रार्थना करो, और हम अब रुके हुए है जब तक कि तुम्हे यहोवा यो कहता है, नहीं मिलता है, और आकर मुझे बताओ, देखें कि प्रभु क्या कहता है।" उन्होंने कहा, "यदि हम केवल उसकी छाया में ही पड़े रह सकते हैं, क्योंकि वही परमेश्वर जो यीशु मसीह में था वो उसके अंदर है, और हम वही काम को करते हुए देखते हैं। इसलिए उन्होंने यीशु के वस्त्र के किनारे को छुआ और उसकी छाया में पड़े हुए है, और यीशु इस मनुष्य में है। यदि वह छाया हमारे ऊपर प्रतिबिंबित हो सकती है, तो हम चंगे हो जायेंगे।"

272 और बाइबल ने कहा कि उनमें से हर एक चंगा हो गया था। ना ही सारी रात की प्रार्थना सभा, कहते हुए, "प्रभु, क्या मैं इस प्रेरित की छाया में लेट जाऊं? " नहीं, वे उसे जानते थे। उजियाला उन पर चमका था। उनके हृदय पूर्ण रूप से भर गए थे। उनके विश्वास ने आजाद कर दिया। आमीन। उन्होंने इसे विश्वास किया। उन्होंने इसे देखा था। वैसे ही, पौलुस के रुमाल।

अब, बंद करते हुए।

273 यीशु ने कभी भी दोहाई नहीं दी, जब उन्होंने पागल लड़के को उसके पास लाया, जो मिर्गी थी, आग में गिर रहा था। उसने कभी नहीं कहा, "हे पिता, मैं आपका पुत्र हूं, और अब आपने मुझे *ऐसा–ऐसा* और *ऐसा* करने के लिए यहां भेजा है। क्या मैं इस लड़के को चंगा कर सकता हूँ? " उसने कभी नहीं कहा। उसने कहा, "उसमें से बाहर निकल शैतान!" उसने बोला, और लड़का ठीक हो गया था।

274 जब वो उस सेना से मिला, जो उसमें दो हजार शैतानों के साथ थी, ये यीशु दोहाई नहीं दे रहा था। ये तो शैतान दोहाई दे रहे थे, "क्या आप हमें बाहर निकालेंगे," ओह, प्रभु, "हमें अनुमती दे ताकि हम उस सूअर के झुंड में चले जाये।"

275 यीशु ने कभी नहीं कहा, "अब पिता, क्या मैं ऐसा करने में सक्षम हूं?" उसने कहा, "उसमें से निकल जा," और शैतानों ने अपनी उड़ान को लिया। निश्चित ही, वह जानता था कि वो मसीहा था।

276 लाजरस की कब्र पर, वह चार दिन से मरा हुआ था। उन्होंने कहा, "यदि तू यहां पर होता, प्रभु, वो नहीं मरता।"

277 उसने कहा, "मैं पुनरुत्थान और जीवन हूं।" आमीन! ना ही कहाँ, कब, या कैसे। "वो जो मुझ पर विश्वास करता है, यदि वह मर भी चुका है, फिर भी वह जी उठेगा।" आमीन। वो जानता था कि वह कौन था। वो जानता था कि वह क्या था। वह जानता था कि वह इम्मेनुएल था। वो जानता था कि वह पुनरुत्थान था, वो जानता था कि वह जीवन था। वो जानता था कि उसमें परमेश्वत्व की देह की परिपूर्णता वास करती है। उसने वहां उन छोटे से लोगों को देखा, और उसने देखा था कि परमेश्वर उसे तब क्या करने के लिए कहा था, और वहां पर वो था। वह वहां पर चला गया।

278 उसने कभी नहीं कहा, "अब, रुको, मैं यहाँ पर घुटने टेकूंगा। आप सभी घुटने टेके और प्रार्थना करे।" उसने कहा, "तुम विश्वास करते हो कि मैं इसे करने में सक्षम हूं?" आमीन। उसने इसके लिए पूछा।

279 ये वह नहीं था; ये तो वे थे। "हाँ, प्रभु, मुझे विश्वास है कि आप परमेश्वर के पुत्र हो जिसे संसार में आना था।" ओह, प्रभु! वहां उसकी पहचान हुई थी। कुछ तो घटित होना है।

280 "लाजरस, बाहर आ!" उसने बोला, और एक मृत व्यक्ति बाहर आ गया। ना हीं, "क्या मैं कर सकता हूं?" उसने केवल बोला। जब विश्वास मिल गये थे, तो बात घटित हुई।

281 वो बोलता है, वो बोला, और अंधे ने देखा, लंगड़ा चलने लगा, बहरों ने सुना, शैतान चिल्लाने लगे और बाहर निकले, मुर्दे जीवित हो गये, हर एक चीज। क्यों? उसने प्रार्थना नहीं की। वो अभिषेकित मसीहा था। वो वही मसीहा था। वो जानता था कि वो था। वो अपने स्थान को जानता था। वो

जानता था कि उसे क्या करने के लिए भेजा गया था। वो जानता था कि पिता ने विश्वासीयो के लिए उसकी मसीहा होने के पहचान को दिया था। और जब वो विश्वास के साथ उन विश्वासीयो से मिला, तो उसने केवल शब्द को बोला। शैतान तितर बितर हो गया। जी हाँ, श्रीमान। "बोल! दोहाई मत दो, बोलो!" आमीन।

282 और वो उसके परमेश्वर के दिए अधिकारों को जानता था, लेकिन हम नहीं जानते। वो जानता था कि वह क्या था। हम नहीं जानते।

283 मूसा भूल चूका था। शिमशोन समझता था। दूसरों ने समझा। यहोशू समझ गया। मूसा भूल गया। परमेश्वर ने उसका ध्यान इसकी ओर दिलाना था। उसने कहा, "तुम मेरे लिए क्यों दोहाई दे रहे हो? मैंने तुम्हे उस काम को करने के लिए भेजा है। बोलो, और अपने लक्ष्य की ओर आगे बढ़ो। मैंने तुम्हे बताया था कि तुम इस पहाड़ पर आओगे। उन बच्चों को लेकर और उन्हें आगे ले जाओ। केवल बोलो। मैं परवाह नहीं करता कि तुम्हारे रास्ते में क्या है, इसे रास्ते से हटा दो। मैं तुम्हे इसे करने का अधिकार देता हूं। मैंने बोला... तुमने मक्खियों और पिस्सू को बोला, और सृष्टि की, और इस तरह की चीजों को किया है। अब तुम मेरे विषय में क्यों चिल्ला रहे हो? तुम मेरे पास आकर, इन चीजों को चिल्ला रहे हो? केवल बोलो और इसे होते हुए देखो, बस इतना ही है।" ओह, प्रभु! ओह, मैं इसे कितना पसंद करता हूँ!

284 यहां, यीशु, जो कुछ उसने कहा, उसने केवल शब्द को बोला, और ये हो गया था। परमेश्वर ने उसे सही तरह से उसे अपना पुत्र होने के लिए प्रमाणित किया था। "यह मेरा प्रिय पुत्र है, जिसमें रहने से मैं बहुत प्रसन्न हूं। उसकी सुनो।"

285 उसे देखो। मुझे यह पसंद है। कितनी हिम्मत से, वो किस तरह अपने निंदको के सामने खड़ा हुआ था। आमीन। उसने कहा, "इस मंदिर को ढा दो, और मैं पिता से प्रार्थना करूंगा और देखुंगा कि वह इसके विषय में क्या करता है"? "इस मंदिर को ढा दो, और मैं इसे तीन दिनों में फिर से खड़ा करूंगा।" ना ही, "मैं आशा करता हूं; मैं इसके लिए कोशिश करूंगा।" "मैं इसे करूँगा!" क्यों? वचन ऐसा कहता है।

286 वही वचन जो कहता है कि वो अपनी देह को जिलाएगा, हमें अधिकार को देता है, उस सामर्थ को। आमीन। "मेरे नाम में वे शैतानों को बाहर

निकालेंगे, वे नई–नई भाषाओं को बोलेंगे; यदि वे साँप को उठा लेते हैं, या घातक वस्तु को पी लेते हैं, तो इससे उन्हें कोई हानि नहीं होगी; यदि वे बीमारों पर अपने हाथ को रखते हैं, तो वे चंगे हो जाएंगे।"

"मेरे निमित क्यों दोहाई देता है? बोल, और आगे बढ़।" ओह, हिम्मत से मैं...

"इस मंदिर को ढा दो, मैं इसे फिर से खड़ा करूंगा।" ओह!

287 और अब याद रखें, (हम बंद कर रहे हैं), ये वही वो था। ये वो था जिसने यूहन्ना 14:12 में कहा, वो... "वो जो मुझ पर विश्वास करता है, जो काम मैं करता हूं वो भी करेगा।" क्या यह सही है? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] ये वो ही था, जिसने ऐसा कहा।

288 यह मरकुस 11:24 में यीशु था, उसने कहा, "यदि आप इस पहाड़ से कहो," ना ही यदि तुम इस पहाड़ से प्रार्थना करो। "यदि तुम इस पहाड़ से कहो,'हट जा,' और अपने हृदय में संदेह ना करो, लेकिन विश्वास करो कि जो तुमने कहा है, वो पूरा हो जाएगा, तुम्हारे पास हो सकता है जो तुमने कहा है।" अब आप, यदि आप इसे बस ऐसे ही मान लेते हैं, तो ऐसा नहीं होगा। लेकिन यदि आपके अंदर कुछ तो है, आप—आप उस काम को करने के लिए अभिषेकित हैं, और ये जानना है कि यह इसे करने के लिए परमेश्वर की इच्छा है, और वो इसे बोलेगा, ऐसा होना है। "यदि तुम... "

289 ये वो ही था जिसने इसे कहा था। "यदि तुम मुझ में बने रहते हो, और मेरा वचन तुम में बना रहता हैं, तुम जो चाहो मांगो और ये तुम्हारे लिए हो जाएगा।" ओह, प्रभु! ओह, प्रभु! आप समझे मेरा क्या मतलब है? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।]

290 इसके लिए क्षमा करे, लेकिन यह अभी मेरे अंदर आ रहा है। मुझे यह कहना है। ये वो ही था उसने कहा, वहां उस दिन पर, उस जंगल के अंदर, "तुम्हारे पास कोई शिकार नहीं है।" और उसने हमारे सामने खडी तीन गिलहरीयों की सृष्टि की। क्या है ये? केवल शब्द बोलते हुए, कहा, "वे *वहां* पर होंगी, और *वहां,* और *वहां,*" और वहां पर वे थी। ये वही था जिसने इसे किया था।

291 चार्ली, रॉडनी, ये वही था जो वहां केंटकी में था और नेल्ली, मार्गी, और बाकी के आप लोग। ये वही था, वही परमेश्वर जो वहां पहले था और मूसा

से बात करता था और उसने कहा, "तू मेरी क्यों दोहाई देता है? शब्द को बोल!" ये वही था जो उन्हें अस्तित्व में लाया। ये वो ही है। यह वही है। ओह, प्रभु!

292 ये वही था जिसने एक वर्ष पहले दर्शन को दिया था, उसने कहा था कि हम वहां पर जायेंगे, और ये सात मुहरे, और किस तरह से एक—एक—एक—एक बड़ी गर्जन जो इसे आरंभ कर देगी, और वे एक पिरामिड के आकार में होंगे। और वहां देखे पत्र... *लाइफ* पत्रिका ने इसे छापा किया है, जिसे वहां दीवार पर टांगा गया है। ये वही था जिसने यह कहा था।

293 ये वही था, उस रात को जब मैं उस सड़क पर जा रहा था और वो बड़ा माम्बा सांप मेरे भाई की ओर पहुँचने वाला था। और उसने कहा, "तुमने दिया है... तुम्हे उसे बांधने की सामर्थ दी गई है, या उनमें से बाकी किसी को भी।" ये वही था, जिसने यह कहा था।

294 मेरी छोटी सफ़ेद बालो वाली पत्नी वहां पीछे बैठी हुई है: ये उस सुबह वही था, जिसने मुझे उस कमरे में वहां जगाया, और कोने में खड़ा था, कहा, "कुछ भी करने के लिए डरो मत, या कहीं भी जाने के लिए, या कुछ भी कहने लिए, क्योंकि जहाँ कहीं भी तुम जाते हो, कभी भी न हारने वाली यीशु मसीह की उपस्थिति तुम्हारे साथ है।"

295 ये यह लगभग तीन महीने पहले वहां उस ओर सबिनो कैन्यन में वही था, जब मैं प्रार्थना कर रहा था, सोच रहा था कि क्या होने जा रहा था। मैं वहां पर खड़ा हुआ था, और एक तलवार मेरे हाथ में उतर आयी, और कहा, "यह राजा की तलवार है।" ये वही था।

296 ये वही था जिसने मुझसे कहा, "जैसा मैं मूसा के साथ था, वैसे ही मैं तुम्हें भेजूंगा।"

297 ये वही था जिसने तीस वर्ष पहले मुझसे कहा, वहां नदी पर, मैं एक छोटे से लड़के जितना ही था। तीस वर्ष पहले, नदी पर एक छोटे प्रचारक के रूप में वहां खडा हुआ था जब वो उजियाला, वो अग्नि का एक स्तंभ, जो आकाश से उतरकर वहां बना रहा, और कहा, "जैसा कि मैंने यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले को मसीह के आगे–आगे भेजा था, तुम्हारा संदेश दूसरे आगमन से पहले आगे–आगे जायेगा," जो सारे संसार के लिए है। यह कैसे हो सकता है, जब मेरा अपना पास्टर हँस पड़ा और इसका मजाक

उड़ाया? लेकिन ये बिल्कुल ठीक उसी प्रकार से घटित हुआ। ये वही था जिसने इसे कहा था। जी हाँ, श्रीमान!

298 ओह, किस तरह से ये वही था जिसने भविष्यवाणी में कहा, दर्शन के लिए, "ये पूरा होने जा रहा है।" ये वही था जिसने कहा, "यदि तुम में से कोई भविष्यवाणी करता है, या एक दर्शन को देखता है, और इसे बताता है, और ये पूरा होता है; तब याद रखना कि यह वो नहीं है, यह तो मैं हूं। मैं उसके साथ हूँ।" ओह, प्रभु! मैं आगे क्या कर सकता हूं, और कहता हूं कि ये वही है, ये वही है, ये वही है!

299 ये वही है जो नीचे उतर आया, जब मैंने उनसे कहा कि वो अग्नि का स्तंभ वहां नदी पर था, और वे इस पर विश्वास नहीं कर सके। ये वही था जो उनके बीच था, जब बैपटिस्ट प्रचारक, इससे पहले उस रात तीस हजार लोग सैम हॉस्टन कोलिज़ीम में, जब परमेश्वर के उस दूत ने अपनी तस्वीर को लेने दिया था, जो वहां पर खड़ा था। ये वही था, जो कल, आज, और युगानुयग एक सा है।

300 ये वही था जिसने पहले ही बताया था कि ये बातें कहाँ पर होंगी। ये वो ही था जिसने इसे कहा था। ये वही था जिसने इन चीजों को किया था। वो कल, आज, और युगानुयग एक सा है। उसने सब कुछ बिल्कुल ठीक उसी तरह किया जैसा उसने कहा था कि वह इसे करेगा। आमीन।

301 भला मुझे क्यों रुकना चाहिए? परमेश्वर ने वचन को प्रमाणित किया है। यही सच्चाई है। आइये यात्रा करते हैं। आइये आगे चले। आइये प्रभु के कदम पर आगे बढे, सारे संदेह, सारे पाप को एक तरफ रखते हुए। घर को साफ करे, इसे अच्छी तरह से धो ले ।

302 जैसे जूनियर जैक्सन के दर्शन या उसके स्वपन ने कहा, वहां धूपदान के अलावा कुछ भी नहीं बचा था; यदि वे भाई यहाँ बैठे हुए है तो। धूपदान के अलावा कुछ भी नहीं बचा था, और उनके चारो ओर सोने की पट्टीयां थी, उस स्वपन में जिसे उन्होंने मुझे एक दिन बताया। ओह, प्रभु!

303 भाई कोलिन्स, उस मछली के बारे में चिंता मत करो। वो सफेद थी। आपने तब नहीं जाना कि इसे कैसे वर्णन करे।

304 हर एक चीज को एक तरफ रखे जो इसके विपरीत है। याद रखें, यह सच्चाई है, भले ही ये कितना भी कभी–कभी कट्टरपंथी दिखाई देता है, और इत्यादि सारी चीजे। इसके साथ आगे बढ़ें। ये ही पवित्र आत्मा है। वही

परमेश्वर जिसने यीशु मसीह को मुर्दे में से जिलाया, वही वो एक है जो उन चीजो को बोल कर अस्तित्व में ला सकता है, वही वो एक है, जो मूसा के दिनों में रहा था, आज भी वही है।

305 इस अंतिम दिन में, उसकी पुकार, वह प्रमाणित है। "जैसा कि ये सदोम के दिनों में था, वैसे ही ये मनुष्य के पुत्र के आने पर होगा।" उसने किया... वहां पर सदोम है। वहां एक बिली ग्राहम और एक ओरल रॉबर्ट्स है। और कलीसिया उन्ही चिन्हों के द्वारा आगे बढ़ रही है, जिसकी उसने प्रतिज्ञा की, दोनों ही स्थान, और वहां पर वे हैं। ये वही है जिसने इसे कहा।

306 ओ प्रभु, मुझे हिम्मत दीजिये, ये मेरी प्रार्थना है। हे प्रभु परमेश्वर, मेरी सहायता करे।

मुझे यहां छोड़ना है। देर हो रही है।

307 "मेरे लिए क्यों दोहाई देता है? तू मेरे लिए क्यों दोहाई दे रहा है, जब मैंने तुम्हारे साथ होने को साबित किया है? क्या मैंने तुम्हारी बीमारी को ठीक नहीं किया है," वो कहेगा? "क्या मैंने तुम्हे उन चीजों को नहीं बताया है जो बिल्कुल ठीक उसी तरह से हुई? तुम्हारा पास्टर इसे नहीं कर सकता है। मैं! वो नहीं कर सकता; वो एक मनुष्य है, यह तो मैं हूं, वो प्रभु," जो वो कहेंगा। "मैं ही वो एक हूँ जिसने ऐसा किया। मैं ही वो एक हूं जिसने इन चीजो को उसे कहने के लिए कहता हूं। ये वो नही है। ये मेरी आवाज़ है। मैं ही वो एक हूं, जिसने तुम्हारे मृतकों को उठाया है, जब वे नीचे पड़े हुए थे। मैं ही वो एक हूं, जो बीमारों को ठीक करता है। मैं ही वो एक हूं, जो इन चीजो की भविष्यवाणी करता हूं। मैं ही वो एक हूं, जो बचाता हूं। मैं ही वो एक हूं, जो प्रतिज्ञा को देता हूं।"

308 परमेश्वर, मुझे उस वचन की तलवार को लेने की हिम्मत दी, जिसे उसने मेरे हाथ में लगभग तैतीस वर्ष पहले रखा, और इसे पकडे रहूं और तीसरे खिचाव की ओर आगे बढ़ूँ, ये मेरी प्रार्थना है।

आइये अपने सिरों को झुकायें।

309 स्वर्गीय पिता, समय बीतता जा रहा है, लेकिन वचन बहुमूल्य होता जा रहा है। जैसा कि हम इसे देखते हैं, प्रभु, समय दर समय, ना चुकने वाली मसीह की उपस्थिति हमेशा हमारे साथ होती है। आपकी भलाई के लिए मैं आपको कैसे धन्यवाद दे! किस तरह से आपने हमें बचाये रखा है और... और हमें आशीषित किया, हम इसके लिए आपका धन्यवाद कैसे करे!

310 जैसे मैंने इन रूमालों को अपने हाथ में पकड़ा है, प्रभु, ये वे लोग हैं जिनके पास विश्वास है, जो इसे भरोसा करते है। होने पाये हर एक शैतान, हर एक बीमारी, उन लोगो को छोड़ कर चली जाये। और मैं यहां हर आत्मा को आज्ञा देता हूं; जो घृणत है, और परमेश्वर की नहीं है, हर एक बीमारी की आत्मा, हर एक रोग और पीडाये। हम मनुष्य की छाया में नहीं पड़े हुए, जो कि सब ठीक करेगी, लेकिन हम सुसमाचार की छाया के नीचे है, उस प्रमाणित सुसमाचार की।

311 जब अग्नि का महान स्तंभ इस ईमारत में पीछे और आगे मंडरा रहा है, वो ही एक जिसे परमेश्वर ने इसमें से होते हुए देखा, और लाल समुन्द्र पीछे हटने लगा, और इस्राएल वहां से पार हो गया। लेकिन अब, जब वो देखता है, दया और अनुग्रह के साथ, ये उसके अपने पुत्र के लहू के साथ छिड़का गया है। होने पाये वे आज्ञाकारी बने। होने पाये हम आज कहना छोड़ दे, दोहाई देता हूं। हम जान जाये कि आपने हमें इस काम को करने के लिए बुलाया है। यही वो घडी है। मैं इसे यीशु मसीह के नाम में बोलता हूँ, हर एक बीमारी इस जगह को छोड़कर चली जाये।

312 होने पाये हर पुरुष और महिला, जिसे यीशु मसीह के नाम पर बुलाया गया है, आज अपने जीवन को नये सिरे से समर्पित करें। मैं अपने जीवन को प्रार्थना की वेदी पर समर्पित करता हूं, प्रभु। मैं खुद को एक तरफ रखता हूं, और अपने खुद के लिए शर्मिंदा हूं और अपने सिर को धरती की ओर घुमाता हूं जहाँ पर से आपने मुझे उठाया था। प्रभु परमेश्वर, मैं अपनी कमजोरी और अपने अविश्वास से शर्मिंदा हूँ। इसे क्षमा करें, प्रभु। मुझे हिम्मत दीजिये। हम सभी को हिम्मत दीजिये।

313 मैं महसूस करता हूं, मूसा के जैसे, हम सब हमारे मार्ग पर हैं। हम एक को भी नहीं छोड़ना चाहते हैं। हम हर एक को लेना चाहते हैं, प्रभु। वे आपके हैं। मैं उन्हें आपके लिए दावा करता हूं। आज इन लोगों को आशीष देना, प्रभु। इसे प्रदान करे। और उनके साथ–साथ मुझे आशीष देना, पिता, और आपके नाम की प्रशंसा हो। आपकी महिमा उनकी होगी। हमें ये अनन्त विश्वास दे, प्रभु, जैसे हम अब खुद को आपके लिए समर्पित करते हैं।

314 मैं, इस बाइबल पर और इस पर बने रहकर, मैं आपको अपने जीवन को देता हूं, प्रभु। मैं आपके द्वारा दिए गए हर एक प्रतिज्ञा पर निर्भर रहता

हूं। मैं जानता हूं कि उनकी पुष्टि की जायेगी। मैं जानता हूं कि वे सत्य हैं। मुझे इन शब्दों को बोलने के लिए हिम्मत देना। मुझे हिम्मत देना, प्रभु। मुझे इसमें निर्देशित करें मुझे क्या करना है और कहना है। मैं इस कलीसिया के साथ, अपने आप को आपके लिए देता हूं, इसके साथ–साथ, प्रभु, यीशु मसीह के नाम में। आमीन।

मेरा विश्वास... आप की ओर,
तुझ कलवरी के मेमने,
दैविक उद्धारकर्ता;
अब मेरी सुनना जब मैं प्रार्थना करता हूं,
मेरे सारे पापों को दूर करे,
ओह मैं इस दिन से लेकर
पूरी तरह से आपका रहूं!

315 अब आइये हम खड़े हो जाये, शांती पूर्वक, जब हम इसे गुनगुनाते हैं। [भाई ब्रन्हम और कलीसिया गुनगुनाना आरंभ करते है, *मेरा विश्वास आपकी ओर देखता है*।—सम्पा।]

... आप की ओर,
तूझ मेमने...

आइए अब हम उसकी ओर अपने हाथ उठाये।

हे उद्धारकर्ता...

अब परमेश्वर के लिए अपने आप को समर्पित करो।

अब मेरी सुनना जब मैं प्रार्थना करता हूं,
मेरे सारे संदेह को दूर करे,
ओह मैं इस दिन से लेकर
पूरी तरह से आपका रहूं!

316 अब मिलकर, हमारे हाथों को ऊपर उठाने के साथ। [सभा भाई ब्रन्हम के बाद इस प्रार्थना को दोहराती है।—सम्पा।] प्रभु यीशु, अब मैं खुद को समर्पित करता हूं, एक सेवा का जीवन, और अधिक शुद्ध, और अधिक विश्वास, मैं पुकारता हूं, कि मैं अपने आने वाले जीवन में एक और अधिक स्वीकार्ययोग्य सेवक बन सकूं, उससे अधिक जितना कि मैं बीते जीवन में रहा हूं। मेरे अविश्वास के लिए क्षमा करें, और उस विश्वास को हमें लौटाये

जिसे एक बार संतों को दिया गया था। मैं आपने आपको यीशु मसीह के नाम में आपको देता हूं।

317 अब जब हम अपने सिर झुकाते हैं।

जबकि मैं जीवन के अंधेरी भूल भुलैया में चल रहा हूं,
और मेरे चारों ओर दुख से घिरा हुआ,
आप मेरा अगुवा बनिये;
घोर अंधेरे को दिन में बदले,
मेरे सारे डर को दूर कर दे,
न ही मुझे कभी भटकने दे
आपसे अलग होकर।

318 जैसे हम अपने सिर को झुकाते हैं। क्या आप महसूस करते है कि सुबह का संदेश आपके लिए लाभजनक रहा है? [सभा कहती है, "आमीन।"—सम्पा।] आपको हिम्मत मिली है? ["आमीन।"] यदि आप केवल अपने हाथो को परमेश्वर की ओर उठाये, कहते हुए, "परमेश्वर, मैं आपको धन्यवाद देता हूं।" ["परमेश्वर, मैं आपको धन्यवाद देता हूं।"] मैंने अपने दोनों हाथो को ऊपर उठाया है, क्योंकि मैं बस ऐसा ही महसूस करता हूं, इससे—इससे मुझे मदद मिली है। ये मुझे हिम्मत देता है।

319 कुछ बातें मैंने कही, मैंने नहीं सोचा कि मैं यह कहने जा रहा था, लेकिन यह पहले ही कहा जा चुका है। ये मेरे लिए एक ताड़ना थी। मैंने खुद को इस तरह से नहीं पाता हूं कि मैंने सोचा था जिसे मैंने किया, लेकिन शब्द को बोलने की बजाये मैं हर समय दोहाई देने के लिए खुद को दोषी पाता हूं।

320 परमेश्वर, इस समय से आगे मेरी सहायता करे, कि मैं एक और अधिक समर्पित सेवक बनूं।

321 ना ही केवल मैं अपने लिए प्रार्थना करता हूं, मैं आप लोगो के लिए भी प्रार्थना करता हूं, कि, एक साथ मिलकर, मसीह के एक देह के रूप में, संसार से बाहर बुलाये गए, प्रतिज्ञा किए हुए देश के लिए तैयार हो रहे है, कि परमेश्वर मुझे उस तरह से बोलने के लिए हिम्मत देगा, रास्ते को साफ़ करे जिससे आप निशाने से न चुक जाये। मैं बताऊंगा, आप परमेश्वर के अनुग्रह के द्वारा, मैं उसके लहू लुहान पद चिन्हों का अनुकरण करूंगा जो हमारे आगे–आगे चला था।

और इस पवित्र क्रूस को मैं सहन करूंगा,
जब तक मृत्यु मुझे स्वतंत्र नहीं करेगी,
और तब घर जाऊंगा, एक ताज को पहनने के लिए,
वहां मेरे लिए एक ताज है।

322 हम इसे आपको देते है, पिता, अपने समर्पण को, आपके पुत्र यीशु मसीह के नाम में। आमीन।

323 [एक भाई अन्य भाषा में बोलना आरंभ करता है। टेप पर खाली स्थान—सम्पा।]

324 हम इसके लिए परमेश्वर को धन्यवाद देते है। एक समर्पित जीवन चले। मधुर, नम्रता के लिए खुद को दे दो। आत्मा में चलो। मसीही के जैसे चले, बात करे, कपडे पहने, व्यवहार करे, नम्र और मधुर। अब इसे चुकने मत देना। परमेश्वर की आवाज़ वचन के जरिये से बोलती है, उसके दानो के जरिये से बोलती है। जैसे एक दान आता है, दूसरा दान इसे व्यक्त करता है, एक और दान आता है और उसी चीज़ को व्यक्त करता है। देखें, यह निश्चय ही ठीक वचन के साथ होता है और ठीक समय के साथ होता है। परमेश्वर हमारे साथ हैं। हम इसके लिए उसे कैसे धन्यवाद करे! अब यदि हमारे...

325 हमारे सिर झुकाये, यदि हमारी बहन हमें इस पर स्वर को दे:

अपने साथ यीशु के नाम को ले,
एक ढाल की नाई हर एक जाल के लिए;
और जब आप के चारों ओर परीक्षाये घेरे हुए होती हैं,
केवल प्रार्थना में उस पवित्र नाम की सांस लें।

326 बस, केवल इसे करे, शब्द को बोले और उसके नाम को बोले। अब आइये गाये जैसे हम—जैसे हम अब हम समाप्त करने जा रहे है।

अपने साथ यीशु के नाम को ले,
एक ढाल की नाई... और दु:ख;
यह आपको आनंद और ढांढस देगा,
ओह, इसे हर जगह ले जाओ।

बहुमूल्य नाम...

327 अब आइये एक दूसरे से हाथ को मिलाये, और कहें, "मैं आपके लिए प्रार्थना करूंगा, भाई, और आप मेरे लिए प्रार्थना करे।"

... स्वर्ग;
बहुमूल्य नाम, बहुमूल्य नाम, ओह कितना मधुर!
धरती की आशा और आनंद...

328 अब हमारे सिर को झुकाए, आइये इस अगली पंक्ति को गायेंगे।

अपने साथ यीशु के नाम को ले,
एक ढाल की नाई हर एक जाल के लिए;
और जब आप के चारों ओर परीक्षाये घेरे हुए होती हैं,
केवल प्रार्थना में उस पवित्र नाम की सांस लें।

बहुमूल्य नाम, बहुमूल्य नाम; ओह, कितना मधुर! ओह
कितना मधुर!
पृथ्वी की आशा और स्वर्ग की खुशी;
बहुमूल्य नाम, ओह कितना मधुर!
पृथ्वी की आशा और स्वर्ग की खुशी।

329 हमारे सिर अब झुकाने के साथ, और हमारे हृदय इसके साथ झुके हुए है, उस बात को अहसास करके कि यीशु ने कहा, "वो जो मेरे वचन को सुनता है और उस पर विश्वास करता है, जिसने मुझे भेजा है, उसके पास अनन्त जीवन है, और वो न्याय में नहीं आएगा, लेकिन मृत्यु से जीवन में पार हो चूका है।" यह जानते हुए कि हम, परमेश्वर के अनुग्रह के द्वारा, हमारे पास जो हमारे हृदय में हैं; आज सुबह उसे समर्पण करने के साथ, कि आज के बाद से हमारे जीवन बदल जायेंगे, जिससे हम अपनी सोच में और अधिक सकारात्मक होंगे। हम इस तरह से मधुरता और नम्रता में जीने की कोशिश करेंगे, कि, यह विश्वास करते हुए कि हम परमेश्वर से जो मांगते हैं, परमेश्वर इसे एक दूसरे को दे देगा। और हम एक दूसरे के विरोध में बुराई नहीं करे, या किसी मनुष्य की नहीं। हम अपने शत्रुओ के लिए प्रार्थना करेंगे और उनसे प्रेम करेंगे, उन लोगों के लिए भला करें, जो हमारे लिए बुरा करते हैं। कौन सही है और गलत है, इसका परमेश्वर न्यायी है। साथ ही...

330 इसके आधार पर, और हमारे सिर झुके हुए है, मैं अपने अच्छे मित्र, भाई ली वेयल से पूछूंगा, क्या वे प्रार्थना के कुछ शब्द से सभा को समाप्त करेंगे। भाई वेयल।

दोहाई क्यों देता है? बोल! HIN63–0714M

(Why Cry? Speak!)

यह सन्देश भाई विलियम मेरियन ब्रंहम के द्वारा मूल रूप से इंग्लिश में रविवार सुबह, 14 जुलाई, 1963 को ब्रन्हम टेबरनेकल, जेफरसनविले, इंडियाना, यु.एस.ए में प्रचारित किया गया। इसे चुम्बकीय टेप रिकॉर्डिंग से लिया गया है, और इंग्लिश में विस्तृत छापा गया है। इस हिंदी अनुवाद को वोईस ऑफ गॉड रिकॉर्डिंग के द्वारा छापा गया और बाँटा गया है।

HINDI

©2019 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org

कोपी राईट सूचना

सारे अधिकार सुरक्षित है। यह पुस्तक व्यक्तिगत प्रयोग या मुफ्त में देने और एक औजार के समान यीशु मसीह का सुसमाचार फैलाने के लिये
घर के प्रिंटर पर छाप सकते हैं।

इस पुस्तक को बेचना, अधिक मात्रा में फिर से छापना, वेब साईट पर डालना, दुबारा छापने के लिये सुरक्षित रखना, दूसरी भाषाओं में अनुवाद करना या धन प्राप्ति के लिये निवेदन करना निषेध है। जब तक की वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग कि लिखित अनुमति प्राप्त ना कर ली जाये।

अधिक जानकारी या दूसरी उपलब्ध सामग्री के लिये कृपया संपर्क करें:

वायस ऑफ गोड रिकार्डिंग्स

पोस्ट बोक्स 950 जैफरसन विले, इन्डियाना 47131 यू. एस. ए.

www.branham.org